सूर्योदय - 06:26
सूर्यास्त - 05 : 44

अधिकतम तापमान 32.0°
न्यूनतम तापमान 19.0°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ओपन सर्च

RNI No.DELHIN/2015/66886

खबरें और विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें

Mob. : 9210092542
opensearchnews@gmail.com

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

वर्ष : 12 अंक : 330 नई दिल्ली, बुधवार 04 नवम्बर-2026
नई दिल्ली, हरियाणा, बिहार से प्रकाशित
` मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

पुणे मेट्रो को मिली नई रफ्तार

प्रधानमंत्री मोदी ने 21,800 करोड़ के प्रोजेक्ट्स की रखी नींव

पुणे.एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पुणे मेट्रो की लगभग 21,800 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन किया और उनकी आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए पुणे और महाराष्ट्र की जनता को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जब रोजमर्रा की जिंदगी में नई सार्वजनिक सुविधाएं जुड़ती हैं तो त्योहारों की खुशी कई गुना बढ़ जाती है।

उन्होंने याद दिलाया कि दस वर्ष पहले उन्होंने ही पुणे मेट्रो के पहले चरण की आधारशिला रखी थी। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि हिंजवड़ी से शिवाजीनगर गलियारे के शुरू होने से एक प्रमुख आईटी हब तक बेहतर संपर्क मिलेगा जबकि आज शुरू की गई नई लाइन शहर के पुराने और नए हिस्सों को आपस में और बेहतर तरीके से जोड़ेगी। प्रधानमंत्री ने पुणे को विचारों का



• अधिक बेहतर तरीके से जुड़ा हुआ पुणे तेजी से आगे बढ़ रहा है; नई मेट्रो परियोजनाएं शहर के विकास को मजबूती देंगी तथा जीवन को और अधिक सुगम बनाएंगी : प्रधानमंत्री
• आज भारत एक ऐसा राष्ट्र बन गया है, जो न केवल सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, बल्कि सबसे तेजी से गरीबी घटाने वाला देश भी है : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

ऐतिहासिक केंद्र बताया जिसने देश और समाज को हमेशा दिशा दिखाई है। उन्होंने कहा कि यह शहर अब युवाओं की आकांक्षाओं के केंद्र के रूप में आईटी, ऑटोमोबाइल, औषधि उद्योग, स्टार्टअप, नवाचार और विनिर्माण के क्षेत्रों में 'विकसित भारत' की नई ऊर्जा का संचार कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ऐसे में मजबूत होती यहां की मेट्रो कनेक्टिविटी, पुणे शहर के विकास को नई गति देने जा रही है। प्रधानमंत्री ने बताया, पुणे मेट्रो का विस्तार यह दिखाता है कि आधुनिक शहरों को विकसित भारत के लिए किस तरह तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब शहरों को केवल उद्योगों, खान-पान या स्थानीय उत्पादों जैसे पारंपरिक पैमानों से नहीं आंका जाता, बल्कि उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता और जीवन जीने की सुगमता से परखा जाता है।

मेट्रो नेटवर्क इन दोनों को बेहतर बनाता है, जिससे लोगों का यात्रा का समय बचता है और उन्हें काफी सुविधा मिलती है। उन्होंने कहा कि शहर के लोगों का समय बचने से शहरी उत्पादकता बढ़ती है जिससे राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में भी तेजी आती है। मोदी ने बल देकर कहा, और जब अर्थव्यवस्था आगे बढ़ती है, तो गरीबों और मध्यम वर्ग, दोनों को इसका लाभ मिलता है।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर को लोक-हितैषी और सक्रिय शासन का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए इस बात का उल्लेख किया कि विगत 12 वर्षों में भारत का मेट्रो नेटवर्क 26 शहरों में लगभग 1,200 किलोमीटर तक फैल गया है जिससे प्रतिदिन एक करोड़ से अधिक यात्री लाभान्वित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज भारत का मेट्रो नेटवर्क दुनिया के शीर्ष तीन मेट्रो नेटवर्कों में गिना जाता है।

आज के बदलते समय में टेक्नोलॉजी युद्ध का अभिन्न अंग है : राजनाथ सिंह

जैसलमेर.एजेंसी



-> रक्षा मंत्री ने जैसलमेर में 'भारतीय रक्षा बलों के आधुनिकीकरण' पर रक्षा मंत्रालय की सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की
-> वर्तमान और उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए तकनीकी रूप से सशक्त सेना के निर्माण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है : राजनाथ सिंह
-> 'हमारा लक्ष्य 2029 तक रक्षा उत्पादन को 3 लाख करोड़ रुपए और रक्षा निर्यात को 50,000 करोड़ रुपए तक पहुंचाना है' : राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राजस्थान के जैसलमेर में 'भारतीय रक्षा बलों के आधुनिकीकरण' पर रक्षा मंत्रालय की सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उभरती सुरक्षा चुनौतियों, बदलते युद्ध परिदृश्यों, तकनीकी प्रगति तथा भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीकी रूप से सक्षम, आधुनिक और परिचालन की दृष्टि से अधिक चुस्त सेना के निर्माण की आवश्यकता पर व्यापक चर्चा हुई।

रक्षा बलों को वर्तमान और उभरती चुनौतियों के लिए तैयार रहने की आवश्यकता पर बल देते हुए रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार के तीन प्रमुख आयामों– बजट, पूंजी अधिग्रहण और आत्मनिर्भरता, प्रौद्योगिकी, तथा मानव पूंजी–में उठाए गए कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने आधुनिकीकरण की जरूरतों को पूरा करने के लिए बजटीय सहायता और पूंजी अधिग्रहण पर सरकार के निरंतर ध्यान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधनों के साथ उनका प्रभावी उपयोग और सशस्त्र बलों की महत्वपूर्ण जरूरतों को प्राथमिकता देना आवश्यक है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए रक्षा बजट बढ़ाकर रिकॉर्ड 7.85 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया है। इसमें आधुनिकीकरण और पूंजीगत खरीद के लिए 2.19 लाख करोड़ रुपए का पूंजीगत परिव्यय शामिल है।

यह घरेलू रक्षा उद्योग और विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने के साथ-साथ रक्षा बलों की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। रक्षा क्षेत्र में बढ़ती आत्मनिर्भरता का उल्लेख करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा उत्पादन वित्त वर्ष 2014-15 के 46,429 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 1.78 लाख करोड़ रुपए हो गया है। वहीं, रक्षा निर्यात जो 2014 में 2,000 करोड़ रुपए से भी कम था, अब बढ़कर लगभग 40,000 करोड़ रुपए हो गया है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2029 तक रक्षा उत्पादन को 3 लाख करोड़ रुपए और रक्षा निर्यात को 50,000 करोड़ रुपए तक पहुंचाना है।

राजनाथ सिंह ने आधुनिक युद्ध में प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि तकनीकी प्रगति संघर्षों के बदलते स्वरूप का अभिन्न अंग है। उन्होंने उन्नत हथियारों, मिसाइलों और प्रणालियों के विकास में डीआरडीओ की पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरकार निजी क्षेत्र को समान अवसर प्रदान कर रही है, ताकि रक्षा तंत्र में एमएसएमई से लेकर बड़े निगमों तक की भागीदारी बढ़ सके।

दिल्ली-एनसीआर में हर तरह के पटाखे बिकने पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता



नई दिल्ली.एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में हर तरह के पटाखों की बिक्री को लेकर चिंता जाहिर की है। कोर्ट ने कहा है कि उसके आदेश के मुताबिक दीपावली के मौके पर सिर्फ दो दिन ग्रीन पटाखों की इजाजत है लेकिन बाजार में सभी तरह के पटाखे बिक रहे हैं। जस्टिस एमएम सुंदरेश ने मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए एसजी ऐश्वर्या भाटी से कहा कि सरकार इस पर ध्यान दे। अखबार में छपी खबर के मुताबिक बाजार में हर तरह के पटाखे मिल रहे हैं और बिना क्यूआर कोड के पटाखे बिक रहे हैं। कोर्ट के आदेश की अवहेलना हो रही है, सरकार इस पर ध्यान दे। बता दें कि इससे पहले 2 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने दीपावली के मौके पर पटाखे छोड़ने की अनुमति दी थी। इससे पहले कई बार दीपावली पर हवा की खराब गुणवत्ता को देखते हुए पटाखों पर प्रतिबंध लगाया जाता रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने दीपावली पर दो दिन ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी है जबकि 9 नवंबर से पटाखे छोड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

दिल्ली-एनसीआर में 7 और 8 नवंबर को प्रमाणित ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी गई है जबकि कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि 9 नवंबर से पटाखों पर पहले की तरह पूर्ण प्रतिबंध लागू हो जाएगा। कोर्ट के 15 अक्टूबर 2025 के आदेश के अनुसार पटाखे जलाने की अनुमति दी गई है। इसके तहत 7 और 8 नवंबर को सुबह 6 से 7 बजे तक और रात 8 से 10 बजे तक ही पटाखे जलाए जा सकेंगे। कोर्ट के आदेश के अनुसार अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक एवं जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और अधिसूचित साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में पटाखे जलाने की अनुमति नहीं होगी।

तिरुवनंतपुरम में लोक लेखा समिति अध्यक्षों के दो दिवसीय सम्मेलन का आगाज

तिरुवनंतपुरम.एजेंसी



-> सार्वजनिक धन के एक-एक रुपये का हिसाब होना चाहिए और उसका उपयोग उसके वांछित उद्देश्य के लिए किया जाना चाहिए : लोकसभा अध्यक्ष
-> पारदर्शिता और उत्तरदायित्व लोकतंत्र की आधारशिला हैं, पीएसी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सार्वजनिक व्यय नागरिकों के लिए ठोस परिणामों में परिवर्तित हो : लोकसभा अध्यक्ष

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज संसद और राज्य विधानसभाओं की लोक लेखा समितियों (पीएसी) से सार्वजनिक धन के संरक्षक के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने बल देकर कहा कि सरकारी खजाने से निकाले गए हर एक रुपये का उचित हिसाब होना चाहिए और जिस उद्देश्य के लिए उसे आवंटित किया गया था उसी के लिए उसका पूरा उपयोग किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और उत्तरदायित्व लोकतंत्र की आधारशिला हैं और सार्वजनिक व्यय का असली पैमाना यह होना चाहिए कि इससे आम नागरिकों के जीवन में कितना सकारात्मक बदलाव आया है। बिरला ने तिरुवनंतपुरम में संसद और राज्य विधानसभाओं की लोक लेखा समितियों के अध्यक्षों के सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि पीएसी संसदीय लोकतंत्र की एक महत्वपूर्ण संस्था है। इस पर सार्वजनिक व्यय की जांच करने, वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने और कार्यपालिका को जवाबदेह ठहराने का उत्तरदायित्व होता है। उन्होंने कहा कि इन समितियों का काम केवल खातों की जांच या लेखा परीक्षा की रिपोर्ट देखने तक सीमित नहीं है; उन्हें यह भी देखना चाहिए कि क्या निर्धारित किए गए उद्देश्य सार्वजनिक धन से पूरे हुए हैं और क्या वे परिणाम मिले हैं जिनके लिए यह धन आवंटित किया गया था। ओम बिरला ने लेखा परीक्षा की आपत्तियों के 10, 15 या 20 वर्षों तक अनसुलझे रहने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इतने लंबे समय तक मामलों का लंबित रहना पूरी व्यवस्था की कार्यक्षमता पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

उन्होंने ठोस, व्यवस्थित और समयबद्ध कार्य योजना बनाने का आह्वान किया ताकि लेखा परीक्षा संबंधी आपत्तियों और उन पर की जाने वाली कार्रवाई को बिना किसी अनावश्यक देरी के पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर निगरानी, समीक्षा और समय-समय पर इसके संबंध में अनुवर्ती कार्रवाई की व्यवस्था को मजबूत करना चाहिए ताकि उत्तरदायित्व केवल कागजों तक सीमित न रहे बल्कि समय रहते सुधारात्मक कदम भी उठाए जाएं।

दिल्ली को मेडिकल हब बनाने के लिए सरकारी और निजी क्षेत्रों को आगे आना चाहिए : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली.ओपन सर्च



दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी को मेडिकल हब में बदलने के लिए सरकारी और निजी, दोनों क्षेत्रों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण इलाज की सुविधाएं सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के एक निजी अस्पताल में आईवीएफ केंद्र का उद्घाटन करने के बाद ये बात कही।

उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि राष्ट्रीय राजधानी आने वाले किसी भी व्यक्ति को उचित इलाज और स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। गुप्ता ने कहा कि अगर हम सच में दिल्ली को एक मेडिकल हब बनाना चाहते हैं, तो सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों को आगे आना होगा। डब्ल्यूएचओ के मानकों के अनुसार, हर 1,000 लोगों पर कम से कम पांच मेडिकल बेड होने चाहिए। हमारा देश अभी भी इस मानक से पीछे है, और मुझे लगता है कि दिल्ली में अभी हर 1,000 लोगों पर लगभग दो बेड उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि हर 1,000 लोगों पर पांच बेड के लक्ष्य को हासिल करने के लिए दोनों क्षेत्रों को मिलकर प्रयास करने होंगे। इस संख्या को पांच बेड तक पहुंचाने के लिए, दोनों क्षेत्रों को एक साथ काम करने की जरूरत है। अगर कोई दिल्ली आता है, तो उसे उचित इलाज और स्वास्थ्य सुविधाएं मिलनी चाहिए। यह प्रधानमंत्री का सपना है और दिल्ली सरकार इसी दिशा में काम कर रही है।

आप संसद चलने दीजिए, सरकार एसआईआर पर चर्चा के लिए तैयार : अमित शाह

ओपन सर्च. संवाददाता

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के मुद्दे पर विपक्ष को चुनौती देते हुए कहा है कि सरकार इस विषय पर संसद में चर्चा करने के लिए तैयार है। उन्होंने विपक्ष से संसद की कार्यवाही बाधित नहीं करने और सदन चलने देने की अपील की। गृह मंत्री शाह ने कहा कि विपक्ष एसआईआर पर चर्चा करना चाहता है तो सरकार इसके लिए तैयार है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को छत्तीसगढ़ के राज्योत्सव के समापन समारोह में शामिल होने अटल नगर-नवा रायपुर पहुंचे थे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी मौजूद रहे। इस दौरान शाह ने छत्तीसगढ़ के गठन, राज्य के विकास, नक्सलवाद के खात्मे और प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख किया।

26 नवंबर को संविधान दिवस पर हरियाणा विधानसभा का विशेष सत्र होगा आयोजित : सीएम

भगवंत मान ने बनाई धुरी से दूरी, पंजाब के लोगों ने दीवारों पर लिखी भाजपा की जीत की इबारत : मुख्यमंत्री

ओपन सर्च ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मंगलवार को चंडीगढ़ में आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक के बाद आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि मंत्रिमंडल की बैठक में सात एजेंडे रखे गए थे, जिन्हें मंजूरी प्रदान कर दी गई है। उन्होंने पत्रकार बंधुओं को आगामी त्योहारों की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार जनकल्याण और विकास के कार्यों को निरंतर गति दे रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि संविधान पखवाड़े के तहत 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर हरियाणा विधानसभा का विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें संविधान के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। इस अवसर पर सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति



पराली प्रबंधन में हरियाणा की बेहतर स्थिति, किसानों को आर्थिक प्रोत्साहन और आधुनिक उपकरणों का लाभ

पराली जलाने की घटनाओं से संबंधित सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में पराली जलाने की अनेक घटनाएं सामने आई हैं, जबकि हरियाणा में ऐसी घटनाओं में कमी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों को पराली प्रबंधन के लिए प्रति एकड़ 1200 रुपये की प्रोत्साहन राशि दे रही है।

विभाग विभाग के निदेशक डॉ. आदित्य दहिया एवं अतिरिक्त निदेशक कैप्टन मनीष लोहान भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश में विकास कार्य तीन गुना गति से आगे बढ़ रहे हैं। वर्ष 2014 से पहले केवल घोषणाएं और बातें होती थीं, जबकि भ्रष्टाचार के कारण विकास के लिए आने वाला पैसा सही लाभार्थियों तक नहीं पहुंच पाता था। वर्तमान सरकार ने भ्रष्टाचार पर प्रभावी रोक लगाकर यह सुनिश्चित किया है कि सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र लोगों तक पहुंचे। आज योजनाओं की राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में ट्रांसफर की जा रही है और आमजन को इसका लाभ मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने युवाओं को बिना खर्ची-बिना पर्ची के पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरियां दी हैं। पहले युवाओं को नौकरी पाने के लिए पैसे और सिफारिशों का सहारा लेना पड़ता था, लेकिन भाजपा सरकार ने इस व्यवस्था को बदलकर योग्यता को प्राथमिकता दी है। सरकार ने खिलाड़ियों को भी प्रोत्साहित किया है, जिसके परिणामस्वरूप हरियाणा के खिलाड़ी देश और प्रदेश का गौरव बढ़ा रहे हैं।

बिहार की नदियों की गाद से बनेंगे हाईवे, सीएम की मौजूदगी में MoU पर हस्ताक्षर

नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की मौजूदगी में हुए इस समझौते के तहत अब नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई गाद का इस्तेमाल राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण और भराई में किया जाएगा



ओपन सर्च. संवाददाता

पटना। बिहार में हर साल तबाही मचाने वाली बाढ़ और नदियों में जमा होने वाली सिल्ट यानी गाद को लेकर एक बड़ा नीतिगत कदम उठाया गया है। नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय और बिहार सरकार के बीच 'बिहार जलस्रोत पुनर्स्थापना एवं गाद प्रबंधन नीति 2026' के तहत एक अहम एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की मौजूदगी में हुए इस समझौते के तहत अब नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई गाद का इस्तेमाल राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण और भराई में किया जाएगा। गाद प्रबंधन नीति लागू करने वाला बिहार देश का पहला राज्य बन गया है। नदियों में गाद का जमाव बिहार में जलप्रवाह की सबसे बड़ी रुकावटों में से एक रहा है।

इसी संकट को संसाधन में बदलने के लिए बिहार सरकार और केंद्र के बीच एक साझा सहमति बनी है। 17 सितंबर 2026 को अधिसूचित राज्य की नई सिल्ट प्रबंधन नीति के तहत अब एनएचएआई की सड़क परियोजनाओं में खेतों की उपजाऊ मिट्टी की जगह नदियों से निकाली गई तलछट का इस्तेमाल किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे देश भर के लिए एक अनुकरणीय मॉडल करार दिया है।

तकनीकी दृष्टिकोण से इस नीति का सबसे बड़ा लाभ दोतरफा है। पहला- सड़क निर्माण के लिए किसानों के उपजाऊ खेतों से मिट्टी निकालने की निर्भरता घटेगी, जिससे कृषि भूमि का कटाव रुकेगा। दूसरा- नदियों के संकरे हिस्सों, संगमों और बराजों के पास जमा तलछट हटने से स्थानीय जलप्रवाह बेहतर हो सकेगा।

हरियाणा कैबिनेट ने टीडीआर पॉलिसी में संशोधनों को दी मंजूरी

टीडीआर प्रमाणपत्रों के घटते मूल्य से जुड़ी चिंताओं का होगा समाधान, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए भूमि जुटाना होगा आसान

ओपन सर्च ब्यूरो



चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में हस्तांतरणीय विकास अधिकार (टीडीआर) प्रदान करने और उसके उपयोग से संबंधित 16 नवंबर, 2021 की नीति में संशोधनों को मंजूरी दी गई। इसका उद्देश्य टीडीआर प्रमाण-पत्रों के मूल्यांकन, हस्तांतरण और उपयोग से जुड़े मुद्दों का समाधान करना तथा प्रदेशभर में बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन को सुगम बनाना है। मौजूदा टीडीआर पॉलिसी के तहत उन भू-स्वामियों को टीडीआर प्रमाण-पत्र दिए जाने का प्रावधान है, जो महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं के लिए आवश्यक अपनी भूमि सरकार को देते हैं।

भू-स्वामी ऐसे प्रमाणपत्रों को उसी विकास योजना के भीतर डेवलपर्स या अन्य उपयोगकर्ताओं को बेचकर अपने विकास अधिकारों का मुद्रीकरण (मोनीटाइज) करके धनराशि प्राप्त कर सकते हैं। संशोधित नीति के तहत, उस काल्पनिक भूमि (नोशनल लैंड) की गणना के फार्मूला को संशोधित किया जाएगा, जिसके लिए टीडीआर प्रमाण पत्र जारी किया गया है। यह गणना आवेदन के कैलेंडर वर्ष की 1 जनवरी को लागू दर से जुड़े मौजूदा प्रावधान के बजाय, आवेदन जमा करने की तिथि को दी गई भूमि पर लागू भारित औसत कलेक्टर रेट पर आधारित होगी। मंत्रिमंडल ने प्राप्ति स्थल (रिसीविंग साइट) की नोशनल भूमि की गणना के फार्मूले में भी बदलाव को मंजूरी दी है।

संशोधित गणना में आवेदन जमा करने की तिथि पर प्राप्ति स्थल पर लागू भारित औसत कलेक्टर दर को ध्यान में रखा जाएगा, जिसके आधार पर टीडीआर प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया था। इसके अलावा, टीडीआर प्रमाण-पत्र प्रदान करने के लिए संबंधित उपायुक्त द्वारा अधिसूचित कलेक्टर दर और आवेदन जमा करने की तिथि पर लागू कलेक्टर दर को मान्य माना जाएगा, चाहे उसे अंततः किसी भी तिथि को उपयोग में लाया जाए।

संशोधनों में यह भी प्रावधान है कि संशोधित फार्मूला उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्रदान करने के लिए लंबित उन सभी आवेदनों पर लागू होगा, जहाँ टीडीआर प्रमाण-पत्र के उपयोग के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति सहित कोई भी अनुमति नहीं दी गई है। एक अन्य महत्वपूर्ण बदलाव में, नीति के तहत जारी किए गए टीडीआर प्रमाण-पत्र अब केवल उसी विकास योजना तक सीमित नहीं रहेंगे, जिसके लिए वे मूल रूप से जारी किए गए थे।

अब ये राज्य की उसी विकास योजना में या किसी भी कम-क्षमता वाली विकास योजना में उपयोग के लिए वैध होंगे। इस प्रावधान का उद्देश्य टीडीआर प्रमाण-पत्रों के पारस्परिक उपयोग (क्रॉस-यूटिलाइजेशन) को सुगम बनाना और पूरे हरियाणा में परियोजना प्रस्तावकों को नीति का लाभ उठाने में सक्षम बनाना है। इन संशोधनों का उद्देश्य समय के साथ टीडीआर प्रमाण-पत्रों के घटते मूल्य के संबंध में चिंताओं को दूर करना, उनकी उपयोगिता में सुधार करना और सेक्टर सड़कों, ग्रीन बेल्ट एवं अन्य नियोजित विकास कार्यों सहित महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए भूमि एकत्रीकरण को आसान बनाना है।

हरियाणा लोक सेवा आयोग (राज्य सेवा समूह-ग) विनियम, 2002 में संशोधन को मंत्रिमंडल की स्वीकृति

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा लोक सेवा आयोग (राज्य सेवा समूह-ग) विनियम, 2002 में संशोधन को मंजूरी प्रदान की गई। इन संशोधनों का उद्देश्य आयोग में नवसृजित ग्रुप-सी पदों को शामिल करना तथा मौजूदा प्रावधानों को नवीनतम सरकारी नियमों एवं निर्देशों के अनुरूप बनाना है। इन संशोधनों के माध्यम से हरियाणा लोक सेवा आयोग में ग्रुप-सी के विभिन्न पदों की स्वीकृत संख्या को अद्यतन किया जाएगा। आयोग में परीक्षाओं की बढ़ती संख्या तथा अन्य संबंधित कार्यों के कारण कार्यभार में हुई वृद्धि को देखते हुए यह संशोधन आवश्यक हो गया था। संशोधित विनियमों के अनुसार, आयोग में ग्रुप-सी के कुल 85 स्वीकृत पद होंगे, जिनमें 15 नव-सृजित पद शामिल हैं। इनमें एक अनुभाग अधिकारी, तीन उप-अधीक्षक, एक निजी सहायक, 25 सहायक, दो सीनियर स्केल स्टेनोग्राफर, दो जूनियर स्केल स्टेनोग्राफर, छह स्टेनो टाइपिस्ट, 13 चालक, 29 लिपिक, एक रेस्टोरर तथा दो गेस्टेटनर ऑपरेटर के पद शामिल हैं। मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित संशोधनों में इन पदों पर नियुक्ति के लिए पात्रता शर्तों में भी बदलाव किया गया है। इसके तहत तिब्बती शरणार्थियों तथा पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और कुछ पूर्वी अफ्रीकी देशों से भारत में प्रवास करने वाले भारतीय मूल के व्यक्तियों से संबंधित मौजूदा प्रावधानों को हटाने का प्रस्ताव है। अब पात्रता भारत के नागरिकों तथा नेपाल और भूटान के नागरिकों तक सीमित होगी। हालांकि, नेपाल और भूटान के नागरिकों की नियुक्ति इस शर्त पर होगी कि उन्हें सरकार द्वारा पात्रता प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो। इसके अतिरिक्त, विनियम 13 के अंतर्गत अनुशासनात्मक मामलों, अपील तथा अन्य सेवा संबंधी मामलों के प्रावधानों को हरियाणा सिविल सेवा (दंड एवं अपील) नियम, 2016 के अनुरूप किया जाएगा।

हरियाणा मंत्रिमंडल ने कॉलेज कैडर ग्रुप-सी सेवा नियमों में संशोधन को दी मंजूरी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा शैक्षणिक कॉलेज कैडर (ग्रुप-सी) सेवा नियम, 1986 में संशोधन को मंजूरी प्रदान की गई। इसके तहत जूनियर लेक्चरर असिस्टेंट के पद पर नियुक्ति के लिए शैक्षणिक योग्यता में संशोधन करने के साथ-साथ सेवा संबंधी अन्य प्रावधानों को भी अद्यतन किया गया है। संशोधित नियम हरियाणा शैक्षणिक कॉलेज कैडर (ग्रुप-सी) सेवा (संशोधन) नियम, 2026 कहलाएंगे। ये नियम राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे। संशोधित प्रावधानों के अनुसार, जूनियर लेक्चरर असिस्टेंट के पद पर सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थी का विज्ञान संकाय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं गणित (पीसीएम) अथवा भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं जीव विज्ञान (पीसीबी) विषयों के साथ 102 उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा। इसके अतिरिक्त, किसी मान्यता प्राप्त कॉलेज में लेबोरेटरी अटेंडेंट के रूप में पांच वर्ष का अनुभव होना चाहिए। अभ्यर्थी के पास मैट्रिक स्तर पर हिंदी या संस्कृत विषय अथवा उच्च शिक्षा में हिंदी विषय का होना भी आवश्यक है। पदोन्नति के माध्यम से नियुक्ति के लिए निर्धारित योग्यता 102 या इसके समकक्ष होगी और पद पर नियमित नियुक्ति के बाद लेबोरेटरी अटेंडेंट के तौर पर पांच वर्ष का अनुभव अनिवार्य होगा। संशोधित नियमों के तहत सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा 18 से 42 वर्ष निर्धारित की गई है, जो हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग में आवेदन जमा करवाने की अंतिम तिथि के आधार पर निर्धारित की जाएगी। ऊपरी आयु सीमा में छूट हरियाणा सिविल सेवा (सामान्य) नियम, 2016 के अनुसार दी जाएगी।

हरियाणा में ट्रैवल एजेंटों का पंजीकरण अनिवार्य, धोखाधड़ी और अवैध तरीके से विदेश भेजने वालों पर कसेगा शिकंजा

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार प्रदेश के युवाओं को विदेश में नौकरी और बेहतर भविष्य का सपना दिखाकर ठगी करने वाले तथा अवैध तरीके से विदेश भेजने वाले लोगों से बचाने के लिए प्रभावी व्यवस्था लागू करने जा रही है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा ट्रैवल एजेंट पंजीकरण एवं विनियमन अधिनियम, 2025 के तहत हरियाणा ट्रैवल एजेंट पंजीकरण एवं विनियमन नियम, 2026 को मंजूरी प्रदान की गई। इन नियमों का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को धोखाधड़ी करने वाले ट्रैवल एजेंटों, अवैध विदेश भर्ती, मानव तस्करी और डंकी रूट जैसी गैर-कानूनी गतिविधियों से बचाना तथा ट्रैवल एजेंटों के व्यवसाय में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। नए नियमों के तहत प्रदेश में ट्रैवल एजेंट का व्यवसाय करने वाले सभी नए और पहले से कार्यरत एजेंटों के लिए पंजीकरण अनिवार्य होगा। प्रत्येक नए कार्यालय या शाखा के लिए अलग पंजीकरण कराना होगा। इसी प्रकार, प्रत्येक सेवा श्रेणी के लिए भी अलग-अलग पंजीकरण आवश्यक होगा। इनमें पासपोर्ट सेवाएं, टूर एवं ट्रैवल एजेंसी सेवाएं, स्टडी वीजा कंसल्टेंसी और टिकटिंग सेवाएं शामिल हैं। वित्तीय जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक सेवा श्रेणी के पंजीकरण हेतु 5,000 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। पंजीकरण से पहले प्रत्येक आवेदक का पुलिस सत्यापन अनिवार्य होगा, ताकि इस व्यवसाय से जुड़े व्यक्तियों की पृष्ठभूमि की जांच सुनिश्चित की जा सके।

रणबीर गंगवा ने 'जल संजीवनी' के द्वितीय संस्करण का किया विमोचन

ओपन सर्च ब्यूरो, चंडीगढ़। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने मंगलवार को सिविल सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, हरियाणा की पुस्तिका 'जल संजीवनी' के द्वितीय संस्करण का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने पुस्तिका के प्रकाशन के लिए विभाग को बधाई देते हुए कहा कि इसमें विभाग की विभिन्न योजनाओं, उपलब्धियों और जनहित में किए जा रहे कार्यों को बेहतर ढंग से संकलित किया गया है। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर घर तक नल से स्वच्छ जल पहुंचाने के संकल्प को साकार करने की दिशा में हरियाणा सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हर घर में नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाना आमजन के जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य है और विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी इस जिम्मेदारी को पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'जल संजीवनी' पुस्तिका विभाग के इन्हीं प्रयासों, योजनाओं और उपलब्धियों को एक स्थान पर प्रस्तुत करने का सार्थक प्रयास है। इस प्रकार के दस्तावेज विभाग के कार्यों और जनसेवा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को सामने लाने के साथ-साथ उपलब्धियों को संजोने का भी माध्यम बनते हैं।

नवंबर माह में सोनीपत के विभिन्न क्षेत्रों में सर्वेक्षण करेगा राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय

ओपन सर्च ब्यूरो, सोनीपत। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के क्षेत्रीय सांख्यिकी प्रभाग द्वारा वर्ष 1950 से परिवारों एवं प्रतिष्ठानों से विभिन्न प्रकार की सांख्यिकीय सूचनाएं एकत्रित की जा रही हैं। इन सूचनाओं का उपयोग राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर योजनाओं के निर्माण तथा नीतियों के निर्धारण में किया जाता है। उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि सर्वेक्षणों के दौरान एकत्रित की जाने वाली सभी सूचनाएं पूर्णतः गोपनीय रखी जाती हैं। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले परिवारों एवं प्रतिष्ठानों की पहचान किसी भी रिपोर्ट अथवा प्रकाशित आंकड़ों में उजागर नहीं की जाती। एकत्रित आंकड़ों का उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

उन्होंने बताया कि नवंबर 2026 के दौरान एनएसओ द्वारा हरियाणा के विभिन्न जिलों में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक, राष्ट्रीय घरेलू आय सर्वेक्षण, अखिल भारतीय ऋण एवं निवेश सर्वेक्षण कृषक परिवारों की स्थिति का आकलन सर्वेक्षण, असंगठित सेवा उद्यमों का वार्षिक सर्वेक्षण तथा प्रवासन संबंधी सर्वेक्षण करवाए जाएंगे। सोनीपत जिला में राष्ट्रीय घरेलू आय सर्वेक्षण सोनीपत शहर के वार्ड नंबर-15, कुंडली वार्ड नंबर-8 तथा गांव बल्ली कुतुबपुर और कक्रोई में किया जाएगा।

इसी प्रकार आवाधिक श्रम बल सर्वेक्षण सोनीपत के शहरी क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ऋण एवं निवेश सर्वेक्षण व कृषक परिवारों की स्थिति का आकलन सर्वेक्षण के अंतर्गत गांव पबसरा, भदाना, खानपुर कलां और कुंडली वार्ड नंबर-7 को शामिल किया गया है।

शिक्षित बेरोजगार युवाओं को मिलेगा 1200 से 2000 रुपये तक मासिक बेरोजगारी भत्ता

ओपन सर्च ब्यूरो, सोनीपत। हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से सामान्य बेरोजगारी भत्ता योजना 2026-27 के तहत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया एक नवंबर से शुरू हो चुकी है। पात्र युवा 30 नवंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जिला रोजगार अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि योजना के तहत 12वीं उत्तीर्ण तथा दो वर्षीय डिप्लोमा धारक युवाओं को 1200 रुपये प्रतिमाह, जबकि स्नातक या इससे अधिक शैक्षणिक योग्यता रखने वाले युवाओं को 2000 रुपये प्रतिमाह बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आवेदन करने वाले युवा का हरियाणा का मूल निवासी होना अनिवार्य है। इसके अलावा, एक नवंबर 2026 तक राज्य के किसी भी रोजगार कार्यालय में कम से कम लगातार तीन वर्ष से पंजीकृत होना चाहिए। आवेदक की आयु 21 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री नायब सैनी से मिलीं वर्ल्ड चैंपियन पहलवान मनीषा भनवाला



ओपन सर्च ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी से मंगलवार को जींद जिले की अंतरराष्ट्रीय पहलवान एवं वर्ल्ड चैंपियन मनीषा भनवाला ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने कज़ाकिस्तान में आयोजित सीनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन करने पर मनीषा को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मनीषा की यह ऐतिहासिक उपलब्धि हरियाणा सहित पूरे देश के लिए गर्व और गौरव का विषय है। उन्होंने मनीषा को भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया और हरसंभव सहयोग एवं समर्थन का आश्वासन दिया। इस मौके पर खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम, कोच मनदीप सिंह भी मौजूद रहे। मनीषा भनवाला ने कजाकिस्तान में आयोजित सीनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में 59 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर वर्ल्ड चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ ही उन्होंने देश की पहली महिला पहलवान के रूप में यह ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की।

मनीषा इससे पहले भी अंतरराष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा और मेहनत का लोहा मनवा चुकी हैं। उन्होंने वर्ष 2025 में जॉर्डन में आयोजित एशियन चैंपियनशिप में 62 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके अलावा, वर्ष 2026 में आयोजित वर्ल्ड रैंकिंग सीरीज में भी उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। मनीषा की अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों का सिलसिला यहीं तक सीमित नहीं है।

राज्य सरकार प्रदेशवासियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगी : आरती सिंह राव

ओपन सर्च ब्यूरो



- हरियाणा में मिलावटखोरी पर स्वास्थ्य मंत्री की सख्त कार्रवाई
- दीपावली पर विशेष जांच अभियान में 50,000 किग्रा मिलावटी मिठाई व पनीर नष्ट, 170 सैंपल फेल

चंडीगढ़। त्यौहारों के इस पावन अवसर पर प्रदेश की जनता को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से हरियाणा सरकार ने मिलावटखोरों के खिलाफ चौतरफा शिकंजा कस दिया है। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगी। स्वास्थ्य मंत्री के दिशा - निर्देश पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा आगामी दीपावली के मद्देनज़र 1 अक्टूबर से प्रदेशभर में गहन चेकिंग अभियान चलाया गया है, जो दीपावली तक निरंतर जारी रहेगा।

स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार, इस अभियान के तहत अब तक पूरे राज्य से मिठाई, मावा, दूध, पनीर और अन्य खाद्य पदार्थों के कुल 1,288 सैंपल एकत्र किए जा चुके हैं। इनमें से 861 सैंपल की प्रयोगशाला जांच पूरी हो चुकी है, जिनमें से 170 सैंपल मानकों पर खरे नहीं उतरे। जांच में 140 सैंपल सब-स्टैंडर्ड तथा 30 सैंपल मानव उपभोग के लिए असुरक्षित पाए गए हैं। कड़ा संज्ञान लेते हुए विभाग ने विभिन्न जिलों में छापेमारी कर अब तक लगभग 50,000 किलोग्राम मिलावटी मिठाइयों और नकली पनीर को मौके पर ही नष्ट करवाया है। उपभोक्ताओं की सुरक्षा और जागरूकता को सर्वोपरि बताते हुए आरती सिंह राव ने कहा कि जिन भी दुकानदारों और विक्रेताओं के सैंपल फेल हुए हैं, उनके नाम और पते एफडीए हरियाणा के आधिकारिक पोर्टल पर सार्वजनिक रूप से अपलोड किए जा रहे हैं ताकि आम जनता सतर्क रह सके।

उन्होंने स्पष्ट किया कि मिलावटखोरों पर नकेल कसने के लिए पुलिस और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की संयुक्त टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं। इसके अलावा, खाद्य पदार्थों का परिवहन करने वाली गाड़ियों की सीमाओं व मार्गों पर चेकिंग की जा रही है और मिठाइयों में इस्तेमाल होने वाले प्रतिबंधित रंगों पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। राज्य में सेहत से खिलवाड़ रोकने के लिए हरियाणा सरकार ने एनालॉग-पनीर के निर्माण और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध की सख्त निगरानी के आदेश दिए हैं। साथ ही, पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी हलवाई की दुकानों, रेस्टोरेंट और मिठाई के डिब्बों/पैकिंग बॉक्सों पर यह स्पष्ट रूप से लिखना अनिवार्य कर दिया गया है कि संबंधित मिठाई 'देशी घी' से बनी है या 'खाद्य तेल' से।

जांच प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए करनाल और चंडीगढ़ स्थित फूड एनालिसिस लेबोरेटरीज को प्राथमिकता के आधार पर 48 घंटे के भीतर सैंपल रिपोर्ट सौंपने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, मौके पर तत्काल जांच की सुविधा प्रदान करने के लिए 5 मोबाइल फूड टेस्टिंग लैबको राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में तैनात किया गया है।

आईजीओटी कर्मयोगी रैंकिंग में हरियाणा शीर्ष पर, गुजरात दूसरे स्थान पर

ओपन सर्च ब्यूरो



चंडीगढ़। केंद्र सरकार द्वारा जारी नवीनतम आईजीओटी कर्मयोगी रैंकिंग में हरियाणा ने गुजरात, कर्नाटक और पंजाब जैसे राज्यों को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया है। हरियाणा ने एक लाख से पांच लाख सरकारी कर्मचारियों वाले राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की श्रेणी में यह स्थान हासिल किया है।

मुख्य सचिव अनुराग द्वारा जारी एक पत्र में कहा गया है कि केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के अंतर्गत कर्मयोगी भारत द्वारा जारी रैंकिंग के अनुसार, हरियाणा ने 60.03 का समग्र स्कोर प्राप्त किया है, जबकि गुजरात 60.02 अंकों के साथ दूसरे और कर्नाटक 60.01 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। तेलंगाना और पंजाब 60-60 अंकों के साथ संयुक्त रूप से चैथे स्थान पर रहे। वहीं, उत्तराखंड 51.03 अंकों के साथ छठे तथा हिमाचल प्रदेश 51 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहा। सितंबर 2026 के दौरान राज्यों के प्रदर्शन के आधार पर तैयार की गई इस रैंकिंग में तीन प्रमुख मानकों को आधार बनाया गया है। इनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित क्षमता निर्माण योजनाओं का निर्माण, प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में योगदान तथा पंजीकृत कर्मचारियों में से पिछले महीने के दौरान कम से कम एक घंटे का प्रशिक्षण पूरा करने वाले कर्मचारियों का अनुपात शामिल है। इन तीनों मानकों को क्रमशः 30 प्रतिशत, 30% और 40 प्रतिशत का वेटेज दिया गया है। इस प्रकार, सरकारी कर्मचारियों के प्रशिक्षण और निरंतर सीखने की प्रक्रिया में उनकी भागीदारी को इस मूल्यांकन में विशेष महत्व दिया गया है।

दीपावली पर 1.20 लाख कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने का वादा पूरा करे हरियाणा सरकार : सैलजा

ओपन सर्च ब्यूरो



सिरसा। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, कांग्रेस कार्यसमिति की सदस्य एवं उत्तराखंड कांग्रेस की प्रभारी कुमारी सैलजा ने हरियाणा सरकार से मांग की है कि वह दीपावली के अवसर पर हरियाणा कौशल रोजगार निगम के अंतर्गत कार्यरत लगभग 1.20 लाख कर्मचारियों को नियमित करने के अपने चुनावी वादे को पूरा करे। सांसद ने कहा कि चुनाव के दौरान भाजपा ने कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने और उनके रोजगार को सुरक्षित करने का भरोसा दिलाया था। अब सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि वह अपना वादा कब पूरा करेगी। कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न सरकारी विभागों, बोर्डों और निगमों में बड़ी संख्या में कर्मचारी वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। नियमित कर्मचारियों की तरह जिम्मेदारियां निभाने के बावजूद उनके भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

महंगाई के इस दौर में सीमित वेतन और नौकरी की असुरक्षा के बीच परिवार का पालन-पोषण करना कठिन हो रहा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि दीपावली खुशियों और उम्मीदों का पर्व है। ऐसे में सरकार यदि नियमितीकरण की ठोस घोषणा करती है तो यह हजारों कर्मचारी परिवारों के लिए वास्तविक सौगात होगी। कर्मचारियों को बार-बार आश्वासन देने के बजाय सरकार को अब निर्णय लेना चाहिए। सैलजा ने कहा कि नियमितीकरण की नीति संविधान, न्यायालयों के निर्णयों और सेवा नियमों के अनुरूप बनाई जानी चाहिए। कर्मचारियों की सेवा अवधि, अनुभव और कार्य की प्रकृति को उचित महत्व मिले। सरकार कर्मचारी संगठनों से बातचीत कर समयबद्ध कार्ययोजना सार्वजनिक करे। सांसद ने कहा कि कांग्रेस कर्मचारियों के अधिकारों, सम्मान और रोजगार सुरक्षा की पक्षधर है। सवाल यह है कि क्या हरियाणा सरकार इस दीपावली पर 1.20 लाख कर्मचारियों को पक्का करने की घोषणा कर अपना चुनावी वादा निभाएगी या उन्हें फिर इंतजार करना पड़ेगा?

1857 के शहीदों को समर्पित स्मारक के लोकार्पण की तैयारियां पूरी, 5 नवंबर को अंबाला छावनी में उमड़ेगा जनसैलाब : विज

ओपन सर्च ब्यूरो



अमित शाह आगामी 5 नवंबर को अंबाला छावनी के गांधी ग्राउंड में विशाल जनसभा को करेंगें संबोधित, आजादी की पहली लडाई (1857) का शहीद स्मारक का करेंगें लोकार्पण : अनिल विज

अंबाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि आजादी की पहली लड़ाई (1857) के शहीदों की स्मृति में निर्मित शहीद स्मारक के लोकार्पण को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आगामी 5 नवंबर को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह इस ऐतिहासिक स्मारक का लोकार्पण करेंगे और अंबाला छावनी के गांधी ग्राउंड में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को सुनने के लिए हजारों की संख्या में लोग अंबाला छावनी पहुंचेंगे, क्योंकि केन्द्रीय गृह मंत्री के विचार सुनने के लिए लोगों में भारी उत्साह है। विज ने मीडिया कर्मियों से बातचीत कर रहे थे। इसके उपरांत, विज ने अंबाला छावनी के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता की और संबंधित अधिकारियों को आगामी 5 नवंबर के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशानिर्देश दिए। विज ने कहा कि 5 नवंबर का दिन हरियाणा ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए ऐतिहासिक होगा। उन्होंने कहा कि 1857 की क्रांति देश की आजादी की पहली लड़ाई थी, जो कांग्रेस पार्टी के गठन से भी 28 वर्ष पहले लड़ी गई थी। दुर्भाग्यवश, इस ऐतिहासिक संग्राम और इसमें अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले अनेक वीरों के योगदान को इतिहास में वह स्थान नहीं मिल पाया, जिसके वे हकदार थे।

उन्होंने कहा कि अंबाला में निर्मित शहीद स्मारक देश का ऐसा पहला स्मारक है, जो विशेष रूप से 1857 के स्वतंत्रता संग्राम को समर्पित है। इस स्मारक में 22 भव्य गैलरियों के माध्यम से आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए उस दौर की लड़ाइयों, घटनाओं और स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस स्मारक के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम के उस इतिहास को सामने लाने का प्रयास किया गया है, जो अब तक व्यापक रूप से उजागर नहीं हो पाया था।

विज ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग युद्धों और घटनाओं से जुड़े स्मारक हो सकते हैं, लेकिन 1857 की पहली आजादी की लड़ाई को समर्पित यह स्मारक अपने आप में विशेष और ऐतिहासिक महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि 5 नवंबर के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी संबंधित लोग पूरी तत्परता से जुटे हुए हैं। विज ने कहा कि 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम भारतीय इतिहास का अत्यंत महत्वपूर्ण अध्याय है।

कभी उड़ानें ठप, अब फ्रिज का तापमान 50 डिग्री तक पहुंचा रहे हैकर, साइबर हमलों का बदलता चेहरा

नई दिल्ली (एजेंसी)



सोमवार (2 नवंबर) को एक ऐसी खबर आई जिसने दुनिया को डराया भी और हैरान भी किया। इस एक दिन सात यूरोपीय देशों में सुपरमार्केट्स की रेफ्रिजरेशन व्यवस्था प्रभावित हुई। कुछ में फ्रीजर का तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया और दुकानों को खराब होने की आशंका वाले खाद्य पदार्थ हटाने पड़े। बेल्जियम, एस्टोनिया, फिनलैंड, आयरलैंड, लक्जमबर्ग, नीदरलैंड और स्वीडन में ऐसी घटनाएं सामने आईं

साइबर हमले का दायरा अब कंप्यूटर, बैंक और सरकारी वेबसाइट्स तक सीमित नहीं रह गया है। कभी एयरपोर्ट पर यात्रियों की चेक-इन व्यवस्था ठप पड़ जाती है तो कभी किसी बड़ी कंपनी का उत्पादन रुक जाता है। सोमवार (2 नवंबर) को एक ऐसी खबर आई जिसने दुनिया को डराया भी और हैरान भी किया।

इस एक दिन सात यूरोपीय देशों में सुपरमार्केट्स की रेफ्रिजरेशन व्यवस्था प्रभावित हुई। कुछ में फ्रीजर का तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया और दुकानों को खराब होने की आशंका वाले खाद्य पदार्थ हटाने पड़े। बेल्जियम, एस्टोनिया, फिनलैंड, आयरलैंड, लक्जमबर्ग, नीदरलैंड और स्वीडन में ऐसी घटनाएं सामने आईं। बेल्जियम में 'कैरेफोर' के करीब 15 स्टोर प्रभावित हुए, जबकि आयरलैंड में 'सुपरवैल्यू' के 13 स्टोर्स की रेफ्रिजरेशन व्यवस्था में समस्या आई। स्वीडन की 'आईसीए' और 'कूप' ने भी अपने कुछ स्टोरों में ऐसी परेशानी की पुष्टि की। हमलों की जिम्मेदारी किसी समूह ने नहीं ली है। जांच एजेंसियां यह भी स्पष्ट नहीं कर पाई हैं कि अक्टूबर और नवंबर की घटनाओं के पीछे एक ही समूह है या नहीं। यह घटना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे पहले 12 अक्टूबर को फ्रांस में सैकड़ों सुपरमार्केट और दुकानों की रेफ्रिजरेशन व्यवस्था पर इसी तरह के साइबर हमले की खबर आई थी। बड़े स्टोर्स में सैकड़ों फ्रिज और फ्रीजर एक केंद्रीय डिजिटल सिस्टम से नियंत्रित होते हैं।

कर्मचारी एक ही जगह से तापमान की निगरानी कर सकते हैं और जरूरत पड़ने पर दूर से सेटिंग बदल सकते हैं। यदि इस सिस्टम की सुरक्षा कमजोर हो तो हमलावर उसमें अनधिकृत प्रवेश कर तापमान बढ़ा सकते हैं या कूलिंग को प्रभावित कर सकते हैं। इस तरह किसी दुकान में रखे खाद्य पदार्थों को नुकसान पहुंचाने के लिए हमलावर को वहां मौजूद होने की जरूरत नहीं पड़ती। यूरोप की इन घटनाओं को पिछले दो-तीन साल में अब तक सामने आए दूसरे साइबर हमलों के संदर्भ में देखें तो एक बड़ा बदलाव दिखाई देता है। अब हमले का असर केवल कंप्यूटर स्क्रीन पर नहीं, बल्कि वास्तविक दुनिया की सेवाओं और मशीनों पर भी पड़ रहा है। साइबर हमले का एक बड़ा उदाहरण सितंबर 2023 में अमेरिका के 'एमजीएम रिसॉर्ट्स' पर हुआ हमला था। हैकरों ने कंपनी के कंप्यूटर नेटवर्क को हैक किया, जिससे होटल बुकिंग, डिजिटल चेक-इन, इलेक्ट्रॉनिक चाबियों और भुगतान जैसी सेवाओं में व्यवधान आया। होटल कारोबार को कई दिनों तक परेशानी झेलनी पड़ी।

फरवरी 2024 में अमेरिका की स्वास्थ्य भुगतान व्यवस्था को भी बड़ा झटका लगा। चेंज हेल्थकेयर पर रैनसमवेयर हमले के कारण अस्पतालों, फार्मेसियों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के भुगतान तथा दवा संबंधी प्रक्रियाएं प्रभावित हुईं। यह कंपनी अमेरिका की स्वास्थ्य व्यवस्था में बीमा दावों और भुगतान के प्रसंस्करण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके सिस्टम बाधित होने से कई अस्पतालों और फार्मेसियों को वैकल्पिक तरीके अपनाने पड़े। वहीं, 22 जुलाई 2024 को क्रोएशिया के स्प्लिट एयरपोर्ट पर भी साइबर हमले की खबर सामने आई थी। एयरपोर्ट के आईटी सिस्टम प्रभावित हुए और कर्मचारियों को कुछ काम मैनुअल तरीके से करने पड़े।

इससे उड़ानों के संचालन में व्यवधान आया। अगस्त 2024 में अमेरिका के सिएटल-टकोमा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर साइबर हमले के कारण चेक-इन, बैगेज हैंडलिंग और कुछ अन्य डिजिटल सेवाएं प्रभावित हुईं। 2025 में यह खतरा और स्पष्ट हुआ। 19 सितंबर 2025 को ब्रिटिश सरकार ने जगुआर लैंड रोवर पर हुए साइबर हमले के असर को लेकर कंपनी तथा ऑटोमोबाइल उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

जिसका जीवन तप, त्याग और सत्य से संपन्न है, वह सभी उपलब्धियां प्राप्त करता है, पीएम मोदी ने साझा किया सुभाषित

नई दिल्ली (एजेंसी)



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सुभाषित साझा किया गया है। उन्होंने मन और वाणी को संयमित कर सभी श्रेष्ठ उपलब्धियां प्राप्त करने का संदेश दिया है। प्रधानमंत्री की ओर से संस्कृत श्लोक, यस्य वाङ्मनसी स्यातां सम्यक् प्रणिहिते सदा।

तपस्त्यागश्च सत्यं च स वै सर्वमवाप्नुयात। साझा किया गया है, जिसका हिंदी भावार्थ है कि जिस मनुष्य की वाणी और मन दोनों सदा भली-भांति संयमित और एकाग्र रहते हैं, जिसका जीवन तप, त्याग और सत्य से संपन्न है, वह निश्चय ही जीवन की सभी श्रेष्ठ उपलब्धियां प्राप्त करता है। पीएम मोदी की ओर से साझा किया गया यह श्लोक प्रसिद्ध ग्रंथ महाभारत के शांतिपर्व से लिया गया है। गीता प्रेस द्वारा प्रकाशित 'गीतार्थ संग्रह' जैसे संकलनों में भी इस श्लोक का जिक्र किया गया है। इस श्लोक के माध्यम से कहा गया है कि जिस मनुष्य की वाणी और मन सदा भली-भांति एकाग्र व वश में रहते हैं और जो त्याग, तपस्या तथा सत्य से युक्त होता है, वह संसार में सब कुछ (हर प्रकार की सफलता और सिद्धि) प्राप्त कर सकता है। इसके माध्यम से सीख दी गई है कि मनुष्य जो बोलता है, उसमें संयम होना चाहिए। कटु वचन न बोलना और हमेशा हितकर व मधुर बोलना ही वाणी का नियंत्रण है। भटकते हुए मन को रोककर उसे सही और सकारात्मक दिशा में लगाना। मन और वाणी का एक होना (जो मन में हो, वही वाणी में हो) मानसिक शुद्धि का लक्षण है। अपने लक्ष्य के लिए लगातार बिना थके प्रयास करना, कष्टों को सहना और अनुशासित जीवन जीना। स्वार्थ, अहंकार और बुरी आदतों को छोड़ने की क्षमता रखना। दूसरों की भलाई के लिए अपनी सुख-सुविधाओं का बलिदान देना और आचरण और विचारों में ईमानदारी रखना।

दीपावली पर हवाई किराये में 700% बढ़ोतरी की याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)



सुप्रीम कोर्ट ने दीपावली 2026 के दौरान घरेलू हवाई किराए में भारी बढ़ोतरी को लेकर दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। जस्टिस विक्रम नाथ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर टिकट की कीमतें बहुत ज्यादा हैं तो यात्री हवाई यात्रा न करें। यह आवेदन जस्टिस विक्रम नाथ, संदीप मेहता और अपरेश कुमार सिंह की बेंच के सामने मेंशन किया गया था, जहां आवेदक के वकील ने कहा कि त्योहारी सीजन के दौरान हवाई किराये में 700 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है।

वकील ने दलील दी कि हवाई यात्रा एक आवश्यक सेवा बन गई है और इस तरह की भारी बढ़ोतरी संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट को तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए। हालांकि, जस्टिस नाथ की अगुवाई वाली बेंच ने तत्काल लिस्टिंग की मांग को ठुकरा दिया और कहा, हवाई यात्रा न करें। अगला मामला। यह अंतरिम आवेदन एक लंबित जनहित याचिका (पीआईएल) में दायर किया गया है, जिसमें नागरिक उड्डयन क्षेत्र में कथित अपारदर्शी, शोषणकारी और एल्गोरिदम-आधारित मूल्य निर्धारण प्रथाओं को चुनौती दी गई है, जिसमें अप्रत्याशित किराया उतार-चढ़ाव, अंतिम समय में भारी बढ़ोतरी और एयरलाइंस द्वारा लगाए जाने वाले अतिरिक्त शुल्क शामिल हैं। यह घटनाक्रम सुप्रीम कोर्ट द्वारा हवाई किराए में अस्थिरता और एयरलाइन मूल्य निर्धारण को नियंत्रित करने वाले नियामक ढांचे की लगातार जांच की पृष्ठभूमि में आया है। इससे पहले की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि प्राइवेट एयरलाइंस द्वारा वसूले जाने वाले हवाई किराए के युक्तिकरण की जरूरत है और एक ही दिन एक ही गंतव्य के लिए अलग-अलग एयरलाइंस द्वारा लिए जाने वाले टिकट की कीमतों में भारी अंतर पर प्रकाश डाला था। जस्टिस नाथ की अगुवाई वाली बेंच ने कहा था, लोगों को कुछ राहत देने की कोशिश करो।

एक ही दिन, एक ही गंतव्य के लिए जाने वाली उड़ानों में एक एयरलाइन इकोनॉमी क्लास में 8,000 रुपए लेती है जबकि दूसरी 18,000 रुपए लेती है। कुछ युक्तिकरण तो होना ही चाहिए। इस कार्यवाही के बाद केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि हवाई किराए की संरचना और अतिरिक्त शुल्कों से संबंधित चिंताओं को दूर करने के लिए भारतीय वायुयान अधिनियम, 2024 के तहत नियम बनाए जा रहे हैं।

दिल्ली-एनसीआर की हवा बेहद खराब एक्यूआई 400 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)



दिल्ली-एनसीआर में हाल ही में हुई बारिश के थमते ही वायु प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ गया है। राजधानी दिल्ली की हवा जहरीली हो चुकी है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 3 नवंबर से 8 नवंबर तक आसमान मुख्य रूप से साफ रहने की संभावना है, तापमान 28 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) और आईआईटीएम के आंकड़ों पर नजर डालें तो कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 के खतरनाक स्तर को पार कर गया है। अलिपुर में एक्यूआई सबसे अधिक 415 दर्ज किया गया है। बवाना में स्थिति 409 तक पहुंच गई है।

बुराड़ी क्रॉसिंग में 383 और अशोक विहार में 350 एक्यूआई दर्ज किया गया। आया नगर में 310, बदरपुर में 300 और बुराड़ी में 348 एक्यूआई रहा। नोएडा की हवा भी सांस लेने लायक नहीं बची है। नोएडा में यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) के प्रदूषण नियंत्रण के दावे पूरी तरह से फेल साबित हो रहे हैं। तस्वीरों में मिले आंकड़ों के अनुसार, नोएडा के कई सेक्टरों में प्रदूषण खतरनाक स्तर पर है। सेक्टर-62 में एक्यूआई 406 के साथ लाल निशान पर है। सेक्टर-39 में 364, सेक्टर-150 में 343 और सेक्टर-116 में 270 एक्यूआई दर्ज किया गया। सेक्टर-125 में 250, सेक्टर-1 में 201 दर्ज किया गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नोएडा में धड़ले से कंस्ट्रक्शन (निर्माण) का काम हो रहा है। सड़कों के निर्माण और मरम्मत के दौरान उड़ती धूल और जहरीला धुआं हवा में घुल रहे हैं, जिससे स्थिति और भी खराब हो रही है।

ओमान तट के पास कार्गो शिप पर हमला : एक भारतीय नाविक की मौत, भारत ने की निंदा

नई दिल्ली (एजेंसी)



भारत ने ओमान के समुद्री क्षेत्र में कमर्शियल शिप 'एमएसवी अल जुसुफी' पर हुए हमले की निंदा की है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने मंगलवार को एक बयान जारी कर 14 में से एक भारतीय नाविक के मारे जाने पर दुख जताया। एमईए ने कहा, 'हम सोमवार शाम लिमाह (ओमान) के पास एक व्यावसायिक जहाज, 'एमएसवी अल जुसुफी' पर हुए हमले की निंदा करते हैं। जहाज पर सवार 14 भारतीय नागरिकों में से 13 को बचा लिया गया है, जबकि एक घायल भारतीय नागरिक की मृत्यु हो गई है। हम इस नुकसान पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।' विदेश मंत्रालय के मुताबिक ओमान स्थित भारतीय दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और बचाए गए भारतीय नागरिकों तथा मृतक के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द वापस लाने के लिए ओमान के अधिकारियों से बातचीत कर रहा है। भारत ने व्यावसायिक जहाजों पर हो रहे हमलों को चिंताजनक करार दिया है।

अपील की है कि तनाव को तुरंत कम करने और कूटनीतिक समाधान के लिए प्रयास किया जाना जाए ताकि इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता वापस आ सके। अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्रों में कमर्शियल शिप और बुनियादी ढांचों को निशाना बनाने का भारत विरोध करता रहा है। एमईए ने बयान में इसी स्टैंड को दोहराते हुए कहा कि इस तरह के हमले बंद किए जाने चाहिए। साथ ही अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप, अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों से जहाजों की आवाजाही और व्यापार को बिना किसी रुकावट के जल्द से जल्द बहाल करने पर भी जोर दिया गया। 2 नवंबर को ओमान के समुद्री क्षेत्र में भारतीय झंडे वाले एक जहाज पर हमला किया गया था। बताया गया कि अज्ञात एरियल ऑब्जेक्ट से हमला किया गया। जहाज में कुल 14 भारतीय नाविक सवार थे। हमले के बाद ओमानी तटरक्षक बल ने नाविकों को बचाया था, लेकिन इनमें से एक को गंभीर चोट आई थी जिससे उनकी मौत हो गई। भारत सरकार ने पिछले हफ्ते वेस्ट एशिया संघर्ष में अब तक 22 भारतीयों के मारे जाने की पुष्टि की थी। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार (28 अक्टूबर) को पाक्षिक प्रेस वार्ता में कहा, 'हम वेस्ट एशिया में चल रहे झगड़े को लेकर बहुत परेशान हैं। हमने झगड़े में 22 भारतीय नागरिकों को खो दिया है, जिसमें 14 नाविक शामिल हैं।

'आंध्र प्रदेश के लोगों से साथ खड़ी है केंद्र सरकार', चक्रवात 'मुरासु' को लेकर शाह ने सीएम नायडू से की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)



चक्रवात 'मुरासु' को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू से फोन पर बातचीत की है। गृह मंत्री शाह ने सीएम नायडू को हरसंभव मदद की बात कही है। गृह मंत्री की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी साझा की गई है। गृह मंत्री अमित शाह की ओर से एक्स पोस्ट में लिखा गया, आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू से चक्रवात 'मुरासु' के असर के बारे में बात की।

उन्हें केंद्र से हर मुमकिन मदद का भरोसा दिलाया। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें पहले से ही जमीन पर हैं, और प्रभावित लोगों की मदद कर रही हैं। भारत सरकार पक्के इरादे के साथ लोगों के साथ खड़ी है।' गृह मंत्री की ओर से आगे लिखा गया, मैंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से फोन पर बात की और चक्रवात 'मुरासु' के असर के बारे में डिटेल में जाना। मैंने उन्हें भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार हर तरह की मदद और सपोर्ट देगी। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें पहले से ही जमीन पर हैं, राहत के काम कर रही हैं और चक्रवात से प्रभावित इलाकों में लोगों के लिए सपोर्ट के तौर पर खड़ी हैं। भारत सरकार किसी भी तरह की स्थिति का सामना करने के पक्के इरादे के साथ आंध्र प्रदेश के लोगों के साथ खड़ी है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की ओर से मंगलवार सुबह 8 बजे जारी बुलेटिन में बताया गया कि दक्षिण आंध्र प्रदेश तट के पास बंगाल की खाड़ी के पश्चिमी-मध्य हिस्से में मौजूद भीषण चक्रवाती तूफान 'मुरासु' पिछले 6 घंटों के दौरान 8 किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ा।

नेल्लोर और नरसपुर के बीच, ओंगोल के पास दक्षिण आंध्र प्रदेश के तट को पार किया। इस दौरान हवा की गति 100-110 किमी प्रति घंटा थी, जो झोंकों के साथ 120 किमी प्रति घंटा तक पहुंच रही थी। आईएमडी के अनुसार, मंगलवार सुबह 5:30 बजे यह तूफान दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश में ओंगोल के पास स्थित था। यह बापटला (आंध्र प्रदेश) से लगभग 40 किमी दक्षिण-पश्चिम, कावली (आंध्र प्रदेश) से 80 किमी उत्तर-उत्तर-पूर्व, मछलीपट्टनम (आंध्र प्रदेश) से 120 किमी पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम और नेल्लोर (आंध्र प्रदेश) से 130 किमी उत्तर में है।

भारतीय मौसम विभाग ने बताया कि 'मुरासु' उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते रहने और धीरे-धीरे कमजोर होकर दोपहर तक एक 'चक्रवाती तूफान' (हवा की गति 80-90 किमी प्रति घंटा, झोंकों के साथ 100 किमी प्रति घंटा) में बदलने की संभावना है। इसके बाद मंगलवार मध्यरात्रि तक यह और कमजोर होकर एक 'डीप डिप्रेशन' में बदल सकता है।

धीरेंद्र शास्त्री की कृष्ण पर टिप्पणी से सियासी बवाल, अखिलेश से लेकर तेजस्वी तक ने घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)



मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करैरा में श्री राम कथा के दौरान बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री द्वारा भगवान राम और भगवान श्रीकृष्ण की तुलना को लेकर दिए गए बयान पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। भगवान कृष्ण के स्वरूप, उनके खड़े होने और 'टेढ़े' होने को लेकर की गई टिप्पणी के बाद विपक्षी नेताओं ने उन्हें जमकर घेरा है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'मानवीय भूलों के लिए तो क्षमा किया जा सकता है, ईशनिंदा के लिए कभी नहीं।

ऐसे दुष्प्रमुखी लोगों पर आजीवन प्रतिबंध लगाना ही समाज के लिए श्रेयस्कर है। पूरे देश में इनके सभी कार्यक्रम रद्द किये जाएं, नई अनुमति नहीं दी जाए और सार्वजनिक जीवन में हर सच्चा सनातनी इनका पूर्ण बहिष्कार करे, यही इनके अक्षम्य पाप का दंड होना चाहिए, नहीं तो वो भी ईशनिंदा के पाप का भागी बनकर अपना लोक-परलोक बिगाड़ लेगा।' उन्होंने लिखा, अगर दुर्भावना से भरा ऐसा व्यक्ति जीवन भर भी एकांतवास करके अपने किये का पश्चाताप और प्रायश्चित करेगा तो भी कोई भी धर्म प्रधान आस्थावान उसे माफ नहीं करेगा। मनुष्य का दंभ इतना भी नहीं होना चाहिए कि वो अपने को ईश्वर से ऊपर समझने लगे। वैधानिक कार्रवाई हो। शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने भी 'एक्स' पोस्ट में लिखा, यह बिल्कुल बेतुकी बात है। संत सूरदास और गोस्वामी तुलसीदास के बीच का संवाद, दरअसल, एक ही भगवान विष्णु के अलग-अलग स्वरूपों के प्रति भक्ति का संवाद था। एक अवतार ने वृंदावन के माधुर्य भाव का उत्सव मनाया, तो दूसरे ने अयोध्या की मर्यादा का।

उनके बीच का यह विनोद कभी किसी को दूसरे से श्रेष्ठ बताने का माध्यम नहीं बना। यह दर्शाता था कि धनुष और बांसुरी एक ही दिव्य सत्ता के दो अभिन्न रूप हैं। उन्होंने कहा, 'धीरेंद्र शास्त्री ने ब्रह्मांडीय और दिव्य लीलाओं को घटाकर उसे सामान्य कार्य बता दिया, जिसे कोई भी व्यक्ति कर सकता है। पवित्र त्रिभंगी मुद्रा को टेढ़ापन कहना, उसके गहन आध्यात्मिक सौंदर्य और भाव को छीन लेने जैसा है। महज सनसनी पैदा करने या अपनी बात को जरूरत से ज्यादा नाटकीय बनाने के लिए किसी पवित्र स्वरूप की गरिमा को कमतर नहीं किया जा सकता। कृपया ऐसी बेतुकी बातों का बचाव करना बंद कीजिए।

राजद नेता तेजस्वी यादव ने लिखा, लोक एकता की कनिष्ठ अंगुली से इंद्रासन को हिला देने वाले लोकनायक, धार्मिक सीमाओं से परे जन जन के पूज्य, हमारे कुलदेवता भगवान श्री कृष्ण पर सत्ता-पोषित एक मानसिक विक्षिप्त द्वारा की गई टिप्पणी अशोभनीय, अक्षम्य एवं अमर्यादित है। उन्होंने आगे लिखा, राम और कृष्ण एक दूसरे के पूरक हैं।

भारतीय नौसेना ने बचाई 20 ईरानी नाविकों की जान, तेहरान ने जताया आभार

नई दिल्ली (एजेंसी)



भारतीय नौसेना ने अरब सागर में अदम्य साहस का सबूत देते हुए मछली पकड़ने वाली जहाज 'अजिनी' को समुद्री लुटेरों से बचाया। इसमें सवार सभी 20 ईरानी क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बचा लिया गया। मंगलवार को अपने नाविकों के सफल रेस्क्यू पर नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास ने भारत का आभार जताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान जारी किया गया। आभार जताते हुए ईरान ने कहा, 'नई दिल्ली में इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का दूतावास, भारत सरकार, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना का हार्दिक आभार व्यक्त करता है। उन्होंने मछली पकड़ने वाले जहाज 'अजिनी' के 20 ईरानी चालक दल के सदस्यों को समुद्री लुटेरों से बचाने के लिए एक सफल अभियान चलाया।' उन्होंने आगे कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों के पेशेवर अंदाज, साहस और बेहतरीन तालमेल की ईरान भरपूर सराहना करता है।

यह मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) के प्रति भारत की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है, और यह भी दिखाता है कि भारत सीमाओं के पार लोगों की जान बचाने में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दूतावास ने इसे मानवीय अभियान ईरान और भारत के बीच दोस्ती, एकजुटता और सहयोग की भावना का एक बड़ा उदाहरण' बताया। अंत में एक बार फिर आभार जताते हुए कहा, हम उन सभी लोगों का दिल से धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने ईरानी चालक दल को सुरक्षित बचाने में अपना योगदान दिया। बता दें, नौसेना ने 02 नवंबर 26 को अरब सागर में 20 चालक दल सदस्यों को समुद्री लुटेरों से बचाया था। 48 घंटे का यह अभियान मुंबई से 3000 किलोमीटर से अधिक दूर चला था। इस ऑपरेशन में वायुसेना ने भी सहयोग दिया था। सफल ऑपरेशन की सराहना रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी सोशल मीडिया पर की। उन्होंने एक्स के माध्यम से कहा, 'यह कार्रवाई हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा, लोगों की जान बचाने और स्थिरता बनाए रखने के प्रति भारत के दृढ़ संकल्प को दर्शाती है।' इस अभियान में भारतीय युद्धपोत आईएनएस कोलकाता ने भी अहम भूमिका निभाई थी।

सीटीआई ने भैया दूज तक रैलियों और प्रदर्शनों पर रोक लगाने की मांग की, एक महीने में 14,000 करोड़ के नुकसान का किया दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)



सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि रैलियों और धरनों की वजह से व्यापारियों को पहले ही काफी आर्थिक नुकसान हो चुका है। अब वे और अधिक व्यवधान झेलने की स्थिति में नहीं हैं, खासकर त्योहारों की खरीदारी के इस पीक सीजन में

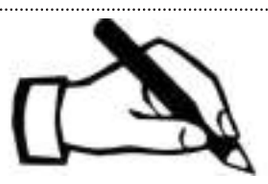
चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने मंगलवार को दिल्ली पुलिस कमिश्नर को एक पत्र लिखकर मांग की है कि 11 नवंबर को भैया दूज तक दिल्ली में विशेषकर कनॉट प्लेस, जंतर मंतर, रामलीला मैदान, इंडिया गेट, राजघाट, दिल्ली गेट सहित सेंट्रल दिल्ली और पुरानी दिल्ली में किसी भी रैली, धरना प्रदर्शन, प्रोटेस्ट मार्च की अनुमति न दी जाए।

सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि रैलियों और धरनों की वजह से व्यापारियों को पहले ही काफी आर्थिक नुकसान हो चुका है। अब वे और अधिक व्यवधान झेलने की स्थिति में नहीं हैं, खासकर त्योहारों की खरीदारी के इस पीक सीजन में। सीटीआई के मुताबिक, 1 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच दिल्ली में व्यवसायों को लगभग 14,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। सीटीआई का दावा है कि अक्टूबर के पूरे महीने जंतर-मंतर, कनॉट प्लेस, पटेल चौक और जनपथ पर लगातार प्रदर्शन और विरोध मार्च होने के कारण सेंट्रल दिल्ली में हमेशा ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रही।

इसके परिणामस्वरूप कनॉट प्लेस, जनपथ, पालिका बाजार, खान मार्केट, करोलबाग, पहाड़गंज और कमला मार्केट में रिटेल व्यवसायों, होटलों, रेस्तरां और ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों को 1 अक्टूबर से 30 अक्टूबर के बीच लगभग 3,000 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। व्यापारी संगठन ने दावा किया कि 1 नवंबर को रामलीला मैदान में आयोजित मेगा रैली के कारण कई क्षेत्रों में लगभग 11,000 करोड़ रुपये का कारोबारी नुकसान हुआ। इसमें से खुदरा और थोक व्यापार क्षेत्र को लगभग 8,800 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। सीटीआई ने बताया कि रामलीला मैदान के पांच किलोमीटर के दायरे में लगभग तीन लाख दुकानें हैं।

इनमें कश्मीरी गेट, मोरी गेट, चांदनी चौक, चावड़ी बाजार, खारी बावली, नया बाजार, सदर बाजार, अजमेरी गेट, दरियागंज, पहाड़गंज, कमला मार्केट, जामा मस्जिद, भागीरथ पैलेस, लाजपत राय मार्केट, किनारी बाजार, दरीबा कलां, बल्लीमारान, फतेहपुरी, तिलक बाजार, कनॉट प्लेस, पालिका बाजार, गफ्फार मार्केट और करोल बाग जैसे प्रमुख व्यावसायिक केंद्र शामिल हैं। संगठन ने दावा किया कि रैली वाले दिन लगभग 2.5 लाख दुकानें पूरी तरह से बंद रहीं, जिससे करीब 80% व्यावसायिक गतिविधियां ठप हो गईं।

सम्पादकीय



सेना के आधुनिकीकरण की तैयारी

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब किसी देश की सैन्य ताकत का आकलन केवल उसके सैनिकों की संख्या, टैंकों, लड़ाकू विमानों और मिसाइलों के आधार पर नहीं किया जाता, बल्कि आधुनिक तकनीक, खुफिया तंत्र, साइबर क्षमता, अंतरिक्ष संसाधनों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस्तेमाल से भी उसकी सैन्य शक्ति निर्धारित होती है। रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर पश्चिम एशिया के संघर्षों तक यह स्पष्ट हो चुका है कि आने वाले समय में युद्ध की रणनीति पहले से कहीं अधिक जटिल और तकनीक आधारित होगी। ऐसे में भारतीय सेना को बदलती चुनौतियों के अनुरूप नई प्रौद्योगिकी, आधुनिक हथियारों और अत्याधुनिक सैन्य संसाधनों से लैस करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

भारत की सुरक्षा चुनौतियां भी बहुआयामी हैं। देश की लंबी सीमाएं, संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र, आतंकवाद, घुसपैठ और पड़ोसी देशों की सैन्य गतिविधियां लगातार सतर्कता की मांग करती हैं। चीन और पाकिस्तान के साथ सीमा पर बनी परिस्थितियों को देखते हुए भारत के लिए अपनी सैन्य तैयारियों को मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है। भविष्य के संभावित संघर्षों में केवल पारंपरिक सैन्य शक्ति पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि तेजी से निर्णय लेने, दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने और कम समय में सटीक जवाब देने की क्षमता भी निर्णायक साबित होगी।

आधुनिक युद्ध में ड्रोन और मानवरहित विमान प्रणालियों की भूमिका तेजी से बढ़ी है। छोटे निगरानी ड्रोन से लेकर आत्मघाती ड्रोन और अत्याधुनिक मानवरहित लड़ाकू विमानों तक, इनका इस्तेमाल युद्ध के मैदान में महत्वपूर्ण बदलाव ला रहा है। इसी तरह कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स, उपग्रह आधारित निगरानी और साइबर सुरक्षा सैन्य अभियानों का अभिन्न हिस्सा बनते जा रहे हैं। भारतीय सेना को इन क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं का विस्तार करना होगा, ताकि दुश्मन की गतिविधियों का समय रहते पता लगाया जा सके और किसी भी संभावित खतरे का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सके।

इसके साथ ही आधुनिक मिसाइल प्रणालियों, वायु रक्षा उपकरणों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और संचार नेटवर्क को मजबूत करना भी जरूरी है। आज युद्ध के मैदान में दुश्मन केवल जमीन, हवा या समुद्र से ही हमला नहीं करता, बल्कि साइबर हमलों के माध्यम से देश के संचार, बैंकिंग, बिजली और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों को भी निशाना बना सकता है। इसलिए राष्ट्रीय सुरक्षा की रणनीति में साइबर सुरक्षा और डिजिटल बुनियादी ढांचे की रक्षा को विशेष महत्व देना होगा।

भारतीय सेना के आधुनिकीकरण की दिशा में आत्मनिर्भरता भी महत्वपूर्ण आधार है। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी हथियारों, उपकरणों और तकनीकों का विकास न केवल विदेशी आयात पर निर्भरता कम करेगा, बल्कि देश की सामरिक और आर्थिक शक्ति को भी मजबूत बनाएगा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा कंपनियों और निजी उद्योगों के बीच बेहतर तालमेल से अत्याधुनिक सैन्य तकनीक विकसित की जा सकती है। देश के स्टार्टअप और युवा वैज्ञानिक भी ड्रोन, रोबोटिक्स, एआई तथा साइबर तकनीक के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

सुरक्षित भोजन का सवाल

कुलभूषण उपमन्यु

मिलावट के विरुद्ध भी पर्याप्त कानूनी प्रावधान किए गए हैं। उनके लागू करने में भले ही कुछ ढील रहती हो, जैसे कि आए दिन मिलावटी दुग्ध पदार्थ पकड़े जाने की खबरें आती रहती हैं। पकड़ के बावजूद इतने मामले होते हैं जो चिंता की बात है। यानी मिलावटखोरी सुरक्षित भोजन की उपलब्धता के रास्ते में बड़ी रुकावट है, किंतु शुद्ध और सुरक्षित भोजन की उपलब्धता के विषय में एक बात बिल्कुल नजरंदाज की जा रही है।

मानव जीवन के लिए हवा, पानी के बाद जिंदा रहने के लिए भोजन ही मूलभूत आवश्यकता है। मानव समाज आदिकाल से ही भोजन के लिए संघर्षरत रहा है। सभ्यता का विकास जिस स्तर पर भी पहुंच जाए, भोजन की आवश्यकता हमेशा बनी ही रहेगी। आदिम समाजों में अधिकांश संघर्ष भोजन और भोजन प्रदान करने वाले क्षेत्रों के लिए ही होते रहे हैं। अधिकांश प्रवासन भी भोजन और आजीविका की तलाश में ही होते रहे हैं।

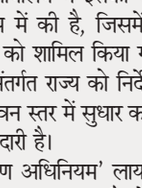
यह प्रक्रिया आज भी किसी-न-किसी रूप में जारी है। वर्तमान संदर्भ में भोजन का अर्थ सुरक्षित, पोषक, स्वच्छ, मिलावट-रहित और मनुष्य द्वारा खाने योग्य भोजन से है। हमारे संविधान निर्माताओं ने इस बुनियादी जरूरत को समझ कर संविधान की 'धारा- 21' के अंतर्गत जीवन के अधिकार को मौलिक अधिकार का दर्जा दिया है। उच्चतम न्यायालय ने इसकी व्याख्या आत्मसम्मान के साथ जीने के अधिकार के रूप में की है, जिसमें पर्याप्त सुरक्षित भोजन और बुनियादी जरूरतों तक पहुंच को शामिल किया गया है। 'धारा-47' राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांतों के अंतर्गत राज्य को निर्देश देती है कि भोजन में पोषक तत्वों में सुधार के साथ जीवन स्तर में सुधार करते हुए जन स्वास्थ्य में भी सुधार लाना सरकार की जिम्मेदारी है।

वर्ष 2006 में 'भोजन सुरक्षा एवं मानकीकरण अधिनियम' लाया गया। इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए एक नियामक प्राधिकरण बनाया गया है जो खाद्य पदार्थों के निर्माण, भंडारण, वितरण, बिक्री और आयात का नियमन और मानकीकरण की निगरानी करता है। वर्ष 2019 में 'उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम' द्वारा उपभोक्ताओं को असुरक्षित, मिलावटी, त्रुटिपूर्ण और गलत जानकारी देकर खाद्य सामग्रियों की बिक्री के विरुद्ध संरक्षण दिया गया है। संविधान की उच्चतम न्यायालय द्वारा समय-समय पर 'धारा-21' के अंतर्गत की गई व्याख्याओं में भोजन के अधिकार में उपलब्धता, पहुंच, सामर्थ्य के भीतर होना, सुरक्षा, पोषक तत्वों से युक्त होना और जानकारी शामिल है। वर्ष 2013 में 'भोजन का अधिकार कानून' बनाकर जरूरतमंद लोगों तक आर्थिक सहायता प्राप्त भोजन उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की गई है।

मिलावट के विरुद्ध भी पर्याप्त कानूनी प्रावधान किए गए हैं। उनके लागू करने में भले ही कुछ ढील रहती हो, जैसे कि आए दिन मिलावटी दुग्ध पदार्थ पकड़े जाने की खबरें आती रहती हैं। पकड़ के बावजूद इतने मामले होते हैं जो चिंता की बात है। यानी मिलावटखोरी सुरक्षित भोजन की उपलब्धता के रास्ते में बड़ी रुकावट है, किंतु शुद्ध और सुरक्षित भोजन की उपलब्धता के विषय में एक बात बिल्कुल नजरंदाज की जा रही है, जिसके विषय में कोई स्पष्ट कानूनी प्रावधान भी नहीं है।

किसकी क्या हद कितनी सीमा

लोग अपनी बात को मनवाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं किसकी की हद है, और कितनी सहने की सीमा है यह जभी पता चलता है जब दो लोग आपस में भिड़ते हैं। और अपनी अलग-अलग प्रतिक्रिया देते हैं। क्योंकि जब सामने वाले व्यक्ति की जो प्रतिक्रियाएं होती है वह बिल्कुल सामने वाले व्यक्ति के ईद की ही होती है और यही प्रतिक्रिया अगर व्यक्ति पीछे करता है। तो उस प्रतिक्रिया में और भी लोगों को घेर लेता है।



करिश्मा गुज्जर (खारी)

मोबाइल की दुनिया और बचपन का बिगड़ता व्यवहार

डॉ. प्रियंका सौरभ

पंचकूला के एक स्कूल में आठवीं कक्षा के छात्र द्वारा छह साल की बच्ची के साथ कथित क्रूर व्यवहार की खबर ने समाज को झकझोर दिया है। समाचार में सामने आए घटनाक्रम और विद्यालय परिसर में हुई हिंसा के विवरण ने बच्चों की सुरक्षा, उनके व्यवहार और हमारी परवरिश को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। आखिर बचपन में ऐसी हिंसक प्रवृत्तियाँ कैसे जन्म ले रही हैं? क्या बच्चों के भीतर संवेदनशीलता और सहानुभूति कम हो रही है? क्या मोबाइल की दुनिया, इंटरनेट पर उपलब्ध हिंसक सामग्री और बदलते पारिवारिक वातावरण का उनके व्यवहार पर कोई प्रभाव पड़ रहा है? इन सवालों से बचना अब संभव नहीं है।

किसी एक घटना के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि बच्चों में बढ़ती हिंसा का कारण केवल मोबाइल फोन है। प्रत्येक घटना के पीछे व्यक्तिगत परिस्थितियाँ, पारिवारिक वातावरण, साथियों का प्रभाव, मानसिक स्थिति और सामाजिक परिवेश जैसे अनेक कारक हो सकते हैं। फिर भी यह सच है कि बच्चों के हाथों में पहुँच चुकी डिजिटल दुनिया ने माता-पिता की जिम्मेदारियों को पहले से कहीं अधिक बढ़ा दिया है। अब बच्चों की निगरानी केवल स्कूल से लौटने के बाद उनके व्यवहार तक सीमित नहीं रह सकती। यह जानना भी आवश्यक है कि वे मोबाइल पर क्या देखते हैं, किन लोगों से बातचीत करते हैं, कौन-से खेल खेलते हैं और इंटरनेट से किस प्रकार के विचार ग्रहण कर रहे हैं। आज स्मार्टफोन बच्चों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बनता जा रहा है। ऑनलाइन पढ़ाई, शैक्षिक वीडियो और ज्ञानवर्धक सामग्री के माध्यम से तकनीक ने सीखने के नए अवसर खोले हैं। लेकिन इसी माध्यम पर हिंसक दृश्य, अपमानजनक भाषा, खतरनाक चुनौतियाँ और दूसरों को नुकसान पहुँचाने वाले व्यवहार भी आसानी से उपलब्ध हो सकते हैं। समस्या तकनीक के अस्तित्व में नहीं, बल्कि उसके अनियंत्रित उपयोग, अनुचित सामग्री तक पहुँच और उसके प्रभावों को समझने की कमी में है। बच्चे कई बार मनोरंजन के नाम पर ऐसी सामग्री देखते हैं, जिसके परिणामों को समझने के लिए वे मानसिक और भावनात्मक रूप से पर्याप्त परिपक्व नहीं होते। बचपन अनुकरण की अवस्था है। बच्चे अपने आसपास के लोगों



को देखकर भाषा, व्यवहार और प्रतिक्रिया करना सीखते हैं। वे माता-पिता की बातचीत, परिवार के सदस्यों के आचरण, मित्रों के व्यवहार और डिजिटल माध्यमों पर दिखाई देने वाली गतिविधियों से प्रभावित होते हैं।

यदि किसी बच्चे को बार-बार हिंसा, अपमान, बदले और आक्रामकता को सामान्य रूप में प्रस्तुत करने वाले दृश्य दिखाई देते हैं, तो उसके व्यवहार पर उनका प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है। हालांकि हर बच्चा ऐसी सामग्री देखकर हिंसक नहीं बनता, लेकिन उम्र के अनुरूप सामग्री चुनना और उसके प्रभावों पर बातचीत करना अत्यंत आवश्यक है।

इस संदर्भ में माता-पिता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। अक्सर व्यस्तता के कारण बच्चों को शांत रखने के लिए उनके हाथ में मोबाइल थमा दिया जाता है। खाना खिलाने से लेकर उन्हें व्यस्त रखने तक, स्क्रीन एक आसान उपाय बन गई है। धीरे-धीरे यह आदत बच्चों के दैनिक जीवन का हिस्सा बन जाती है और अभिभावकों का ध्यान इस बात से हट जाता है कि बच्चा वास्तव में क्या देख रहा है। बच्चे का मोबाइल पर चुपचाप लगे रहना उसकी सुरक्षा या स्वस्थ विकास का प्रमाण नहीं है। डिजिटल दुनिया में उसकी गतिविधियों की जानकारी रखना, उम्र के अनुरूप सीमाएँ निर्धारित करना और उसके साथ नियमित संवाद बनाए रखना आवश्यक है। बच्चों पर नजर रखने का अर्थ उन पर हर समय संदेह करना या उनकी निजता को पूरी तरह समाप्त कर देना नहीं है। इसका अर्थ है उनकी सुरक्षा के प्रति सजग रहना और ऐसा विश्वासपूर्ण वातावरण बनाना, जिसमें वे अपनी परेशानी, जिज्ञासा और गलतियों के बारे में खुलकर बात कर सकें। माता-पिता को बच्चों से पूछना चाहिए कि वे कौन-से खेल खेलते हैं, इंटरनेट पर क्या नया देखते हैं और किसी वीडियो या घटना के बारे में उनकी क्या समझ है।

यदि बच्चा किसी हिंसक दृश्य को देखकर उत्साहित होता है, किसी को चोट पहुँचाने की बात करता है या उसके व्यवहार में अचानक बदलाव आता है, तो उसे केवल डाँटकर चुप कराने के बजाय कारण समझने का प्रयास करना चाहिए।विद्यालयों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। शिक्षा का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम पूरा कराना और परीक्षा में अच्छे अंक दिलाना नहीं है। विद्यालय बच्चों को संवेदनशील, जिम्मेदार और सामाजिक रूप से जागरूक नागरिक बनाने का भी माध्यम हैं। शिक्षकों को विद्यार्थियों के व्यवहार में आने वाले असामान्य बदलावों पर ध्यान देना चाहिए। विद्यालयों में परामर्श व्यवस्था, भावनात्मक शिक्षा, विवादों का शांतिपूर्ण समाधान और दूसरों की गरिमा का सम्मान करने से संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। बच्चों के बीच मारपीट, धमकी, अपमान या किसी कमजोर विद्यार्थी को निशाना बनाने की घटनाओं को सामान्य शरारत समझकर टालना भविष्य में गंभीर समस्या पैदा कर सकता है।

साथ ही, किसी बच्चे द्वारा गंभीर गलती किए जाने पर उसके व्यवहार की जवाबदेही तय करना जितना आवश्यक है, उतना ही जरूरी है कि जाँच और कार्रवाई तथ्यों के आधार पर हो। बच्चों को अपराधी घोषित करने की जल्दबाजी, सार्वजनिक अपमान या सोशल मीडिया पर उनकी पहचान उजागर करना उचित नहीं है। पीड़ित बच्चे की सुरक्षा, सम्मान और मानसिक स्वास्थ्य सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि किसी बच्चे के व्यवहार में हिंसा, असामान्य आक्रामकता या भावनात्मक संकट के संकेत दिखाई दें, तो अभिभावकों और विद्यालयों को योग्य बाल मनोवैज्ञानिक या परामर्शदाता की सहायता लेने में संकोच नहीं करना चाहिए।

डिजिटल मंचों और सरकार की भूमिका पर भी विचार करना होगा। बच्चों के लिए अनुचित सामग्री तक पहुँच रोकने, अभिभावकीय नियंत्रण के साधनों को सरल बनाने और आयु के अनुरूप डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर प्रयास जरूरी हैं। इंटरनेट कंपनियों को भी बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए। लेकिन किसी तकनीकी सुविधा पर पूरी तरह निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। डिजिटल साक्षरता का अर्थ केवल मोबाइल चलाना सीखना नहीं, बल्कि यह समझना भी है कि इंटरनेट पर दिखाई देने वाली हर चीज सही, सुरक्षित या अनुकरण करने योग्य नहीं होती।

चीन से बढ़ते व्यापार असंतुलन की चुनौती

डा. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की बैठक के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत इस समय चीन के साथ तेजी से बढ़ते व्यापार घाटे की गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। सीतारमण ने कहा कि चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा वित्त वर्ष 2015-16 के 52.5 अरब डॉलर से दो गुना से अधिक बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 112 अरब डालर हो गया है। यद्यपि चीन को होने वाले भारतीय निर्यात में सराहनीय वृद्धि दर्ज की गई है, परंतु चीन से भारत आने वाले आयात का विशाल परिमाण व्यापार घाटे की खाई को और अधिक गहरा बना रहा है। ऐसे में हमें हरसंभव तरीके से चीन से कारोबार में आ रही अड़चनें दूर करते हुए चीन को निर्यात बढ़ाने की नई रणनीति के साथ आगे बढना होगा।

उल्लेखनीय है कि चीन के साथ लगातार बढ़ते हुए व्यापारिक असंतुलन के पीछे कई संरचनात्मक, रणनीतिक और नीतिगत कारक जिम्मेदार हैं। सबसे बड़ा कारण चीन द्वारा अपनाई जाने वाली अप्रत्यक्ष और गैर-शुल्क बाधाएं (नॉन टैरिफ बैरियर्स) हैं। वित्त मंत्री के अनुसार चीनी प्रशासन द्वारा लगाए जाने वाले अत्यधिक जटिल तकनीकी, कड़े स्वास्थ्य और गुणवत्ता संबंधी सूक्ष्म मानक भारतीय वस्तुओं के चीनी बाजार में प्रवेश के रास्ते में सबसे बड़ा रोड़ा बने हुए हैं। भारत बीते एक दशक से भी अधिक समय से अपनी विश्वस्तरीय जेनेरिक दवाओं, प्रसंस्कृत मांस और विविध कृषि उत्पादों के लिए चीनी बाजार में न्यायसंगत और पारदर्शी पहुंच की मांग करता रहा है। इसके विपरीत चीन अपने घरेलू उद्योगों और बाजार को पूर्ण संरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से ऐसे जटिल नियामक नियम लागू करता है जिनके चलते भारतीय निर्यातक प्रतिस्पर्धी मूल्य और उच्च गुणवत्ता होने के बावजूद वहां अपनी पैठ नहीं बना पाते।

इसके अतिरिक्त चीनी युआन की विनिमय दर में होने वाले उतार-चढ़ाव भी भारतीय मुद्रा रुपए पर लगातार दबाव बढ़ाते हैं, जिससे व्यापार घाटे को पाटने के लिए भारत को अपने विदेशी मुद्रा भंडार का निरंतर इस्तेमाल करना पड़ता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि चीन के साथ बढ़ते व्यापारिक असंतुलन का एक और महत्वपूर्ण पहलू भारत के महत्वाकांक्षी मेक इन इंडिया अभियान की चीनी कच्चे माल और घटकों पर बनी भारी निर्भरता है। यद्यपि भारत का घरेलू विनिर्माण क्षेत्र हाल के वर्षों में तेजी से विस्तृत हुआ है, लेकिन इसका औद्योगिक बुनियादी ढांचा अब भी काफी हद तक चीनी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भर है। भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग, डिस्प्ले पैनल, सोलर पीवी सेल, औषधीय कच्चा माल यानी एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स (एपीआई) और भारी औद्योगिक मशीनरी चीन से आने वाले आयात पर पूरी तरह टिके हुए हैं। इस संरचनात्मक निर्भरता का सीधा परिणाम यह निकलता है कि जैसे-जैसे भारत के भीतर औद्योगिक उत्पादन, असेंबलिंग और विनिर्माण गतिविधियां बढ़ती हैं, वैसे-वैसे चीनी कलपुर्जों का आयात भी स्वतः ही आनुपातिक रूप से बढ़ता चला जाता है। इसके साथ ही, चीन ने विश्वभर में दुर्लभ धातुओं (रेयर अर्थ एलिमेंट्स), लिथियम और आधुनिक उर्वरकों के उत्पादन व निर्यात पर अपना एकाधिकार स्थापित कर कड़े नियम और कोटा लागू कर रखे हैं। निःसंदेह चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे को स्थायी रूप से नियंत्रित करने के लिए केवल दंडात्मक या जवाबी सीमा शुल्क लगाना कोई दीर्घकालिक और व्यावहारिक समाधान नहीं हो सकता। इसके स्थान पर भारत को एक बहुस्तरीय, केंद्रित और दूरदर्शी रणनीति पर काम करने की आवश्यकता है, जिसमें सबसे पहली प्राथमिकता इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर का मजबूत घरेलू पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना है।

भारत को केवल अंतिम उत्पादों की असेंबलिंग करने के बजाय घटकों के स्तर पर (कंपोनेंट लेवल मैन्युफैक्चरिंग) निर्माण क्रांति शुरू करनी होगी। जब तक प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी), एडवांस्ड सेंसर, डिस्प्ले पैनल और सेमीकंडक्टर चिप्स का उत्पादन देश की सीमाओं के भीतर शुरू नहीं होता, तब तक यह निर्भरता समाप्त नहीं हो सकती। राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर मिशन और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के आक्रामक क्रियान्वयन के जरिए ही अगले कुछ वर्षों में घटकों के आयात में 30 से 40 प्रतिशत तक की महत्वपूर्ण कमी लाई जा सकती है। व्यापार घाटे को कम करने की दिशा में दूसरा सबसे निर्णायक कदम फार्मास्यूटिकल्स और बल्क ड्रग क्षेत्र में 100 प्रतिशत आत्मनिर्भरता हासिल करना है। यद्यपि भारत को दुनिया की फार्मेसी कहा जाता है, लेकिन भारतीय जीवनरक्षक दवा उद्योग का अपने कच्चे माल (एपीआई) के लिए 70 प्रतिशत तक चीन पर निर्भर रहना एक बहुत बड़ा रणनीतिक और राष्ट्रीय सुरक्षा का जोखिम है।

इस संवेदनशील निर्भरता को समाप्त करने के लिए देश में घोषित बल्क ड्रग पार्कों की स्थापना में तेजी लानी होगी और 41 अति-महत्वपूर्ण एपीआई के घरेलू उत्पादन के लिए प्रोत्साहन ढांचे को धरातल पर उतारना होगा। इसके साथ ही, चीन द्वारा लगाई गई गैर-शुल्क बाधाओं का मुकाबला करने के लिए भारत को कूटनीतिक दबाव बनाने के साथ-साथ अपने देश में सख्त 'क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर' (क्यूसीओ) लागू करने होंगे। भारत में घटिया और अमानक चीनी सामान की डंपिंग को रोकने के लिए कड़े मानक तय करना बेहद जरूरी है जिससे घरेलू विनिर्माताओं को एक सुरक्षित और न्यायसंगत प्रतिस्पर्धी माहौल मिल सके। रणनीतिक दृष्टि से भारत के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं का व्यापक विविधीकरण और 'फ्रेंड-शोअरिंग' की नीति को अपनाना जरूरी है। क्रिटिकल मिनरल्स, दुर्लभ धातुओं और उच्च-तकनीकी इनपुट के लिए चीन के एकल प्रभुत्व को तोडने हेतु भारत को समान विचारधारा वाले मित्र राष्ट्रों के साथ मिलकर मजबूत वैकल्पिक आपूर्ति नेटवर्क तैयार करना होगा। जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और यूरोपीय संघ के देशों के साथ द्विपक्षीय व बहुपक्षीय मिनरल सिक्योरिटी पार्टनरशिप को व्यावहारिक रूप देना होगा। विनिर्माण के मोर्चे पर इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में तुलनात्मक रणनीति बनाकर काम करना होगा।

ग्रीन टेक और ई-व्हीकल क्रांति के इस दौर में यदि भारत ने अभी से स्थानीय विनिर्माण को मजबूती प्रदान नहीं की, तो जीवाश्म ईंधन की मध्य-पूर्व पर निर्भरता समाप्त होकर केवल चीन के ग्रीन-आयात की नई निर्भरता में बदल जाएगी। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि चीन से बढ़ता व्यापार घाटा केवल आयात-निर्यात का एक साधारण आर्थिक आंकड़ा मात्र नहीं है, बल्कि यह भारत की दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता, औद्योगिक क्षमता और रणनीतिक संप्रभुता से जुड़ा हुआ एक अत्यंत संवेदनशील विषय है। भारत सरकार द्वारा अपनाया गया यह रुख सर्वथा तर्कसंगत और व्यावहारिक है कि वह केवल प्रतिशोधात्मक शुल्क लगाने जैसे अल्पकालिक उपायों के बजाय बहुपक्षीय बातचीत, कूटनीतिक दबाव और अपनी आंतरिक घरेलू विनिर्माण क्षमताओं के विस्तार का दीर्घकालिक रास्ता चुन रही है।

दान की महिमा जीवन को महान बनाने का सबसे पवित्र मार्ग है

कांतिलाल मांडोत

मनुष्य के जीवन की वास्तविक सार्थकता केवल धन कमाने और सुख-सुविधाओं का संग्रह करने में नहीं, बल्कि अपने अर्जित संसाधनों से दूसरों के जीवन में खुशियां लाने में है। भारतीय संस्कृति और धर्म परंपरा में दान को हमेशा सर्वोच्च स्थान दिया गया है। दान केवल धन या वस्तु देने का नाम नहीं, बल्कि करुणा, उदारता, परोपकार और मानवीय संवेदनाओं की अभिव्यक्ति है। एक प्रसिद्ध लोकोक्ति है- 'भीख में से भीख दे, तीन लोक जीत ले।' इसका भाव यही है कि जिसके पास स्वयं बहुत कम है, वह भी अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की सहायता कर सकता है। दान का मूल्य वस्तु की कीमत से नहीं, बल्कि देने वाले की भावना से निर्धारित होता है।

संतों और महापुरुषों ने कहा है कि धन की तीन गतियां होती हैं- दान, भोग और नाश। जो धन दूसरों के काम आता है, वही धन सार्थक होता है। जो व्यक्ति न स्वयं उसका सदुपयोग करता है और न किसी जरूरतमंद को देता है, उसका धन अंततः नष्ट हो जाता है। इसलिए जीवन में संचय के साथ सदुपयोग और परोपकार का भाव भी आवश्यक है। अनुभव बताता है कि केवल संग्रह करने से मनुष्य को स्थायी संतोष नहीं मिलता, जबकि दूसरों के साथ बांटने से आत्मिक आनंद और समाज में सम्मान प्राप्त होता है। यही कारण है कि भारतीय चिंतन में कहा गया है कि कमाई अपने हाथों से करो और दान हजार हाथों से करो।

प्रकृति भी हमें देने का संदेश देती है। सूर्य बिना किसी भेदभाव के प्रकाश देता है, वायु सभी को जीवन प्रदान करती है और नदियां अपना जल दूसरों के लिए बहाती हैं। वृक्ष स्वयं धूप और वर्षा सहन करके दूसरों को फल, छाया और प्राणवायु देते हैं। प्रकृति का प्रत्येक तत्व हमें सिखाता है कि जीवन का उद्देश्य केवल लेना नहीं, बल्कि देना भी है। मनुष्य प्रकृति से जीवनभर अनेक उपहार प्राप्त करता है। इसलिए उसके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का एक मार्ग परोपकार और दान भी है। जैसे किसान खेत में बीज डालता है और कुछ समय बाद वही बीज अनेक गुना होकर लौटता है, वैसे ही निस्वार्थ भाव से किया गया दान भी जीवन में सद्भाव और पुण्य का आधार बनता है।

दान करते समय भावना की पवित्रता सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। दान का उद्देश्य किसी पर उपकार जताना, अपना नाम चमकाना अथवा प्रसिद्धि प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। वास्तविक दानी वही है जो बिना किसी अपेक्षा के जरूरतमंद की सहायता करे। दान लेने वाले के प्रति सम्मान और विनम्रता का भाव रखना चाहिए। किसी की मजबूरी का प्रदर्शन करना या दान देकर उसका अपमान करना दान की मूल भावना के विपरीत है। सेवा का सच्चा आनंद तभी मिलता है जब देने वाले के मन में अहंकार नहीं, बल्कि करुणा और आत्मीयता हो।

दान के अनेक स्वरूप हैं। ज्ञानदान, अभयदान, वस्त्रदान, औषधदान, आवासदान और आहारदान सभी का अपना महत्व है। इनमें आहारदान को विशेष रूप से महादान माना गया है, क्योंकि भोजन जीवन का आधार है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल उसकी भूख मिटाना नहीं, बल्कि उसे जीवन जीने की शक्ति देना है। धन, वस्त्र और अन्य सुविधाएं बाद में भी प्राप्त हो सकती हैं, लेकिन भूख की पीड़ा तत्काल भोजन मांगती है। इसलिए किसी जरूरतमंद को भोजन कराना मानवीय सेवा का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है।

गौतम बुद्ध से जुड़ा एक प्रसंग दान की भावना को सुंदर ढंग से समझाता है। एक दिन कुछ बालक खेल रहे थे। बुद्ध वहां से गुजरे तो एक बालक ने उनसे कहा कि बाबा, दान लो। बुद्ध ने अपनी झोली फैला दी और बालक ने उसमें रेत डाल दी। शिष्य ने आश्चर्य से पूछा कि आपने रेत क्यों स्वीकार की? बुद्ध ने समझाया कि रेत का कोई विशेष मूल्य नहीं, लेकिन बालक के मन में दान करने की भावना जागी है। यदि मैं उसका दान अस्वीकार कर देता तो उसकी उदारता का भाव कमजोर हो सकता था। आज वह रेत दे रहा है, संभव है कि कल अपनी सामर्थ्य के अनुसार भोजन भी दान करे। इस प्रसंग से स्पष्ट होता है कि दान की शुरुआत छोटी भावना से होती है, लेकिन उसका प्रभाव बहुत व्यापक हो सकता है।

जैन धर्म में आहारदान का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। श्रावक के बारह व्रतों में अतिथि संविभाग व्रत भी शामिल है। इसका आशय है कि गृहस्थ अपने भोजन में से साधु-संतों और सुपात्रों के लिए भी हिस्सा निकाले। जैन परंपरा में मुनियों को विधिपूर्वक आहारदान देना पुण्यकारी माना गया है। मान्यता है कि सुपात्रदान से कर्मों की निर्जरा होती है और आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। भगवान महावीर की शिक्षाओं में त्याग, संयम, अहिंसा और जीवमात्र के प्रति करुणा का जो संदेश मिलता है, उसमें दान की भावना भी महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

अन्य धर्मों में भी भोजन बांटने की परंपरा रही है। ऋग्वेद में अकेले भोजन करने की प्रवृत्ति को उचित नहीं माना गया है। गीता में भी दूसरों को भोजन कराए बिना केवल अपने लिए भोजन करने वालों के प्रति चेतावनी दी गई है। इससे स्पष्ट होता है कि भोजन बांटना किसी एक धर्म या संप्रदाय तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता का साझा आदर्श है।

आज के समय में जब समाज में आर्थिक असमानता और जरूरतमंदों की समस्याएं दिखाई देती हैं, तब दान की महत्ता और बढ़ जाती है। प्रत्येक परिवार अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी भूखे को भोजन करा सकता है, किसी जरूरतमंद विद्यार्थी की सहायता कर सकता है अथवा किसी असहाय व्यक्ति के लिए उपयोगी वस्तुएं उपलब्ध करा सकता है। दान के लिए धनवान होना आवश्यक नहीं, उदार हृदय होना आवश्यक है।

अंततः जीवन में धन का वास्तविक महत्व उसके संग्रह में नहीं, बल्कि उसके सदुपयोग में है। जो भोजन हम अकेले खा सकते हैं, उसमें से किसी भूखे का हिस्सा निकालना ही सच्ची मानवता है। दान मनुष्य को विनम्र बनाता है, समाज में प्रेम बढ़ाता है और आत्मा को संतोष प्रदान करता है। इसलिए अपनी आय, सामर्थ्य और परिस्थिति के अनुसार दान को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। विशेषकर आहारदान के माध्यम से किसी की भूख मिटाना सबसे सहज और पुण्यकारी सेवा है। दान से हाथ खाली नहीं होते, बल्कि हृदय समृद्ध होता है। यही दान की महिमा है और यही मानव जीवन का सच्चा कल्याण मार्ग है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा ओ.एस. पब्लिकेशन, बी-2542, नरेला, इंडस्ट्रियल एरिया, नार्थ वेस्ट दिल्ली-110040 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com

भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा, कहा- राहुल गांधी लोकतंत्र नहीं, भ्रम फैलाने की राजनीति कर रहे

लखनऊ (एजेंसी)



ब्रजेश पाठक, ओमप्रकाश राजभर, मंत्री रजनी तिवारी, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष मोहसिन रजा और भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह ने विपक्ष पर तीखे हमले किए। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष का एक एजेंडा है संवैधानिक संस्थाओं और लोकतंत्र को कमजोर करके देश में अराजकता फैलाना

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा निकाली जा रही है। इस पदयात्रा के जरिए भाजपा नेताओं ने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन पर लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने, संसद की कार्यवाही बाधित करने और जनता के बीच गलत सूचनाएं फैलाने का आरोप लगाया। इस दौरान प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंत्री ओमप्रकाश राजभर, मंत्री रजनी तिवारी, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष मोहसिन रजा और भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह ने विपक्ष पर तीखे हमले किए।

उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष का एक एजेंडा है संवैधानिक संस्थाओं और लोकतंत्र को कमजोर करके देश में अराजकता फैलाना। भारतीय जनता पार्टी इस एजेंडे के खिलाफ एक जन-जागरूकता अभियान चला रही है। आज से 5 तारीख तक, हमारे वरिष्ठ नेता इस अभियान के जरिए एक संदेश देंगे और उन ताकतों को बेनकाब करेंगे जो कथित तौर पर देश में अस्थिरता पैदा करने की साजिश रच रही हैं। कांग्रेस एक विदेशी एजेंडे का मोहरा बन गई है, और इसका मकसद देश के संविधान को कमजोर करना और अराजकता फैलाना है। यूपी सरकार के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी लगातार इस तरह की राजनीति कर रहे हैं।

उन्हें चुनाव लड़कर जनता के सामने अपने विचार रखने चाहिए। संसद की कार्यवाही में बाधा डालना और जनता के बीच अफवाहें फैलाना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। विदेशी साजिश के मुद्दे पर उन्होंने राहुल गांधी, इंडी गठबंधन और बांग्लादेशी नेटवर्क का जिक्र करते हुए विपक्ष की भूमिका पर सवाल उठाए। ब्रजेश पाठक ने कहा कि भाजपा की इस पदयात्रा के माध्यम से जनता को यह बताया जाएगा कि किस तरह इंडी गठबंधन, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेता लोकतांत्रिक व्यवस्था को बाधित करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता शिवराज सिंह चौहान भी इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए लखनऊ आ रहे हैं। उनके नेतृत्व में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पार्टी कार्यकर्ता जनता के बीच जाएंगे और विपक्ष के आरोपों का तथ्यों के साथ जवाब देंगे। वहीं, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष मोहसिन रजा ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र की रक्षा के लिए देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च आयोजित कर रही है। उन्होंने कांग्रेस पर अराजकता फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पहले कांग्रेस आतंकवादियों के समर्थन से चुनाव जीतने का प्रयास करती थी और अब उसके नेता देश में अफरा-तफरी का माहौल पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को बचाने और अराजकता समाप्त करने के लिए सभी भारतीयों को एकजुट होकर आगे आना चाहिए तथा इस अभियान में भागीदारी करनी चाहिए।

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह ने भी विपक्ष पर लोकतांत्रिक और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने देश को अराजकता की ओर धकेलने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली है। विपक्षी नेता रोज नए भ्रम और झूठे नैरेटिव फैलाकर अपने राजनीतिक हित साधने का प्रयास कर रहे हैं। इस पदयात्रा के माध्यम से भाजपा उनके दावों का जवाब देगी, जनता के सामने उनकी राजनीति को उजागर करेगी और अपना विरोध दर्ज कराएगी। देश के जागरूक नागरिक गलत सूचनाएं फैलाने वाले विपक्ष को स्वीकार नहीं करेंगे।

इस बीच, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश सरकार की मंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि उन्होंने अभी तक अखिलेश यादव का बयान नहीं देखा है, लेकिन उनके मुताबिक अखिलेश यादव न तो सनातन धर्म में विश्वास रखते हैं और न ही दूसरों का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि दूसरों के प्रति की जाने वाली टिप्पणियां किसी भी व्यक्ति के संस्कारों को दर्शाती हैं। प्रदेश सरकार के मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने भी भाजपा की पदयात्रा का समर्थन किया।

नाबालिग किशोरी की आत्महत्या के मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार, लापरवाही पर चौकी इंचार्ज निलंबित

लखनऊ (एजेंसी)



लखनऊ में मलिहाबाद थाना क्षेत्र के रमगढ़ा गांव में नाबालिग किशोरी की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, किशोरी के पिता के साथ पांच महीने पहले हुई मारपीट की शिकायत पर कार्रवाई न करने के आरोप में कसमंडी कला चौकी इंचार्ज को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। मामले में उनके खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है।

पुलिस के मुताबिक, दो नवंबर 2026 को थाना मलिहाबाद के रमगढ़ा गांव में एक नाबालिग किशोरी के फांसी लगाकर आत्महत्या करने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला उपनिरीक्षक आशी गुप्ता ने शव का पंचायतनामा भरने की कार्रवाई पूरी की। इस मामले में परिजनों की तहरीर के आधार पर थाना मलिहाबाद में हंस कुमार, पुत्र श्याम सुंदर, उसके भाई विनय कुमार, पिता श्याम सुंदर और मां राम लल्ली के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। परिजनों ने आरोप लगाया कि हंस कुमार किशोरी को डराता-धमकाता था और उस पर अपने साथ चलने का दबाव बनाता था। इसके अलावा आरोप है कि करीब पांच महीने पहले हंस कुमार और उसके परिवार के लोगों ने किशोरी के पिता राम लखन के साथ मारपीट की थी। दोनों परिवार पड़ोसी होने के साथ रिश्तेदार भी हैं। श्याम सुंदर और राम लखन के दादा आपस में सगे भाई थे। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि पांच महीने पहले हुई मारपीट की शिकायत कसमंडी कला चौकी पर दी गई थी, लेकिन तत्कालीन चौकी इंचार्ज ने उस पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसीपी मलिहाबाद ने मामले की जांच की।

गैस पाइपलाइन ब्लास्ट में कोचिंग संचालक की मौत, बेटी की फीस जमा कर लौट रहे थे घर

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)



बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के गोबरसही रोड पर गैस पाइपलाइन में हुए धमाके ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। हादसे में 45 वर्षीय कोचिंग संचालक श्रीनिवास कुमार सिंह की मौत हो गई। वह अपनी बेटी के स्कूल की फीस जमा कर स्कूटी से घर लौट रहे थे। घर से महज 200 मीटर पहले ही हादसे ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। उनकी मौत की खबर से परिवार में मातम पसरा है। पत्नी और बेटी का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, पूरे मोहल्ले में शोक के साथ घटना को लेकर दहशत का माहौल है। श्रीनिवास कुमार सिंह एक सेवानिवृत्त सब इंस्पेक्टर के बेटे थे और परिवार के बेहद प्रिय सदस्य थे। वह कोचिंग चलाने के साथ घर की जिम्मेदारियां भी संभालते थे। परिजनों के मुताबिक, घर के छोटे-बड़े कामों से लेकर बच्चों की पढ़ाई-लिखाई तक की जिम्मेदारी वह खुद उठाते थे। रोजमर्रा के काम निपटाने के बाद शाम को कोचिंग में बच्चों को पढ़ाते थे। सोमवार को भी वह अपनी बेटी की स्कूल फीस जमा करने गए थे। किसी को अंदाजा नहीं था कि घर लौटते समय रास्ते में मौत उनका इंतजार कर रही है।

श्रीनिवास की मौत के बाद परिजनों ने घटना को बड़ी लापरवाही का परिणाम बताया है। उनका कहना है कि सोमवार को हुई इस घटना ने पूरे परिवार को उजाड़ दिया। मृतक के भाई ने बताया कि श्रीनिवास परिवार की हर जरूरत का ध्यान रखते थे। घर के सदस्यों की देखभाल से लेकर उनकी जिम्मेदारियां निभाने तक, हर काम में वह आगे रहते थे। उन्होंने सवाल उठाया कि अब परिवार उनकी कमी कैसे पूरी कर पाएगा। श्रीनिवास की पत्नी इस हादसे से सदमे में हैं। रोते हुए उन्होंने कहा कि परिवार ने अपना सब कुछ खो दिया है। अब घर और परिवार की जिम्मेदारियां कौन संभालेगा, यह समझ नहीं आ रहा। उनके मुताबिक, श्रीनिवास कोचिंग चलाने से पहले घर के सभी काम करते थे और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का पूरा ध्यान रखते थे। शाम को कोचिंग में पढ़ाने जाते थे। पत्नी ने कहा कि इस हादसे से परिवार कभी उबर नहीं पाएगा। परिजनों के मुताबिक, श्रीनिवास बेटी की स्कूल फीस जमा करके अपनी स्कूटी से घर लौट रहे थे। घर से करीब 200 मीटर पहले गोबरसही रोड पर गैस पाइपलाइन में ब्लास्ट हो गया और वह हादसे की चपेट में आ गए। उनकी मौत के बाद से परिवार ही नहीं, पूरे मोहल्ले में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों में भी इस घटना को लेकर दहशत बनी हुई है।

'सीएम को घटना की जानकारी तक नहीं', मुजफ्फरपुर विस्फोट की घटना पर तेजस्वी का आरोप

पटना (एजेंसी)



बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मुजफ्फरपुर के गोबरसही में पीएनजी पाइपलाइन में हुए विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत पर मंगलवार को शोक व्यक्त किया। उन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना जताते हुए राज्य सरकार और भाजपा पर गंभीर सवाल उठाए।

तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मुजफ्फरपुर के गोबरसही में पीएनजी पाइपलाइन विस्फोट की चपेट में आए एक व्यक्ति की मृत्यु पर वह अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि ईश्वर पीड़ित परिवारों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करें। राजद नेता तेजस्वी यादव ने घटना के दौरान अग्निशमन वाहन के यातायात में फंसे होने को लेकर भाजपा की सभा पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सड़क पर भाजपा की एक सभा आयोजित की गई थी, जिसमें पार्टी के कार्यकर्ता, नेता और पर्यटन मंत्री केदार गुप्ता भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों के अनुसार, सभा में मौजूद लोगों को इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की सूचना मिल गई थी। इसके बावजूद यातायात में फंसे अग्निशमन वाहन को प्राथमिकता देकर घटनास्थल पर जल्द पहुंचाने की जरूरत नहीं समझी गई। तेजस्वी यादव ने इसे अक्षम्य बताते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में अग्निशमन वाहन को तत्काल रास्ता उपलब्ध कराया जाना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इस मामले में संवेदनशीलता नहीं दिखाई।

पटना में प्रतियोगी अभ्यर्थियों का प्रदर्शन, तनाव, गांधी मैदान में ही पुलिस ने रोका, कई हिरासत में

पटना (एजेंसी)



पटना में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी के खिलाफ प्रदर्शन करने पहुंचे अभ्यर्थियों को पुलिस ने गांधी मैदान में ही रोक दिया। मंगलवार को बड़ी संख्या में अभ्यर्थी गांधी मैदान में जुटे थे। इन लोगों ने मुख्यमंत्री आवास तक मार्च निकालने का ऐलान किया था। हालांकि, मार्च शुरू होने से पहले ही पटना पुलिस ने कुछ अभ्यर्थियों को हिरासत में ले लिया। इसके बाद प्रदर्शनकारी गांधी मैदान से निकलकर गर्दनीबाग पहुंच गए। अभ्यर्थियों के मार्च को देखते हुए पुलिस ने पहले से सुरक्षा की तैयारी कर रखी थी। गांधी मैदान में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। इसके अलावा जेपी गोलंबर और डाकबंगला चौराहे पर भी पुलिस बल तैनात था। जेपी गोलंबर पर बैरिकेडिंग लगाकर अभ्यर्थियों को रोकने की योजना थी, लेकिन वे वहां तक पहुंच ही नहीं पाए। पुलिस ने गांधी मैदान में ही कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों का आरोप है कि सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है और पुलिस के जरिए उनकी आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है।

उनका कहना है कि वे पिछले कई महीनों से अलग-अलग प्रतियोगी परीक्षाओं में हुई कथित अनियमितताओं और लंबित भर्ती प्रक्रियाओं को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इस प्रदर्शन में बिहार पुलिस दरोगा भर्ती, रेडियो ऑपरेटर, सिपाही भर्ती, मद्य निषेध विभाग के दरोगा और सिपाही भर्ती के अभ्यर्थी शामिल थे। इनके अलावा बेल्ट्रॉन के अभ्यर्थियों और बीपीएससी 70वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा को रद्द करने की मांग कर रहे अभ्यर्थियों ने भी प्रदर्शन में हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में बीपीएससी 70वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा को रद्द करना शामिल है। अभ्यर्थियों का आरोप है कि परीक्षा में गड़बड़ी हुई थी, लेकिन अब तक इस मामले में सरकार की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। वहीं, बिहार पुलिस में 1799 पदों पर निकली दरोगा भर्ती को लेकर अभ्यर्थियों का कहना है कि केवल मुख्य परीक्षा (मेंस) रद्द की गई है। वे प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) को भी रद्द कर नए सिरे से भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग कर रहे हैं। बेल्ट्रॉन के अभ्यर्थियों का मुद्दा भी प्रदर्शन में उठा। उनका कहना है कि परीक्षा का रिजल्ट जारी होने के बावजूद अब तक उन्हें ज्वाइनिंग नहीं दी गई है।

बिहार : महिला के साथ पकड़े जाने पर एएसआई ने की अंधाधुंध फायरिंग, एक ग्रामीण की मौत, तीन घायल

दरभंगा (एजेंसी)

बिहार के मधुबनी जिले में पुलिस की वर्दी को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। बाबूबरही थाना क्षेत्र के बलीराजगढ़ गांव में सोमवार आधी रात ऐतिहासिक बलीराजगढ़ की खुदाई की सुरक्षा में तैनात एक एएसआई ने कथित तौर पर ग्रामीणों पर सर्विस रिवॉल्वर से अंधाधुंध फायरिंग कर दी। गोलीबारी में एक ग्रामीण की मौत हो गई, जबकि एक महिला समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गांव में तनाव और आक्रोश का माहौल है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी योगेंद्र कुमार खुद थाने में कैंप कर रहे हैं। एसपी योगेंद्र कुमार के मुताबिक, ऐतिहासिक बलीराजगढ़ में खुदाई की सुरक्षा के लिए एक एएसआई की तैनाती की गई थी। वह गांव की ही रहने वाली फूलों देवी के घर सामान लाने के लिए आता-जाता था। इसी दौरान एएसआई और महिला के बीच कथित अवैध संबंध होने की बात सामने आई। बताया गया कि सोमवार की रात ग्रामीणों ने एएसआई को महिला के साथ पकड़ लिया और उसे घेर लिया। खुद को घिरता देख एएसआई ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर निकालकर फायरिंग शुरू कर दी। हालांकि, घटना के दौरान क्या हुआ, इसकी विस्तृत जांच की जा रही है। इस गोलीबारी में 45 वर्षीय अशोक यादव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, 40 वर्षीय फूलों देवी, 50 वर्षीय बिजेंद्र यादव और 45 वर्षीय धनीकलाल यादव घायल हो गए। सभी बलीराजगढ़ गांव के निवासी बताए गए हैं। गोली किसी को पैर में लगी, जबकि एक व्यक्ति को गोली छूकर निकल गई। तीसरे घायल के सिर में गोली लगने की जानकारी सामने आई है। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

दीपोत्सव में जाति नहीं, सहभागिता है पहचान, गरीब परिवारों को धुएं वाले चूल्हे पर लौटने नहीं देगी सरकार : योगी

लखनऊ (एजेंसी)



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपोत्सव को सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का जीवंत उदाहरण बताते हुए कहा कि जाति की जड़ता समाज को बांटती है, जबकि साझी आस्था और संस्कृति उसे एक सूत्र में पिरोती हैं।

उन्होंने कहा कि राम नगरी अयोध्या का दीपोत्सव समाज को जोड़ने और समरसता का संदेश देने वाला आयोजन बन चुका है। वहीं, दीपावली के अवसर पर प्रदेश के 1.89 करोड़ से अधिक पात्र परिवारों को रसोई गैस सिलेंडर रिफिल की सब्सिडी देने की घोषणा को गरीब परिवारों और मातृशक्ति के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता बताया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में कहा कि वर्ष 2017 से पहले जातीय विभाजन को राजनीति का आधार बनाने वाली सरकारों ने समाज को जोड़ने वाली इस सांस्कृतिक शक्ति की पूर्णतः उपेक्षा की। डबल इंजन सरकार ने वर्ष 2017 में दीपोत्सव की शुरुआत कर इस सोच को बदला और राम नगरी की सांस्कृतिक विरासत को जन-जन के उत्सव में बदल दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में आज धर्माचार्य गण, विद्यार्थी, स्वच्छताकर्मी, कुम्हार और व्यापारी सभी समान उत्साह एवं श्रद्धा से इस आयोजन में सहभागी होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां पहचान जाति से नहीं, सहभागिता से होती है। दीप अलग-अलग हाथों में जलते हैं, लेकिन उनका प्रकाश पूरे समाज को एक करता है।

यही दीपोत्सव का संदेश है। यही समरस समाज की संकल्पना है। मुख्यमंत्री योगी ने एक एन्य पोस्ट में कहा कि जब सरकार की प्राथमिकता अपना ही परिवार हो, तो गरीब परिवारों की पीड़ा शासन की नीतियों से ओझल हो जाती है। पूर्ववर्ती सरकार में उत्तर प्रदेश में यही स्थिति थी। परिवारवाद की राजनीति के बीच लाखों माताएं और बहनें धुएं से भरी रसोई में जीवन बिताने को विवश थीं।

मधुबनी में एएसआई ने घर में घुसकर की अंधाधुंध फायरिंग, 1 की मौत, तीन घायल

मधुबनी (एजेंसी)

बिहार के मधुबनी जिले के बाबूबरही थाना क्षेत्र के बलिराजगढ़ गांव में सोमवार की देर रात एक पुलिस सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) की फायरिंग में एक ग्रामीण के घर में घुसकर अंधाधुंध फायरिंग की। इसमें एक ग्रामीण की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार, बलिराजगढ़ गांव में पुलिस पिकेट स्थापित है, जहां एएसआई चंद्रमोहन सिंह की प्रतिनियुक्ति थी। बताया जाता है कि वह अक्सर एक ग्रामीण के घर आता-जाता था। मंगलवार देर रात भी वह उसी घर में गया था, जहां दो युवतियां सो रही थीं। आरोप है कि एएसआई गलत नीयत से घर में घुसा था। इसकी भनक लगने पर पड़ोस में रहने वाली एक महिला ने बाहर से दरवाजे की सिटकनी बंद कर दी और शोर मचाना शुरू कर दिया। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर जुट गए और घर को चारों तरफ से घेर लिया। खुद को ग्रामीणों से घिरा देख एएसआई ने अपनी सर्विस पिस्टल निकालकर फायरिंग शुरू कर दी। गोलीबारी में चार ग्रामीणों को गोली लगी। सभी घायलों को तत्काल बाबूबरही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने एक ग्रामीण को मृत घोषित कर दिया। अन्य तीन घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया।

यूपी में पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़, जेवर में इमरान हत्याकांड के दो आरोपी घायल



नोएडा/अमेठी (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को दो अलग-अलग जिलों में बड़ी सफलता मिली है। जेवर में इमरान हत्याकांड के दो फरार आरोपियों की पुलिस से मुठभेड़ हो गई, जिसमें दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी है।

वहीं, अमेठी में पुलिस और अंतर्जनपदीय चोरों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसके भाई को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पहला मामला गौतमबुद्ध नगर के जेवर का है। यहां झांझर रोड स्थित पावर हाउस के पास पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान संदिग्ध बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में शेरू उर्फ शेर मोहम्मद और मौसीम के पैर में गोली लग गई। दोनों बदमाश 7 अक्टूबर की रात इमरान की गोली मारकर हत्या के मामले में फरार चल रहे थे। पुलिस ने इनके कब्जे से दो अवैध पिस्टल, पांच कारतूस और दो खोखा बरामद किए हैं। घायल बदमाशों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जेवर पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। वहीं, दूसरा मामला अमेठी जिले का है। यहां शिवरतनगंज थाना क्षेत्र के कुकहा रामपुर गांव के पास पुलिस और अंतर्जनपदीय चोरों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के मुताबिक, चेकिंग के दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम को देखकर फायरिंग शुरू कर दी।

STARLIT POWER SYSTEMS LIMITED

(Formerly known as KDG Properties & Construction Private Limited consequent upon its Name Change and Conversion as well as Merger of Starlit Power Systems Limited)
CIN : U74899DL1995PLC071052
Registered Office: 1002, 10th Floor vikram Tower 16 Rajendra Place, Patel Nagar New Delhi-110008
Email Id:(i)Amulya.starlit@gmail.com, (ii) kdgproperties121@gmail.com, Website: www.starlitpower.com Contact No: +91 8920674883, 9266745232

Unaudited Financial Result for the Quarter and Half year Ended on 30.09.2026

(₹IN LAKHS)

S.N	Particulars	STANDALONE						CONSOLIDATED					
		Three Months Ended			SIX Months Ended		Year Ended	Three Months Ended			SIX Months Ended		Year Ended
		CURRENT QUARTER	PREVIOUS QUARTER	CORRESPONDING QUARTER	CURRENT YEAR TO DATE	CORRESPONDING YEAR TO DATE	FIGURES FOR PREVIOUS YEAR	CURRENT QUARTER	PREVIOUS QUARTER	CORRESPONDING QUARTER	CURRENT YEAR TO DATE	CORRESPONDING YEAR TO DATE	FIGURES FOR PREVIOUS YEAR
		01.07.2026 to 30.09.2026	01.04.2026 to 30.06.2026	01.07.2025 to 30.09.2025	01.04.2026 to 30.09.2026	01.04.2025 to 30.09.2025	01.04.2025 to 31.03.2026	01.07.2026 to 30.09.2026	01.04.2026 to 30.06.2026	01.07.2025 to 30.09.2025	01.04.2026 to 30.09.2026	01.04.2025 to 30.09.2025	01.04.2025 to 31.03.2026
		Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audited
1	Total Income from operations	191.12	319.02	-	510.14	-	43.80	191.12	319.02	-	510.14	-	43.80
2	Net Profit / Loss for the period before tax and exceptional items	(68.46)	(1,049.40)	(11.40)	(1,117.86)	(26.17)	(1,741.57)	(68.46)	(1,049.40)	(11.39)	(1,117.86)	(26.17)	(1,741.58)
3	Net Profit/ Loss for the period before tax (after exceptional items)	(68.46)	(1,049.40)	(11.40)	(1,117.86)	(26.17)	(1,741.57)	(74.79)	(1,067.97)	(4.28)	(1,142.76)	(16.37)	(1,872.98)
4	Net Profit/ Loss for the period after tax (after exceptional items)	(68.46)	(1,049.40)	(11.40)	(1,117.86)	(26.17)	(1,742.58)	(74.79)	(1,067.97)	(4.28)	(1,142.76)	(16.37)	(1,873.99)
5	Total Comprehensive income/ loss for the period [comprising profit/ loss for the period (after tax) and other comprehensive income/ loss (after tax)]	(68.46)	(1,049.40)	(11.40)	(1,117.86)	(26.17)	(1,742.58)	(74.79)	(1,067.97)	(4.28)	(1,142.76)	(16.37)	(1,873.99)
6	Paid up equity share capital	2,043.17	2,043.17	2,043.17	2,043.17	2,043.17	2,043.17	2,043.17	2,043.17	2,043.17	2,043.17	2,043.17	2,043.17
7	Earning per share (of Rs. 10/- each) Basic & Diluted	(0.34)	(5.14)	(0.06)	(5.47)	(0.13)	(8.53)	(0.37)	(5.23)	(0.02)	(5.59)	(0.08)	(9.17)

Note :

1. The above is an extract of the detailed format of quarterly and half year end financial results filed with the stock exchange under regualtion 33 of the SEBI (Listing obligations and disclosure requirements) Regulations 2015. the full format of the quarterly and half year end financial results is available on the company's website and also available on the website Website- www.starlitpower.com of BSE Limited i.e. www.bseindia.com

2. The above unaudited standalone financial results for the quarter and half year ended on september 30, 2026 were reviewed by the Audit Committee at the meeting and approved by the Board of Directors and taken on record at the meeting held on 03-11-2026.

For and on behalf of board of directors of
STARLIT POWER SYSTEMS LIMITED
MUKESH SAH
(MANAGING DIRECTOR)
DIN : 06932489

Date : 03.11.2026
Place : New Delhi

FBI ने उत्तर कोरिया पर लगाया क्रिप्टो चोरी का आरोप, भड़की किम जोंग उन की बहन, बताया 'राजनीतिक साजिश'

सोल (एजेंसी)



उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन की बहन किम यो-जोंग ने यह टिप्पणी की है। उन्होंने अमेरिकी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के शनिवार के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें कहा गया है कि 'बायनैंस' के जरिए 6 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की क्रिप्टोकरेंसी चोरी के लिए उत्तर कोरियाई शासन जिम्मेदार है

उत्तर कोरिया ने मंगलवार को अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई की उस जांच के नतीजों को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज 'बायनैंस' से हुई भारी क्रिप्टोकरेंसी चोरी के लिए प्योंगयांग को जिम्मेदार ठहराया गया था। उत्तर कोरिया ने इसे अपने खिलाफ राजनीतिक साजिश और भड़काऊ कृत्य करार दिया है।

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन की बहन किम यो-जोंग ने यह टिप्पणी की है। उन्होंने अमेरिकी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के शनिवार के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें कहा गया है कि 'बायनैंस' के जरिए 6 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की क्रिप्टोकरेंसी चोरी के लिए उत्तर कोरियाई शासन जिम्मेदार है। एफबीआई ने इस चोरी का संबंध उत्तर कोरिया के एक हैकिंग समूह से जोड़ा है, जिसे वे 'ट्रेडर ट्रेटर' कहते हैं। इस नाम का संबंध पहले भी क्रिप्टोकरेंसी की अन्य चोरियों से जोड़ा जा चुका है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' में प्रकाशित एक बयान में किम ने कहा, उत्तर कोरिया (डीपीआरके) को एक 'साइबर अपराधी देश' के रूप में एफबीआई पेश करने की कोशिश कर रही है। उनका दावा है कि उन्हें ऐसी जानकारी मिली है कि इस घटना में उत्तर कोरिया 'समर्थित' एक हैकिंग संगठन शामिल था। डीपीआरके, उत्तर कोरिया के आधिकारिक नाम 'डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया' का संक्षिप्त रूप है। बयान में कहा गया, यह उत्तर कोरिया के खिलाफ एक गंभीर राजनीतिक साजिश है।

अमेरिका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबको गुमराह कर रहा है, मानो दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में होने वाले सभी साइबर अपराध हमारे ही किए धरे हों। उत्तर कोरिया पर पहले भी साइबर चोरी के आरोप लगते रहे हैं, लेकिन उसने हमेशा इसमें किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है। किम का किसी हैकिंग घटना पर बयान जारी करना काफी दुर्लभ है। किम ने वाशिंगटन के आरोपों को उत्तर कोरिया की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचाने, उसकी गरिमा और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को कम करने की एक 'दुर्भावनापूर्ण' कोशिश बताया। साथ ही, उन्होंने इसे साइबर स्पेस में उत्तर कोरिया की संप्रभुता का एक और गंभीर उल्लंघन करार दिया। आरोप को वापस वाशिंगटन की ओर मोड़ते हुए उन्होंने कहा, 'पिछले साल जब अमेरिका के मौजूदा प्रशासन ने सत्ता संभाली, तो उसने घोषणा की थी कि वह अवैध रूप से चुराई गई क्रिप्टोकरेंसी को जब्त कर लेगा और उसे देश के रणनीतिक भंडार के रूप में इस्तेमाल करेगा। उन्होंने कहा कि अगर कोई यह देखे कि 'तथाकथित चुराई गई क्रिप्टोकरेंसी' बरामद होने के बाद किसके पास जाएगी, तो उसे इस बात का सुराग मिल सकता है कि इस हैकिंग घटना के पीछे कौन है। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया, वाशिंगटन द्वारा लगातार किए जा रहे उकसावे की हरकतों पर 'करीबी नजर' रख रहा है।

किम ने चेतावनी देते हुए कहा, 'अमेरिका के इस बेहद गैरजिम्मेदाराना और शत्रुतापूर्ण रवैये को देखते हुए, हमें कई पहलुओं पर फिर से विचार करने की जरूरत है।' दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उत्तर कोरिया पर लगे साइबर हैकिंग के आरोपों पर किम का यह पहला बयान है। अधिकारी ने कहा, ऐसा लगता है कि उत्तर कोरिया इस मामले को गंभीरता से ले रहा है, क्योंकि बायनैंस हैकिंग की घटना के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके नतीजे सामने आ रहे हैं।

इसी वजह से उन्होंने किम के जरिए अपनी प्रतिक्रिया दी है। अतीत में ऐसे मामलों पर, उत्तर कोरिया आमतौर पर अपने विदेश मंत्रालय के जरिए बयान जारी करके जवाब देता था। अधिकारी ने आगे कहा कि प्योंगयांग अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि को लेकर चिंतित है, क्योंकि वह खुद को एक 'सामान्य देश' के रूप में पेश करना चाहता है। इस बयान को एक कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, जिसका मकसद उत्तर कोरिया की साइबर गतिविधियों को एक अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनने से रोकना है।

नेपाल : हवा में टकराए दो हेलीकॉप्टर, एक विदेशी नागरिक की मौत

काठमांडू (एजेंसी)



नेपाल के पूर्वी हिस्से में स्थित सोलुखुम्बु जिले में मंगलवार सुबह लैंडिंग के दौरान दो हेलीकॉप्टरों की टक्कर हो गई। इस हादसे में एक विदेशी नागरिक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारी और सोलुखुम्बु जिले में तैनात पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) सूरज पांडे ने बताया कि फिशटेल एयर और डायनेस्टी एयर के हेलीकॉप्टर सुबह करीब 8:15 बजे खुम्बू पासांग ल्हामू ग्रामीण नगरपालिका के वार्ड नंबर-4 स्थित फेरिचे हेलीपैड पर उतरने की कोशिश कर रहे थे।

इसी दौरान दोनों हेलीकॉप्टरों के रोटर ब्लेड आपस में टकरा गए। पांडे के मुताबिक, शुरुआती जानकारी में एक विदेशी नागरिक की मौत और एक अन्य व्यक्ति के घायल होने की पुष्टि हुई है। घायल व्यक्ति की राष्ट्रीयता का अभी पता नहीं चल सका है। मृतक और घायल की पहचान भी फिलहाल नहीं हो पाई है। स्थानीय मीडिया ने पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया कि घायल को प्राथमिक उपचार के लिए प्रभु एयर के हेलीकॉप्टर से लुकला ले जाया गया। पांडे ने कहा कि दोनों हेलीकॉप्टरों में कितने लोग सवार थे, इसकी जानकारी अभी जुटाई जा रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि टक्कर के बाद घटनास्थल पर आग नहीं लगी। नेपाल पुलिस ने एक्स पोस्ट में बताया, सोलुखुम्बु के फेरेचे हेलीपोर्ट पर दो हेलीकॉप्टरों की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक घायल हो गया। नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के सूचना अधिकारी ज्ञानेंद्र भुल ने स्थानीय मीडिया आउटलेट ऑनलाइनखबर को बताया कि फेरिचे हेलीपैड पर उतरते समय दोनों हेलीकॉप्टरों के रोटर ब्लेड आपस में टकराए। उन्होंने कहा कि घटना से जुड़ी विस्तृत जानकारी जुटाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, हिमालयी क्षेत्र की बस्ती फेरिचे में हुए इस हादसे की वजह अभी स्पष्ट नहीं है।

यूके में स्थायी निवास नियम : गृह मंत्रालय के फैसले से भारतीयों को लाभ

लंदन (एजेंसी)



ब्रिटेन में स्थायी निवास से जुड़े नियम पर सरकार ने अहम फैसला लिया है। गृह मंत्रालय के नए फैसले से भारतीयों को लाभ होगा। केयर वर्कर से जुड़े इस नियम को लेकर गृह मंत्री शबाना महमूद अपने सख्त रुख से पीछे हटी हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार विदेशी केयर वर्कर के लिए स्थायी निवास की प्रतीक्षा अवधि को तीन गुना करने के अपने पहले के सख्त रुख से पीछे हट गई। इस कदम से हेल्थ एंड सोशल केयर वीजा मार्ग का उपयोग करने वाले कई भारतीयों को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। एक साल तक चले सार्वजनिक परामर्श के बाद, महमूद ने संसद को बताया कि वह एक 'निष्पक्ष समझौते' पर पहुंची हैं। इसके तहत कोविड महामारी के बाद देश की सेवा करने वाले केयर वर्कर को पांच साल में स्थायी निवास की अनुमति दी जाएगी। सोमवार को गृह कार्यालय ने इस साल के नवीनतम आंकड़े जारी किए।

इसके अनुसार, दिसंबर 2025 को समाप्त हुए वर्ष में हेल्थ एंड सोशल केयर श्रेणी के तहत 1,04,555 वीजा विस्तार पाने वाले श्रमिकों में भारतीय सबसे आगे हैं। इनमें से अधिकांश अब अपनी अनिश्चितकालीन निवास अनुमति (आईएलआर) के लिए मूल रूप से निर्धारित पांच साल की समय-सीमा के भीतर पात्र होंगे। ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने एक बयान में कहा कि लोग एक ऐसी आव्रजन प्रणाली देखना चाहते हैं जो नियंत्रण, योगदान और नियमों का पालन करने वालों को पुरस्कृत करने पर आधारित हो। उन्होंने कहा कि ये प्रस्ताव इसी सिद्धांत पर आधारित हैं और हमारे देश में विदेशी श्रमिकों के योगदान को मान्यता देते हैं। बर्नहैम ने कहा कि ब्रेग्जिट के बाद पिछली सरकार ने आव्रजन पर नियंत्रण खो दिया था, जिससे संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। उन्होंने गृह सचिव के इस समस्या को संभालने के प्रयासों का पूरा समर्थन किया। उन्होंने दोहराया कि यह 'केवल निष्पक्ष' है कि देश में सबसे मूल्यवान योगदान देने वाले प्रवासियों को जल्दी स्थायी निवास का अवसर दिया जाए। अन्य भूमिकाओं में काम करने वालों को अधिक समय तक इंतजार करना होगा।

अमेरिकी मिडटर्म : भारतीय मूल के उम्मीदवारों की बंटी रणनीति, रिपब्लिकन का फोकस अपराध-महंगाई पर

वाशिंगटन (एजेंसी)



अमेरिकी मध्यावधि चुनाव से ठीक पहले भारतीय मूल के अमेरिकी उम्मीदवारों ने मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए आखिरी चुनावी अपील की। रिपब्लिकन उम्मीदवारों ने अपराध, महंगाई और कानून-व्यवस्था को मुद्दा बनाया, जबकि डेमोक्रेट्स ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों पर सवाल खड़े किए।

ओहियो में रिपब्लिकन्स के गवर्नर पद उम्मीदवार विवेक रामास्वामी ने क्लीवलैंड में अपने राज्यव्यापी प्रचार अभियान का समापन किया। उन्होंने 'संपत्ति कर में तत्काल कटौती, सड़कों पर कानून का शासन बहाल करने और ऊर्जा उत्पादन बढ़ाकर बिजली के बिल कम करने' का वादा किया। सोशल मीडिया मंच एक्स पर उन्होंने लिखा, 'यह दाएं और बाएं की लड़ाई नहीं है। यह सही और गलत के बीच का चुनाव है। यह सामान्य समझ और पागलपन के बीच का फैसला है।' टोलेडो में चुनाव प्रचार के बाद उन्होंने कहा, गवर्नर बनने पर ओहियो के लोगों के हित उनकी एकमात्र जिम्मेदारी होंगे। न्यूयॉर्क में रिपब्लिकन उम्मीदवार सरिता कोमाटिरेड्डी ने अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स को चुनौती दी है। उन्होंने चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में बफेलो, रोचेस्टर, सिरैक्यूज और बिंघमटन का दौरा किया और लॉन्ग आइलैंड में अपना अभियान समाप्त किया। कोमाटिरेड्डी ने अपराध, बेघर लोगों की समस्या और धोखाधड़ी के मामलों को लेकर मौजूदा अटॉर्नी जनरल पर निशाना साधा।

उन्होंने एक्स पर लिखा, लेटिटिया जेम्स के कार्यकाल में ये समस्याएं बढ़ी हैं और वह इनमें बदलाव नहीं करना चाहतीं।' उन्होंने खुद को न्यूयॉर्क के लोगों के लिए बदलाव का विकल्प बताया। भारतीय प्रवासियों की बेटी कोमाटिरेड्डी ने अपने चुनाव प्रचार में अमेरिकी सपने और आप्रवासी परिवारों के संघर्ष को भी जगह दी। उनके अभियान की ओर से जारी बयान में कहा, लोग इस देश में इसलिए आते हैं क्योंकि उन्हें उम्मीद होती है कि मेहनत करके वे अपने और अपने परिवार के लिए बेहतर जीवन बना सकते हैं। दूसरी ओर, डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों ने अपने अंतिम चुनावी संदेश में ट्रंप प्रशासन को केंद्र में रखा। वर्जीनिया से कांग्रेस सदस्य सुहास सुब्रमण्यम ने कहा कि अगले दिन ऐसा कांग्रेस चुना जाएगा जो राष्ट्रपति के बजाय आम लोगों के लिए काम करेगी। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'कल हम ऐसी कांग्रेस चुनेंगे जो राष्ट्रपति के लिए नहीं, बल्कि जनता के लिए काम करेगी।' कैलिफोर्निया के कांग्रेस सदस्य रो खन्ना ने चुनाव प्रचार के अंतिम सप्ताहांत में ईरान के साथ जारी युद्ध का मुद्दा उठाया।

त्रिपुरा में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास बीएसएफ जवानों पर हमले के आरोप में आठ आरोपी गिरफ्तार

अगरतला (एजेंसी)

त्रिपुरा के सेपाहीजाला जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास अशाबारी में सीमा सुरक्षा बल के जवानों पर हमला करने के आरोप में अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि सोमवार को बीएसएफ जवानों ने कलामचौरा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आशाबारी में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास कुछ भारतीय और बांग्लादेशी तस्करों को अवैध गतिविधियों में शामिल होते देखा।

जवान तुरंत मौके पर पहुंचे और एक भारतीय तस्कर को पकड़ लिया। हालांकि, जब बीएसएफ जवान वहां पहुंचे, तो सीमा बाड़ के दूसरी तरफ मौजूद बांग्लादेशी तस्कर भाग गए। अधिकारी ने बताया कि पकड़ा गया भारतीय तस्कर भी किसी तरह भाग निकला और उसने ग्रामीणों से कहा कि बीएसएफ जवानों ने उसके साथ मारपीट की है। इसके बाद बड़ी संख्या में पुरुष और महिलाएं मौके पर जमा हो गए। उन्होंने बीएसएफ की गाड़ी को घेर लिया और लाठी-डंडों से जवानों पर हमला कर दिया, जिसमें कंपनी कमांडर समेत तीन जवान घायल हो गए। आरोप है कि हमलावरों ने एक बीएसएफ जवान की राइफल छीनने की भी कोशिश की। भीड़ ने बीएसएफ की एक गाड़ी को भी नुकसान पहुंचाया। इस घटना में हमलावरों में से एक व्यक्ति भी घायल हो गया। सूचना पर बीएसएफ और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को काबू में किया। हालांकि, इलाके में अभी भी तनाव बना हुआ है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस हमले में शामिल होने के आरोप में अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि बाकी आरोपियों को पकड़ने के लिए सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

सांसद रूपकुमारी चौधरी ने जिला स्तरीय राज्योत्सव का दीप प्रज्वलन कर किया शुभारंभ

ओपन सर्च. संवाददाता



रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के 26 वें स्थापना दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय के मिनी स्टेडियम में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद रूपकुमारी चौधरी के कर कमलों से हुआ। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विधायक महासमुंद योगेश्वर राजू सिन्हा, जिला पंचायत अध्यक्ष मोंगरा पटेल, छत्तीसगढ़ बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, शाकंभरी बोर्ड के अध्यक्ष राजेंद्र नायक, छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति के अध्यक्ष रामलाल चौहान, राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ वर्णिका शर्मा, भारत स्काउट गाइड संघ के अध्यक्ष येतराम साहू, जनपद उपाध्यक्ष हुलसी चंद्राकर,सदस्य विजय लक्ष्मी जांगड़े, नगरपालिका सरायपाली अध्यक्ष सरस्वती चंद्र कुमार पटेल, नगरपालिका महासमुंद उपाध्यक्ष देवीचंद राठी, आनंद साहू, महेंद्र सिक्का, प्रशांत श्रीवास्तव, महेंद्र जैन, सुधा साहू, गणमान्य अतिथि, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, जिला पंचायत सीईओ सुश्री अनुपमा आनंद, अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, सचिन भूतड़ा, रवि कुमार साहू सहित जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महासमुंद लोकसभा क्षेत्र की सांसद रूपकुमारी चौधरी ने जिलेवासियों को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सुशासन और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विभिन्न योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सरकार की जनहितकारी पहल से प्रदेश के सभी वर्गों में सकारात्मक वातावरण बना है। उन्होंने कहा कि हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे की भावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ को विकास और समृद्धि के नए आयामों तक ले जाने का प्रयास किया जा रहा है। सांसद चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण में भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी का योगदान अविस्मरणीय है। उनके दूरदर्शी निर्णय से छत्तीसगढ़ को पृथक राज्य के रूप में पहचान मिली। उन्होंने वाजपेयी को नमन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी को पूरा करने की दिशा में प्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है। सरकार किसानों, महिलाओं, युवाओं और जरूरतमंद परिवारों के हित में योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। उन्होंने बताया कि आगामी 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ होगी। साथ ही सड़क, आवास, स्कूल, पंचायत और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

श्रीनगर में ईडी की कार्रवाई, आतंकी फंडिंग केस में चार ठिकानों पर छापेमारी

श्रीनगर (एजेंसी)

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आतंकी फंडिंग मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी के श्रीनगर जोनल ऑफिस ने श्रीनगर में चार ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया है। यह मामला उमर आदिल डार और उसके साथियों से जुड़े आतंकी फंडिंग केस से संबंधित है। जांच में आरोप है कि उमर आदिल डार प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के ओवरग्राउंड वर्कर के रूप में काम कर रहा था और संगठन से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल था।

आरोप है कि उमर आदिल डार को पहले अपने साथियों के साथ भारी मात्रा में नकदी और प्रतिबंधित संगठन से संबंधित आपत्तिजनक साहित्य ले जाते हुए पकड़ा गया था। जांच में यह भी सामने आया है कि उमर आदिल डार पहले जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी और भारत विरोधी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के कारण लगभग चार साल तक जेल में रह चुका है। ईडी की यह मौजूदा तलाशी अपराध से अर्जित आय का पता लगाने, वित्तीय नेटवर्क और फंडिंग चैनलों की पहचान करने, सीमा पार बैठे हैंडलर्स के साथ उसके संबंधों और कथित आतंकी वित्तपोषण गतिविधियों से संबंधित और सबूत जुटाने के लिए की जा रही है। बता दें कि इससे पहले 2 नवंबर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सॉफ्टवेयर आयात के नाम पर विदेशों में अवैध रूप से धन भेजने के मामले में दिल्ली और कोलकाता के सात ठिकानों पर छापेमारी की थी। कार्रवाई के दौरान 47 लाख रुपये नकद और विदेशी मुद्रा जब्त की गई थी। ईडी के विशाखापत्तनम सब-जोनल कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत यह कार्रवाई की थी। एजेंसी के अनुसार, इस मामले में अपराध से अर्जित धन (प्रोसीड्स ऑफ क्राइम) की प्रारंभिक अनुमानित राशि करीब 1,500 करोड़ रुपये थी।

वाशिम में खेत में गांजे की खेती का पर्दाफाश, 15 किलो से अधिक गांजा जब्त, आरोपी हिरासत में



वाशिम (एजेंसी)

महाराष्ट्र के वाशिम जिले में खेत में अवैध रूप से गांजे की खेती किए जाने का मामला सामने आया है। मानोरा तहसील के रतनवाड़ी गांव में पुलिस ने एक खेत पर छापेमारी कर 15 किलो 225 ग्राम गांजा जब्त किया है। इस मामले में 70 वर्षीय आरोपी किसान नारायण किसन व्यवहारे को हिरासत में लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रतनवाड़ी गांव में एक खेत में गांजे की खेती किए जाने की गुप्त सूचना पुलिस को प्राप्त हुई थी। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की योजना बनाई। इसके बाद उपविभागीय पुलिस अधिकारी मनीष ठाकरे, थाना प्रभारी नैना पोहेकर और तहसीलदार राजेंद्र पाटील के नेतृत्व में पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम गठित की गई।

संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर संबंधित खेत पर छापा मारा। इस दौरान खेत में गांजे की खेती किए जाने का मामला उजागर हुआ। पुलिस ने मौके से कुल 15 किलो 225 ग्राम गांजा बरामद कर जब्त कर लिया। जब्त किए गए गांजे की अनुमानित बाजार कीमत 2 लाख 26 हजार 500 रुपये बताई जा रही है। इस मामले में पुलिस ने खेत से जुड़े 70 वर्षीय किसान नारायण किसन व्यवहारे को हिरासत में लिया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि खेत में गांजे की खेती कब से की जा रही थी और इसके पीछे किसी अन्य व्यक्ति या गिरोह की भूमिका तो नहीं है। घटना के बाद मानोरा पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि गांजे की खेती का उद्देश्य क्या था और जब्त किए गए मादक पदार्थ को कहीं बेचने की योजना तो नहीं थी। फिलहाल पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य तथ्यों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हमें मुखबीर से सूचना मिली थी, जिसके बाद टीम का गठन कर कार्रवाई की गई, अब पता लगाया जा रहा है कि इस खेती में कितने लोग शामिल है। 70 वर्षीय किसान नारायण किसन व्यवहारे के बयान के आधार पर मामला दर्ज किया गया है।

भस्म आरती में बाबा महाकाल का भांग से विशेष शृंगार, चांदी का मुकुट और बेलपत्र अर्पित, फिर दिए दर्शन

उज्जैन (एजेंसी)



विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में कार्तिक कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि मंगलवार की सुबह 4 बजे हुई भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल का पंचामृत पूजन-अभिषेक कर आकर्षक शृंगार किया गया। शृंगार के बाद बाबा महाकाल को भस्म रमाई गई। इस दौरान भक्तों ने इन दिव्य दर्शनों का लाभ लिया और जय श्री महाकाल के उद्घोष से मंदिर परिसर गूंज उठा। श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि कार्तिक कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि मंगलवार पर श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल का विशेष शृंगार किया गया।

इस दौरान भस्म आरती के लिए सुबह 4 बजे मंदिर के पट खुलते ही पण्डे पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर फलों के रस से बने पंचामृत को अर्पित कर किया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और मुंड माला धारण करवाई गई। मंगलवार के शृंगार की विशेष बात यह रही कि बाबा महाकाल का भांग से शृंगार कर चन्द्रमा और बेलपत्र अर्पित किए गए। बाबा महाकाल की भस्म आरती में बड़ी संख्या मे श्रद्धालु पहुंचे, जिन्होंने बाबा महाकाल के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और बाबा महाकाल की भक्ति में लीन होकर जय श्री महाकाल का उद्घोष करने लगे। मान्यता है कि भस्म अर्पित करने के बाद भगवान निराकार से साकार स्वरूप में दर्शन देते हैं।

बंगाल की खाड़ी में शक्तिशाली हुआ चक्रवात 'मुरासु', चेन्नई समेत कई जिलों में अलर्ट

चेन्नई (एजेंसी)



बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात 'मुरासु' अब एक भीषण चक्रवाती तूफान में बदल गया है। इसके मंगलवार आधी रात से सुबह 4 बजे के बीच आंध्र प्रदेश के दक्षिणी तट से टकराने (लैंडफॉल) की संभावना है। आने वाले तूफान के बारे में चेन्नई क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक दुरई ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि हालांकि तूफान मुख्य रूप से दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तट से टकराएगा लेकिन उत्तरी तटीय तमिलनाडु में भी मौसम की स्थिति काफी खराब रहेगी। जैसे-जैसे यह चक्रवात तट के करीब पहुंचेगा, चेन्नई और तिरुवल्लुर सहित तटीय जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की उम्मीद है। दुरई ने चेतावनी दी, 'तूफान के केंद्र के पास हवा की गति 100 से 120 किमी/घंटा तक पहुंचने की संभावना है। वहीं, चेन्नई और तिरुवल्लुर जैसे जिलों में 80 किमी/घंटा तक की तेज हवाएं चल सकती हैं। उन्होंने बताया कि चेन्नई में बारिश का दौर मंगलवार सुबह तक जारी रहेगा।

इसके अलावा, वेल्लोर और नीलगिरी जैसे जिलों में भी अगले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश होने का अनुमान है। हालांकि इसे 'भीषण' श्रेणी में रखा गया है लेकिन अधिकारियों ने लोगों को आश्वस्त किया है कि चक्रवात 'मुरासु' से उतना नुकसान होने की आशंका नहीं है, जितना पहले आए चक्रवात 'अर्नब' के समय हुआ था। फिर भी, संवेदनशील इलाकों में तुरंत एहतियाती कदम उठाए गए हैं। उत्तरी तमिलनाडु के तट पर काम करने वाले मछुआरों को समुद्र में न जाने की सख्त सलाह दी गई है। सोमवार शाम से उत्तरी तटीय इलाकों में 80 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है, जिससे समुद्र में हालात खतरनाक हो सकते हैं। मौसम विभाग के अनुसार, 7 नवंबर के बाद तमिलनाडु में बारिश की तीव्रता कम हो जाएगी और मध्यम बारिश होगी। हालांकि नवंबर के दूसरे सप्ताह तक रुक-रुक कर बारिश जारी रह सकती है। निदेशक दुरई ने बताया कि मौजूदा पूर्वोत्तर मानसून (नॉर्थईस्ट मॉनसून) के दौरान तमिलनाडु में अच्छी बारिश हुई है। राज्य में सामान्य से 18 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है। इस भारी बारिश से जल भंडार में अच्छी वृद्धि हुई है, जो इस भीषण चक्रवात के पूरे क्षेत्र में असर दिखाने से पहले एक राहत की बात है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्थानीय प्रशासन हाई अलर्ट पर है।

हार्दिक पांड्या की नई टीम कौन सी होगी ? : केकेआर-सीएसके के बाद अब पंजाब से जुड़ा नाम, अर्शदीप क्यों चर्चा में ?

मुंबई (एजेंसी)



आईपीएल 2027 से पहले हार्दिक पांड्या के भविष्य को लेकर अटकलों का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। जून 2026 से अब तक यानी पिछले करीब पांच महीनों में उनका नाम तीन फ्रेंचाइजी से जुड़ चुका है। सबसे पहले कोलकाता नाइटराइडर्स ने मुंबई इंडियंस से उनके संभावित ट्रेड को लेकर दिलचस्पी दिखाई।

इसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स का नाम भी चर्चा में आया। नवंबर में एक बार फिर ट्रेड की खबरों ने जोर पकड़ा और अब पंजाब किंग्स इस दौड़ में नई टीम के तौर पर सामने आई है। इतना ही नहीं, अर्शदीप सिंह भी चर्चा में हैं। ऐसे में समझते हैं कि हार्दिक और पंजाब के बीच किस डील को लेकर चर्चा है और जून से लेकर अब किस-किस टीम में उनके जाने को लेकर बज बना।

पंजाब से ट्रेड को लेकर चर्चाएं तेज

एक चर्चा जो पिछले पांच महीने में स्थिर रही है, वह है हार्दिक का मुंबई का साथ छोड़ना लगभग तय माना जा रहा है। अब एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें बताया गया है कि पंजाब किंग्स हार्दिक को अपनी टीम में शामिल करने के लिए मुंबई इंडियंस के साथ ट्रेड डील के बेहद करीब पहुंच गई है। इस संभावित सौदे में भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और विकेटकीपर-बल्लेबाज विष्णु विनोद मुंबई की टीम में जा सकते हैं। दोनों फ्रेंचाइजी के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच प्रस्तावित अदला-बदली पर लगभग सहमति बन चुकी है।

अब आईपीएल अधिकारियों के पास इससे जुड़े दस्तावेज भेजे जाने की प्रक्रिया बाकी है। ऐसे में 17 नवंबर की रिटेंशन डेडलाइन से पहले इस बड़े ट्रेड का आधिकारिक एलान हो सकता है। हालांकि, अभी तक दोनों फ्रेंचाइजी या आईपीएल की ओर से इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

केकेआर से भी हुई थी बातचीत, चेन्नई का नाम भी आया

हार्दिक के मुंबई छोड़ने की अटकलें आईपीएल 2026 में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद तेज हुई थीं। मुंबई इंडियंस पिछले सीजन में नौवें स्थान पर रही थी। इसके बाद फ्रेंचाइजी में बदलाव और टीम को नए सिरे से तैयार करने की चर्चाएं शुरू हुई। शुरुआत में कोलकाता नाइटराइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स का नाम हार्दिक के संभावित नए ठिकानों के रूप में सामने आया था। चेन्नई को लेकर चर्चाएं मुख्य रूप से सोशल मीडिया पर चल रही अटकलों के कारण तेज हुईं। हालांकि, इस संभावित सौदे पर कोई ठोस सहमति सामने नहीं आई। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि सीएसके शिवम दुबे और डेवाल्ड ब्रेविस के बदले हार्दिक को लेने पर विचार कर रहा है। हालांकि, बाद में सीएसके के सीईओ काशी विश्वनाथन ने कहा कि ऐसी कोई बातचीत ही नहीं हुई है। काशी ने कहा कि नए कोच के एलान के बाद ही कुछ आगे फैसला लिया जाएगा। हालांकि, जहीर खान के कोच बनने के बाद इस ट्रेड पर पूरी तरह विराम लग गया।

वहीं, कोलकाता नाइटराइडर्स के साथ मुंबई की बातचीत आगे बढ़ी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुंबई ने हार्दिक के बदले कई खिलाड़ियों को शामिल करने वाले सौदे पर विचार किया था। इसमें हर्षित राणा और अंगकृष रघुवंशी जैसे युवा खिलाड़ियों के नाम भी चर्चा में आए। हालांकि, कोलकाता अपने कुछ अहम खिलाड़ियों को छोड़ने के लिए तैयार नहीं था और बातचीत आगे नहीं बढ़ सकी। रिपोर्ट्स में हार्दिक को केकेआर में कप्तानी सौंपे जाने तक की बात सामने आई थी।

रोहित की कप्तानी में खेलने को तैयार थे हार्दिक?

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2027 से पहले अपने कोचिंग और नेतृत्व समूह में भी बड़े बदलाव किए हैं। रोहित शर्मा की कप्तान के रूप में वापसी की खबरों के बीच महेला जयवर्धने की जगह कीरोन पोलार्ड को मुख्य कोच की जिम्मेदारी दी गई है। हार्दिक के भविष्य को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच एक विकल्प यह भी था कि अगर किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के साथ ट्रेड पर सहमति नहीं बनती है तो वह मुंबई में बने रहेंगे और रोहित की कप्तानी में खेलेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हार्दिक इसके लिए तैयार थे। हालांकि, अब पंजाब के साथ बातचीत की रिपोर्ट्स से कहा जा सकता है कि उनका मुंबई से अलग होना ज्यादा संभावित नजर आ रहा है।

गुजरात से मुंबई आए थे हार्दिक, अब बदल सकता है ठिकाना

हार्दिक पांड्या आईपीएल 2024 से पहले गुजरात टाइटंस से ऑल-कैश ट्रेड के जरिए मुंबई इंडियंस में लौटे थे। उन्होंने गुजरात के साथ दो शानदार सीजन बिताए थे और 2022 में टीम को खिताब भी दिलाया था। इसके बाद वह मुंबई के कप्तान बने, लेकिन उनकी कप्तानी में टीम को उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली। पिछले तीन सीजन में मुंबई दो बार अंक तालिका में निचले पायदानों पर रही। अर्शदीप सिंह की बात करें तो पंजाब ने उन्हें 2025 की मेगा नीलामी से पहले रिलीज किया था, लेकिन राइट टू मैच कार्ड का इस्तेमाल कर उन्हें 18 करोड़ रुपये में टीम में वापस शामिल किया।

अब संभावित ट्रेड में उनका नाम शामिल होना पंजाब के लिए बड़ा फैसला होगा। फिलहाल सभी की नजर 17 नवंबर की रिटेंशन डेडलाइन पर है। अगर यह ट्रेड पूरा होता है तो आईपीएल 2027 से पहले हार्दिक पांड्या की टीम बदलने के साथ पंजाब और मुंबई दोनों की रणनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

पंजाब को मिलेगा बड़ा ऑलराउंडर, मुंबई को अर्शदीप की सेवाएं



रिपोर्ट के मुताबिक, पंजाब किंग्स को एक मैच जिताने वाले ऑलराउंडर की तलाश थी। इसी सिलसिले में मुंबई इंडियंस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पंजाब से संपर्क किया था। इसके बाद बातचीत आगे बढ़ी और संभावित सौदे में अर्शदीप सिंह तथा विष्णु विनोद के नाम शामिल किए गए। हार्दिक के पंजाब में आने से टीम को मध्यक्रम में आक्रामक बल्लेबाजी के साथ तेज गेंदबाजी का विकल्प भी मिलेगा। दूसरी ओर, मुंबई को अर्शदीप के रूप में भारतीय टीम का अनुभवी बाएं हाथ का तेज गेंदबाज मिल सकता है। विष्णु विनोद विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी का विकल्प होंगे। विष्णु पहले भी मुंबई की टीम से खेल चुके हैं। अर्शदीप के पंजाब से जाने की स्थिति में टीम एक और ट्रेड पर विचार कर सकती है।

न्यूजीलैंड को झटका, डेवोन कॉनवे भारत के खिलाफ पहला वनडे नहीं खेलेंगे



ऑकलैंड (एजेंसी)

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 5 वनडे मैचों की सीरीज बुधवार से शुरू हो रही है। टी20 सीरीज हार चुकी न्यूजीलैंड को पहले वनडे में बड़ा झटका है। अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे इंजरी की वजह से पहले वनडे से बाहर हो गए हैं। कॉनवे मंगलवार को ईडन पार्क में न्यूजीलैंड के प्री-मैच ट्रेनिंग सेशन के दौरान साथी तेज गेंदबाज मैट हेनरी से टकरा गए।

हेनरी और कॉनवे की टक्कर कैच लेने की कोशिश में हुई। दोनों खिलाड़ियों का तुरंत मौके पर मौजूद मेडिकल स्टाफ ने इलाज किया। कॉनवे को कनकशन हुआ है। उनके सिर की चोट की जांच की गई। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, कॉनवे को आगे की जांच के लिए ए एंड ई ले जाया गया, जिसमें कनकशन की पुष्टि हुई, जिससे वह बुधवार को भारत के खिलाफ होने वाले पहले वनडे से बाहर हो गए हैं। दोनों खिलाड़ियों पर नजर रखी जाएगी और भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में उनके शामिल होने पर भी नजर रखी जाएगी। न्यूजीलैंड के चोटिल खिलाड़ियों की सूची में कॉनवे का नाम सबसे नया है। ऑलराउंडर मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र पहले ही हैमस्ट्रिंग और कंधे की चोट के कारण वनडे सीरीज से बाहर हो चुके हैं। विकेटकीपर और ओपनर टिम सीफर्ट को पहले दो वनडे मैचों के लिए चुना गया था, लेकिन सोमवार को उन्हें भारत के खिलाफ पूरी वनडे सीरीज के लिए कीवी टीम में शामिल किया गया। कप्तान मिशेल सेंटनर ने इशारा किया कि कॉनवे की अनुपस्थिति में सीफर्ट खेल सकते हैं।

सूर्यकुमार-श्रेयस : बतौर कप्तान किसका पलड़ा भारी, 25-25 टी20 मैचों में बल्ले से किसने मारी बाजी?

नई दिल्ली (एजेंसी)



भारतीय क्रिकेट में कप्तानी सिर्फ टीम को जीत दिलाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि इस जिम्मेदारी के साथ खिलाड़ी के अपने प्रदर्शन पर भी सबकी नजर रहती है।

टी20 फॉर्मेट में जहां हर गेंद के साथ मैच का रुख बदलता है, वहां कप्तान के लिए खुद को साबित करना भी बड़ी चुनौती होती है। श्रेयस अय्यर और सूर्यकुमार यादव के कप्तानी के आंकड़े इसी लिहाज से दिलचस्प हैं। दोनों के 25-25 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के प्रदर्शन पर नजर डालें तो कई रोचक बातें सामने आती हैं।

किसका पलड़ा भारी?

भारतीय टी20 टीम की कप्तानी में सूर्यकुमार यादव और श्रेयस अय्यर के प्रदर्शन की तुलना दिलचस्प है। दोनों के कप्तानी करियर के अलग-अलग पड़ावों को देखें तो बल्लेबाजी और टीम को जीत दिलाने के मामले में अलग-अलग तस्वीर सामने आती है। यहां श्रेयस अय्यर के कप्तानी के शुरुआती 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की तुलना सूर्यकुमार यादव के कप्तानी के आखिरी 25 मुकाबलों से की जा रही है। आंकड़ों के मुताबिक, श्रेयस अय्यर ने अपने शुरुआती 25 मैचों में सूर्यकुमार यादव के आखिरी 25 मैचों से ज्यादा रन बनाए। हालांकि, स्ट्राइक रेट के मामले में सूर्या आगे रहे। वहीं, कप्तानी में जीत-हार का रिकॉर्ड भी इस तुलना को और दिलचस्प बनाता है। बता दें कि, श्रेयस ने अब तक 26 टी20 मुकाबले खेले हैं।

किसने बनाए ज्यादा रन?

सबसे पहले दोनों के बल्लेबाजी प्रदर्शन की बात करें तो श्रेयस अय्यर ने कप्तानी के शुरुआती 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 25 पारियां खेलते हुए 666 रन बनाए। उनका औसत 31.71 और स्ट्राइक रेट 148.99 रहा। इस दौरान श्रेयस के बल्ले से एक शतक और दो अर्धशतक निकले। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 102 रन रहा। वहीं, सूर्यकुमार यादव ने कप्तानी के आखिरी 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 24 पारियां खेलीं और 615 रन बनाए। उनका औसत 30.75 और स्ट्राइक रेट 153.75 रहा। इस दौरान सूर्या ने चार अर्धशतक लगाए। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 84 रन रहा। इस तरह रनों के मामले में श्रेयस अय्यर ने सूर्यकुमार यादव से 51 रन ज्यादा बनाए। हालांकि, स्ट्राइक रेट में सूर्या ने बाजी मारी।

उन्होंने श्रेयस के मुकाबले तेज गति से रन बनाए। बाउंड्री के आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनों के बीच काटे की टक्कर रही। श्रेयस ने अपने शुरुआती 25 मैचों में 56 चौके और 21 छक्के लगाए। दूसरी तरफ सूर्यकुमार ने अपने आखिरी 25 मैचों में 55 चौके और 31 छक्के जड़े। यानी चौके लगाने में श्रेयस सिर्फ एक चौके से आगे रहे, जबकि छक्के लगाने में सूर्या ने 10 ज्यादा छक्के लगाए।

'दाएं हाथ के 4 बल्लेबाज टॉप-4 में सेट, अक्षर और केएल का इस्तेमाल मैच की स्थिति के मुताबिक : गिल

ऑकलैंड (एजेंसी) भारत और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार को 5 वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष-4 में खेलने वाले बल्लेबाज तय हैं और सभी दाहिने हाथ के बल्लेबाज हैं। शुभमन गिल ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हमारे टॉप-4 में खेलने वाले बल्लेबाज तय हैं और सभी दाहिने हाथ के बल्लेबाज हैं। इसमें रोहित शर्मा, विराट कोहली और श्रेयस अय्यर और वे खुद शामिल हैं। नंबर 5 और नंबर 6 के बल्लेबाज में बदलाव हो सकता है। केएल राहुल या अक्षर पटेल मैच की स्थिति के मुताबिक 5 या 6 नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे।' उन्होंने कहा, नंबर 5 और नंबर 6 के लिए हमारी रणनीति लचीली है। हमारे टॉप चार सेट हैं, सभी राइट-हैंडर हैं। इसलिए अगर लेफ्टी की जरूरत है, तो अक्षर और मैच की स्थिति के आधार पर केएल राहुल आ सकते हैं। शुभमन गिल ने स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पर अपनी राय रखते हुए कहा कि भारतीय टीम में लौटने से पहले उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। भारतीय कप्तान ने कहा, हार्दिक पंड्या जब वापस आएंगे, तो नंबर 7-8 का भी ध्यान रखा जाएगा। वह एक बेहतरीन ऑलराउंडर हैं। दुनिया में बहुत कम खिलाड़ियों के पास उनके जैसी स्किल है। एक गेंदबाज के तौर पर, आप उन्हें खेल के अलग-अलग हिस्सों में इस्तेमाल कर सकते हैं। वह नई और पुरानी गेंद से गेंदबाजी कर सकते हैं। उन्होंने कहा, हमारी कई बार बात हुई है। वह अपनी चोटों को लेकर बदकिस्मत हैं। वह आईपीएल के बाद से नहीं खेले हैं।



मैक्सवेल ने 14 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर को दिया विराम, कभी नहीं भूलेगी 2023 वर्ल्ड कप की वो पारी

नई दिल्ली (एजेंसी)



ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। मैक्सवेल ने सोमवार देर रात अपने संन्यास का ऐलान किया। इस फैसले के साथ ही उनके 14 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत हो गया। हालांकि, वह लीग क्रिकेट में सक्रिय रहेंगे। 38 साल के मैक्सवेल ने 25 अगस्त 2012 को अफगानिस्तान के खिलाफ शारजाह में वनडे मुकाबले से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी।

इसी साल सितंबर में पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने अपने टी20 करियर का आगाज किया। मार्च 2013 में भारत के खिलाफ इस ऑलराउंडर ने अपने टेस्ट करियर का आगाज किया था। दाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज और दाएं हाथ से ही ऑफ स्पिन गेंदबाजी करने वाले मैक्सवेल ने ऑस्ट्रेलिया के लिए महज 7 टेस्ट खेले, जिसमें 1 शतक की मदद से 339 रन बनाने के अलावा 8 विकेट लिए। उनका वनडे और टी20 करियर लंबा और बेहद सफल रहा। 4 मार्च 2025 को भारत के खिलाफ अपना आखिरी वनडे खेलने वाले इस खिलाड़ी ने 149 वनडे मैचों में 4 शतक और 23 अर्धशतक लगाते हुए 3,990 रन बनाए। उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 201 रन है। इसके अलावा, 77 विकेट भी उन्होंने लिए हैं। 20 फरवरी 2026 को अपना आखिरी टी20 खेलने वाले मैक्सवेल इस फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया के सर्वाधिक सफल खिलाड़ियों में एक हैं। इस दिग्गज ऑलराउंडर ने 130 टी20 मैचों में 5 शतक और 12 अर्धशतक की मदद से 2,897 रन बनाए हैं और 51 विकेट हासिल किए हैं। मैक्सवेल ने ऑस्ट्रेलिया के लिए एक मैच विनर रहे। अपने करियर के दौरान अकेले दम उन्होंने गेंद और बल्ले से कई बार विपक्षी टीम से जीत छिनकर ऑस्ट्रेलिया की झोली में डाला। ऐसी ही एक पारी उन्होंने वनडे विश्व कप 2023 में अफगानिस्तान के खिलाफ खेली थी जिसे दुनियाभर के क्रिकेट फैंस हमेशा याद रखेंगे। मैक्सवेल की इस पारी को क्रिकेट इतिहास की श्रेष्ठतम पारियों में एक माना जाता है। वनडे विश्व कप 2023 में अफगानिस्तान के दिए 292 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 18.3 ओवर में 91 के स्कोर पर अपने 7 विकेट गंवा दिए थे।

यहां ऑस्ट्रेलिया की हार स्पष्ट दिख रही थी, लेकिन क्रीज पर मैक्सवेल मौजूद थे, जो उस दिन इतिहास रचने आए थे। मैक्सवेल ने कप्तान पैट कमिंस के साथ मिलकर 202 रन की नाबाद साझेदारी की और ऑस्ट्रेलिया को 3 विकेट से जीत दिला दी। इस साझेदारी में कमिंस का योगदान महज 12 रन का था।

हार्दिक पंड्या को टीम में वापसी से पहले घरेलू क्रिकेट खेलना होगा : शुभमन गिल

ऑकलैंड (एजेंसी)



भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या इंजरी की वजह से लंबे समय से क्रिकेट के मैदान से दूर हैं। भारतीय टीम जल्द हार्दिक की वापसी चाहती है, लेकिन वापसी से पहले घरेलू क्रिकेट में उन्हें अपनी फिटनेस साबित करनी होगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 5 वनडे मैचों की सीरीज बुधवार से शुरू हो रही है। हार्दिक इंजरी की वजह से इस सीरीज का हिस्सा नहीं हैं।

टीम इंडिया निश्चित रूप से सीरीज में उनकी कमी महसूस करेगी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने मंगलवार को प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, अगले विश्व कप के लिए टीम हार्दिक की वापसी का इंतजार कर रही है। वह एक बेहतरीन ऑल-राउंडर हैं। दुनिया में बहुत कम ऐसे खिलाड़ी हैं जिनके पास हार्दिक जैसी क्षमता है। एक गेंदबाज के तौर पर, आप उन्हें गेम के अलग-अलग हिस्सों में इस्तेमाल कर सकते हैं। वह नई और पुरानी गेंद से गेंदबाजी कर सकते हैं। गिल ने कहा, हमारी कई बार बात हुई है। वह अपनी चोटों को लेकर बदकिस्मत हैं। आईपीएल के बाद से नहीं खेले हैं। उम्मीद है, वह जल्द ही वापस आएंगे। वह कुछ डोमेस्टिक क्रिकेट खेलेंगे। उम्मीद है कि हम उन्हें जल्द ही इंडियन टीम में वापस लाएंगे। भारतीय कप्तान गिल के बयान से स्पष्ट है कि टीम इंडिया में वापसी से पहले हार्दिक को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी या विजय हजारे ट्रॉफी में खेलना होगा और अपनी फिटनेस साबित करनी होगी। बता दें कि हार्दिक पंड्या इंजरी आखिरी बार 24 मई 2026 को आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए दिखे थे।

'इंग्लैंड से हार के बाद एक्शन लेना जरूरी था', अमोल मजूमदार ने वनडे विश्व कप 2025 को याद किया

नई दिल्ली (एजेंसी) इंडिया के हेड कोच अमोल मजूमदार ने बताया कि आईसीसी विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के दौरान इंग्लैंड से मिली हार के बाद उन्होंने ड्रेसिंग रूम में टीम की कमियों को दूर करने का फैसला किया। उनका मानना था कि टीम की किस्मत बदलने के लिए सीधा दखल देना जरूरी था। मजूमदार ने कहा कि उन्होंने अपने सपोर्ट स्टाफ के सदस्यों की आपत्तियों के बावजूद खिलाड़ियों से बात करने का फैसला किया, क्योंकि ग्रुप स्टेज में इंडिया की तीसरी हार ने यह साफ कर दिया था कि टीम को जवाब देने की जरूरत है। इंग्लैंड के खिलाफ हार इंडियन कैंप के लिए खास तौर पर निराशाजनक थी, क्योंकि टीम इस उम्मीद में उतरी थी कि वह एक बड़ी जीत हासिल करेगी। हालांकि, मैच खत्म करने में उनकी नाकामी ने मजूमदार को खिलाड़ियों के साथ बातचीत में एक अलग तरीका अपनाने के लिए मजबूर किया। अपने फैसले की वजह बने हालात को याद करते हुए, इंडिया के हेड कोच ने कहा कि उन्हें लगा कि टीम के साथ एक और रूटीन चर्चा जरूरी बदलाव लाने के लिए काफी नहीं होगी। मजूमदार ने जियोस्टार को बताया, इंग्लैंड के खिलाफ ग्रुप स्टेज का मैच, जिसे हमें अच्छे मार्जिन से जीतना था, हम खत्म नहीं कर पाए और हार गए। यह वर्ल्ड कप में हमारी तीसरी हार थी। मैं इससे खुश नहीं था, न ही खिलाड़ी।



सेंथिलकुमार ने ग्रेग लोबन को हराकर चेक ओपन का खिताब जीता

ब्रनो (एजेंसी)



भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी वेलावन सेंथिलकुमार ने स्कॉटलैंड के टॉप सीड ग्रेग लोबन को हराकर यूएसडी 35,000 के चेक ओपन का खिताब जीत लिया है। यह एक पीएसए कॉपर-लेवल टूर्नामेंट है। चौथे सीड वाले भारतीय, जो अभी दुनिया में 42वें नंबर पर हैं, ने दुनिया के 31वें नंबर के लोबन को 13-11, 11-5, 8-11, 11-7 से हराकर अपना 12वां पीएसए टूर टाइटल और कॉपर लेवल पर दूसरा टाइटल जीता। सेंथिलकुमार ने अगस्त में बुडापेस्ट ओपन में इस कैटेगरी में अपना पहला टाइटल जीता था। सेंथिलकुमार को ट्रॉफी तक पहुंचने के लिए एक मुश्किल ड्रॉ से निपटना पड़ा, जिसकी शुरुआत ब्राजील के डिएगो गोब्बी पर दूसरे राउंड में जीत से हुई और फिर क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना के आठवें सीड जेरेमियास अजाना को 11-3, 11-8, 11-7 से हराया। उन्होंने इस मोमेंटम को आखिरी चार में भी जारी रखा और फ्रांस के ऑगस्टे डूसॉर्ड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय खिलाड़ी ने सेमीफाइनल 11-7, 12-10, 11-1 से जीतकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की कर ली। इस बीच, लोब्बन ने फ्रांस के तौफिक मेखाल्फी पर सीधे गेम में जीत के साथ अपनी आखिरी जगह पक्की कर ली, जिससे टूर्नामेंट के टॉप सीड और चौथे सीड के बीच मुकाबला तय हो गया। फाइनल सेंथिलकुमार के लिए एक कड़ी परीक्षा साबित हुआ, खासकर शुरुआती गेम में, जो आखिर तक चला। भारतीय खिलाड़ी ने हिम्मत बनाए रखते हुए इसे 13-11 से अपने नाम किया और फिर दूसरे गेम में ज्यादा नियंत्रण हासिल करते हुए इसे 11-5 से जीत लिया। लोबन ने वापसी करते हुए तीसरा गेम 11-8 से अपने नाम किया, लेकिन सेंथिलकुमार ने संभलकर मुकाबला 11-7 से जीतकर ट्रॉफी अपने नाम किया। चेक ओपन की खिताबी जीत से पहले सेंथिलकुमार ने जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन किया था और दो ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। चेक ओपन की कामयाबी पीएसए टूर पर सेंथिलकुमार की निरंतरता को दिखाती है। वह लॉस एंजिल्स 2028 गेम्स में इस खेल के ओलंपिक डेब्यू की ओर बढ़ रहे हैं।

जायसवाल-यश राठौड़ का शतक, इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच दूसरा अनाधिकारिक टेस्ट ड्रॉ

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)



भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल फॉर्म में लौट आए हैं। न्यूजीलैंड ए के खिलाफ दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट की दूसरी पारी में दमदार शतक लगाते हुए जायसवाल ने न सिर्फ फॉर्म में वापसी की, बल्कि मैच को ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई। पिछली तीन पारियों में बेहद निराशाजनक प्रदर्शन करने वाले जायसवाल इस पारी में आक्रामक नजर आए। बाएं हाथ के इस सलामी बल्लेबाज ने मात्र 162 गेंदों पर 5 छक्कों और 15 चौकों की मदद से नाबाद 155 रन की पारी खेली। उन्हें चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए यश राठौड़ का अच्छा साथ मिला। राठौड़ ने भी शतक लगाते हुए 122 गेंदों पर 9 चौकों की मदद से 100 रन बनाए। जायसवाल और राठौड़ के बीच नाबाद 247 रन की साझेदारी हुई। भारत ए ने अपनी दूसरी पारी में 2 विकेट पर 282 रन बनाए थे। टेस्ट के आखिरी दिन (मंगलवार) चाय के समय मैच को ड्रॉ घोषित किया गया। इंडिया ए ने अपनी पहली पारी में कप्तान ध्रुव जुरेल के 105, देवदत्त पडिक्कल के 80 और आकाशदीप के 68 रन की बदौलत 346 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 424 रन बनाकर इंडिया ए पर 78 रन की अहम बढ़त ली थी। दूसरी पारी में इंडिया ए ने जायसवाल और राठौड़ की शतकीय पारियों की बदौलत 52.4 ओवर में 2 विकेट पर 282 रन बनाए और मैच ड्रॉ घोषित किया गया।

ऋचा चड्ढा ने 'मुसाफिरी' के टाइटल ट्रैक के लिए स्नेहा खानवलकर से मिलाया हाथ, खुद लिखे गाने के बोल



अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने अपनी नॉन-फिक्शन सीरीज 'मुसाफिरी' के टाइटल ट्रैक के लिए म्यूजिक कंपोजर और सिंगर स्नेहा खानवलकर के साथ हाथ मिलाया है। इस गाने को स्नेहा ने कंपोज करने के साथ अपनी आवाज भी दी है। खास बात यह है कि गाने के बोल खुद ऋचा ने लिखे हैं। ऋचा ने स्नेहा को अपना लकी चार्म बताते हुए कहा कि दोनों का साथ कई खास मौकों से जुड़ा रहा है। ऋचा ने एक बयान में कहा, 'मुझे गर्व है कि मैं स्नेहा को अपनी दोस्त कह सकती हूं। अगर भारत में एक हजार कहानियां हैं, तो स्नेहा शायद उन सभी के लिए साउंडट्रैक ढूंढ सकती हैं। मुझे इस गाने की गुनगुनाहट, जिज्ञासा और शरारत-भरा अंदाज बहुत पसंद आया। इसमें कहीं-कहीं लोरी जैसी मिठास भी है।'

उन्होंने आगे कहा, 'एक अभिनेत्री के तौर पर मेरी पहली फिल्म 'ओए लकी! लकी ओए!' थी, जो स्नेहा की भी पहली फिल्म थी। बतौर प्रोड्यूसर मेरी पहली फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' में भी स्नेहा का एक गाना था और अब बतौर क्रिएटर मेरे पहले प्रोजेक्ट में भी वह मेरे साथ हैं। वह सच में मेरा लकी चार्म हैं।'

वहीं, स्नेहा खानवलकर ने ऋचा की तारीफ करते हुए कहा, 'ऋचा की अपनी एक अलग और स्वतंत्र आवाज है। उन्होंने अपनी पत्रकारिता की पढ़ाई का 'मुसाफिरी' में बखूबी इस्तेमाल किया है। यह एक शानदार, दिलचस्प और मनोरंजक शो है, जो हमें उन जगहों और इलाकों की गहराई से सैर कराता है, जिन्हें हम देखते तो रहे हैं, लेकिन जिनके बारे में कभी इतने करीब से नहीं जान पाए।' स्नेहा ने गाने के बनने की कहानी बताते हुए कहा कि जब ऋचा ने उनसे सीरीज का टाइटल ट्रैक बनाने के लिए कहा, तो उन्होंने शुरुआत में एक बेसिक रिदमिक ट्रैक तैयार किया था। इसके साथ उन्होंने कुछ ऐसे शब्दों पर धुन गुनगुनाई थी, जिनका कोई तय मतलब नहीं था। बाद में ऋचा ने उसी धुन पर खुद बोल लिखे, जिन्हें स्नेहा ने रिकॉर्ड किया। उन्होंने कहा कि ऋचा के साथ काम करना हमेशा मजेदार रहता है। स्नेहा खानवलकर को फिल्म 'ओए लकी! लकी ओए!' के म्यूजिक और 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के दोनों पार्ट के संगीत के लिए खास पहचान मिली। **(एजेंसी)**

सुकेश चंद्रशेखर केस में आरोपी नहीं, सिर्फ गवाह हैं नोरा फतेही- लीगल टीम

अभिनेत्री नोरा फतेही की कानूनी टीम ने स्पष्ट किया है कि कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मामले में उन्हें आरोपी नहीं बनाया गया है। टीम के अनुसार, इस मामले में अदालत ने नोरा फतेही को केवल गवाह के रूप में तलब किया है। नोरा की लीगल टीम का कहना है कि अभिनेत्री जांच एवं न्यायिक प्रक्रिया में एक गवाह के रूप में सहयोग कर रही हैं। यह बयान 2 नवंबर को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में हुई सुनवाई के बाद आया। इस दिन आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) से जुड़े मामले में नोरा को गवाही देने के लिए कोर्ट में पेश होना था। हालांकि, उनके वकीलों ने अदालत को बताया कि उन्हें समन बहुत कम समय पहले मिला था और पहले से तय प्रोफेशनल कमिटमेंट के चलते वे पेश नहीं हो सकीं। इसके बाद नोरा की ओर से व्यक्तिगत पेशी से छूट के लिए आवेदन दाखिल किया गया। अदालत ने आवेदन पर सुनवाई के बाद मामले को 6 नवंबर तक के लिए टाल दिया और नोरा को पेश होने के लिए नया समन जारी किया। नोरा की लीगल टीम ने मीडिया को दिए बयान में कहा, 'सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा ईओडब्ल्यू का मामला आज दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई के लिए आया था। इस मामले में नोरा फतेही को गवाह के तौर पर समन भेजा गया था। उनके वकील कोर्ट में पेश हुए और बताया कि नोरा को बहुत कम समय पहले समन मिला था। पहले से तय प्रोफेशनल कमिटमेंट के कारण वे अदालत में उपस्थित नहीं हो सकीं।' बयान में आगे कहा गया, 'व्यक्तिगत पेशी से छूट के लिए आवेदन दाखिल किया गया, जिसके बाद अदालत ने मामले की सुनवाई 6 नवंबर 2026 तक टाल दी और नोरा को पेश होने के लिए नया समन जारी किया। यह स्पष्ट किया जाता है कि नोरा फतेही न तो इस मामले में आरोपी हैं और न ही उन पर किसी अपराध में शामिल होने का आरोप है। उन्हें केवल गवाह के तौर पर अदालत की कार्यवाही में मदद करने के लिए बुलाया गया है।'



दरअसल, यह मामला कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा है। आरोप है कि सुकेश ने दिल्ली की रोहिणी जेल में बंद रहने के दौरान करीब 200 करोड़ रुपए की वसूली का रैकेट चलाया था। बताया जाता है कि उसने खुद को वरिष्ठ सरकारी अधिकारी बताकर लोगों से ठगी की थी। इस मामले की जांच दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने की थी। जांच के बाद पुलिस ने महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून (मकोका) के तहत चार्जशीट दाखिल की थी। **(एजेंसी)**



'भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है', दीया मिर्जा के वीडियो विवाद पर भाजपा नेताओं की टिप्पणी से बॉम्बे हाई कोर्ट नाराज

मुंबई में दीपावली के दौरान पटाखे फोड़ने को लेकर शुरू हुआ विवाद अब बॉम्बे हाई कोर्ट तक पहुंच गया है। बॉलीवुड अभिनेत्री दीया मिर्जा का दीपावली पर पटाखे नहीं फोड़ने की अपील वाला वीडियो हटाए जाने पर हाई कोर्ट ने नाराजगी जताई है। न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति डॉ. नीला गोखले की बेंच ने सुनवाई के दौरान कुछ राजनीतिक नेताओं की टिप्पणियों पर नाराजगी जाहिर की। कोर्ट ने कहा कि ऐसी राजनीतिक टिप्पणियों से वे परेशान हैं। बेंच ने याद दिलाया कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। कोर्ट ने बीएमसी को हटाए गए वीडियो को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिर से पोस्ट करने का आदेश दिया।

दरअसल, बीएमसी ने 1 नवंबर को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर दीया मिर्जा का वीडियो पोस्ट किया था। इसमें अभिनेत्री लोगों से दीपावली मनाते समय पर्यावरण और अपनी सेहत का ध्यान रखने की अपील करती नजर आई थीं। उन्होंने कहा था कि पटाखों से होने वाला प्रदूषण सभी के लिए नुकसानदायक है और दीपावली को शोर के बजाय खुशियों के साथ मनाना चाहिए। बीएमसी ने वीडियो के साथ यह भी लिखा था कि बॉम्बे हाई कोर्ट के निर्देशों के मुताबिक सार्वजनिक सड़कों, गलियों और फुटपाथों पर पटाखे फोड़ना प्रतिबंधित है। हालांकि, वीडियो पोस्ट होने के कुछ घंटों बाद ही मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम ने इस पर आपत्ति जताई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बीएमसी को टैग करते हुए लिखा था, 'हमें दीया मिर्जा से दीपावली मनाने का तरीका सीखने की जरूरत नहीं है। हमारी परंपराएं हमारी संस्कृति में गहराई से जुड़ी हुई हैं।' उनकी इस टिप्पणी के बाद बीएमसी ने दीया का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट से हटा दिया। बीएमसी के जागरूकता अभियान के तहत दीया मिर्जा के अलावा, माधुरी दीक्षित, क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे और मराठी अभिनेत्री निशिगंधा वाड समेत कई हस्तियों के वीडियो भी पोस्ट किए गए थे। इन सभी के वीडियो सोशल मीडिया पर मौजूद रहे, जबकि सिर्फ दीया मिर्जा का वीडियो हटाया गया। इस बात को लेकर भी सवाल उठे कि जब सभी हस्तियां एक ही तरह की अपील कर रही थीं, तो केवल दीया के वीडियो पर ही आपत्ति क्यों जताई गई। वीडियो हटाए जाने के बाद दीया मिर्जा ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा था कि यह वीडियो बॉम्बे हाई कोर्ट और बीएमसी के निर्देश पर लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से रिकॉर्ड किया गया था। वायु प्रदूषण एक गंभीर चिंता का विषय है और इसे कम करने के लिए किए जाने वाले हर प्रयास का स्वागत किया जाना चाहिए। अभिनेत्री ने कहा कि वह पिछले एक दशक से पर्यावरण और हवा की गुणवत्ता को लेकर काम कर रही हैं। **(एजेंसी)**



फिल्म में एक मंदिर सीन की वजह से बदला नाम, सबीहा शेख ऐसे बनीं रानी चटर्जी

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक और डांसर रानी चटर्जी एक जानी-मानी हस्ती हैं, जिन्होंने अपने दो दशक लंबे अभिनय करियर में 400 से अधिक फिल्मों में काम किया है। अभिनेत्री मंगलवार को अपना 37वां जन्मदिन मनाने जा रही हैं। इस मौके पर आइए हम आपको उनके एक्टिंग करियर से लेकर कुछ दिलचस्प बातों के बारे में बताते हैं। बहुत लोगों को लगता होगा कि अभिनेत्री का असल नाम रानी चटर्जी है, लेकिन ऐसा नहीं है। उनका मूल नाम सबीहा शेख है, जिनका जन्म 3 नवंबर 1989 को मुंबई के एक मुस्लिम परिवार में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई-लिखाई मुंबई से ही पूरी की है। अभिनेत्री ने एक्टिंग की दुनिया में कदम वर्ष 2004 में मनोज तिवारी के साथ फिल्म 'ससुरा बड़ा पइसावाला' से रखा था। दर्शकों को पर्दे पर मनोज तिवारी और रानी चटर्जी की जोड़ी काफी पसंद आई। यह फिल्म ब्लॉकबस्टर रही थी। अपनी पहली ही फिल्म की शूटिंग के दौरान अभिनेत्री के नाम को एक मंदिर के दृश्य को लेकर बदला गया था, जिसके बाद उनका स्क्रीन नाम 'रानी चटर्जी' पड़ गया। आज यह लाखों फैंस के बीच अपने स्क्रीन नाम से ही जानी जाती हैं। डेब्यू फिल्म से मिली सफलता और सराहना के बाद अभिनेत्री ने कई फिल्मों में काम किया। उनकी कुछ प्रमुख फिल्मों की बात करें, तो उनमें 'नागिन', 'देवरा बड़ा सतावेला', 'गंगा यमुना सरस्वती', 'रानी नंबर 786', 'दरिया दिल', 'रानी बनल ज्वाला', 'घरवाली बाहरवाली', 'रियल इंडियन मदर', 'रानी वेड्स राजा', 'लेडी सिंघम', 'दूल्हा नाचा गली गली', 'श्रीमान श्रीमती', 'शेरनी', 'परिणय सूत्र', 'हां मैंने भी प्यार किया था', 'नौकरानी बनी महारानी', आदि फिल्में शामिल हैं। (एजेंसी)

भारत की बायोइकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिए तेज मंजूरियां और आसान फंडिंग जरूरी : पीयूष गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत की जैव अर्थव्यवस्था (बायोइकोनॉमी) को गति देने के लिए नियामकीय मंजूरियों की प्रक्रिया तेज करने, स्टार्टअप्स के लिए वित्तपोषण को आसान बनाने और उद्योग तथा शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया है।

'भारत की बायोइकॉनॉमी का अवसरः नवाचार और विकास को बढ़ावा देने में स्टार्टअप्स की भूमिका' विषय पर आयोजित उच्चस्तरीय राउंडटेबल बैठक की अध्यक्षता करते हुए गोयल ने कहा कि भारत की वैज्ञानिक क्षमता और उद्यमशील प्रतिभा का बेहतर उपयोग कर देश को वैश्विक बायोइकोनॉमी क्षेत्र में अग्रणी बनाया जा सकता है। वाणिज्य मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में



बताया कि गोयल ने बैठक के दौरान सामने आए सुझावों पर समयबद्ध कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। चर्चा का मुख्य फोकस बायोफार्मा स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाने के लिए नियमों को सरल बनाना, मंजूरी प्रक्रियाओं को तेज करना, पूंजी तक पहुंच बढ़ाना और साझा बुनियादी ढांचे का विकास करना था। डीपीआईआईटी द्वारा नीति आयोग और नीति फ्रंटियर टेक हब के सहयोग से आयोजित इस बैठक में प्रतिभागियों ने एक प्रस्तावित रेगुलेटरी सैंडबॉक्स, सिंगल-विंडो क्लीयरेंस सिस्टम, वैश्विक नियामकीय मानकों के साथ बेहतर तालमेल और पेटेंट आवेदन प्रक्रियाओं को सरल बनाने जैसे उपायों पर चर्चा की।

इन कदमों का उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना और स्टार्टअप्स को तेजी से विस्तार करने में मदद करना है। बैठक में केंद्रीय बजट 2026-27 में घोषित बायोफार्मा शक्ति पहल पर भी चर्चा हुई। प्रतिभागियों ने साझा प्रयोगशालाओं, परीक्षण सुविधाओं और क्लीनिकल ट्रायल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि बायोफार्मा स्टार्टअप्स की लागत कम हो सके और नवाचार को बढ़ावा मिले।

इस बीच, नीति आयोग की विशिष्ट फेलो ने कहा कि प्रतिस्पर्धी वैश्विक बायोइकोनॉमी के निर्माण के लिए स्टार्टअप्स, उद्योग, शिक्षाविदों और सरकार के बीच सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। वहीं, नीति आयोग के सदस्य गोबर्धन दास ने अनुसंधान क्षमताओं को मजबूत करने और वैज्ञानिक खोजों को व्यावसायिक रूप से उपयोगी उत्पादों में बदलने की आवश्यकता पर बल दिया।

एयर इंडिया नेटवर्क में संतुलन बनाएगी, चौड़े आकार वाले और विमान खरीदने पर विचार करेगी : सीईओ गेब्रेमरियम

नई दिल्ली (एजेंसी)

एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक टेवोल्डे गेब्रेमरियम ने मंगलवार को कहा कि विमानन कंपनी अपने हवाई अड्डा केंद्रों (हब) एवं नेटवर्क में संतुलन बनाएगी, लागत घटाएगी तथा चौड़े आकार वाले और विमान खरीदने पर विचार करेगी। उन्होंने कहा कि एयरलाइन वृद्धि के बड़े अवसरों का लाभ उठाने की तैयारी कर रही है।

घाटे में चल रही कंपनी की रणनीति बताते हुए गेब्रेमरियम ने कहा कि एयर इंडिया विदेशों में अपनी बाजार हिस्सेदारी फिर से हासिल करना चाहती है। अक्टूबर में आधिकारिक रूप से पदभार संभालने वाले गेब्रेमरियम ने राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'एविएशन इंडिया एंड साउथ एशिया 2026' सम्मेलन में कहा, ''एयर इंडिया अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर रही है और यह स्थिति बदलेगी।'' वृद्धि के ''बड़े अवसरों'' का लाभ उठाने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि विमानन कंपनी चौड़े आकार वाले विमानों का ऑर्डर बढ़ाना चाहेगी। उन्होंने कहा कि कंपनी का अंतरराष्ट्रीय उड़ान नेटवर्क फिर से संतुलित किया जाएगा और दिल्ली तथा मुंबई के अलावा बेंगलुरु को तीसरे बड़े केंद्र (हब) के रूप में विकसित करने पर विचार किया जाएगा। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया महत्वाकांक्षी बदलाव योजना पर काम कर रही है। कंपनी को पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र बंद होने से उसके अंतरराष्ट्रीय परिचालन पर पड़ रहे असर सहित कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

धनतेरस से पहले कीमती धातुओं पर दबाव! सोना 1 प्रतिशत फिसला, चांदी 5,600 रुपए तक टूटी

नई दिल्ली (एजेंसी)

धनतेरस और दिवाली से पहले सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। सोमवार को आई मामूली रिकवरी ज्यादा देर टिक नहीं पाई और मंगलवार को घरेलू व अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में कीमती धातुओं पर फिर दबाव देखने को मिला। एमसीएक्स पर सोने और चांदी की कीमतों में 1 प्रतिशत से ज्यादा तक की गिरावट दर्ज की गई।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त रुख, ब्याज दरों के लंबे समय तक ऊंचे बने रहने की संभावना और मजबूत रुपए के चलते सोना-चांदी



की कीमतों पर दबाव देखने को मिली। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स में मंगलवार को सोना और चांदी दोनों गिरावट के साथ कारोबार करते दिखाई दिए। सोना करीब 1.05 प्रतिशत टूटकर 3,928 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, तो वहीं चांदी 3.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59.25 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती दिखाई दी। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी मिड-टर्म चुनावों से पहले निवेशक सतर्क हैं और फिलहाल बाजार में जोखिम लेने की इच्छा सीमित बनी हुई है।

यही वजह है कि सोमवार की रिकवरी के बाद भी भारी खरीदारी देखने को नहीं मिली। अंतरराष्ट्रीय कमजोरी का असर भारतीय बाजार पर भी साफ दिखाई दिया। घरेलू बाजार में सोना करीब 1 प्रतिशत गिरकर 1.39 लाख प्रति 10 ग्राम के नीचे आ गया, जबकि चांदी का भाव करीब 3 प्रतिशत फिसलकर 1.78 लाख प्रति किलोग्राम के करीब आ गया।

एनएसई इंटरनेशनल एक्सचेंज पर अब रोजाना 23.5 घंटे होगा कारोबार

नई दिल्ली (एजेंसी)

एनएसई इंटरनेशनल एक्सचेंज (एनएसईआईएक्स) ने अपने बाजार में कारोबार का समय बढ़ाकर रोजाना 23.5 घंटे कर दिया है। इससे वैश्विक निवेशक एशियाई, यूरोपीय और अमेरिकी बाजारों के कारोबारी सत्रों के दौरान इसपर भी कारोबार कर सकेंगे।

एनएसईआईएक्स ने मंगलवार को बयान में कहा कि दो नवंबर से लागू हुए नए समय के तहत बाजार में कारोबार सुबह तीन बजकर 15 मिनट पर शुरू होगा और अगले दिन तड़के दो बजकर 45 मिनट तक जारी रहेगा। इससे पहले, सूचकांक में करीब 21 घंटे कारोबार की सुविधा उपलब्ध थी। इस कदम के जरिये एनएसईआईएक्स



का लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय निवेशकों और कारोबारियों को लगभग पूरे दिन बाजार में कारोबार की सुविधा देना है। इसका उद्देश्य बाजार से जुड़े प्रतिभागियों को ''एशियाई, यूरोपीय और अमेरिकी कारोबारी समय के दौरान बाजारों तक पहुंचने की अधिक सुविधा देना तथा भारत को वैश्विक पूंजी बाजारों से जोड़ने वाले अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्र के रूप में गिफ्ट सिटी की भूमिका मजबूत करना'' है। इसके अलावा, इससे उन्हें वैश्विक घटनाक्रमों पर प्रतिक्रिया देने और अलग-अलग समय क्षेत्रों में अपने बाजार जोखिम से निपटने में मदद मिलेगी। इस पहल से भारत को वैश्विक पूंजी बाजारों से जोड़ने वाले अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्र के रूप में 'गिफ्ट सिटी' की स्थिति भी मजबूत होने की उम्मीद है।

एनएसईआईएक्स के अनुसार, उसका प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचा कारोबारी सत्रों के बीच तीन मिनट के भीतर और दिन का कारोबार समाप्त होने पर 15 मिनट से भी कम समय में प्रणाली के रखरखाव तथा 'अपडेट' की सुविधा देता है। एनएसईआईएक्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) वी. बालासुब्रमण्यम ने कहा, 'एनएसईआईएक्स में कारोबार का समय बढ़ाकर 23.5 घंटे करना 'गिफ्ट सिटी' से वैश्विक स्तर पर सुलभ बाजार बनाने के हमारे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। सभी समय क्षेत्रों में बाजार तक पहुंच उपलब्ध कराकर हम प्रतिभागियों को अधिक सुविधा दे रहे हैं और वैश्विक वित्तीय बाजारों के साथ 'गिफ्ट सिटी' का संपर्क मजबूत कर रहे हैं।' एनएसईआईएक्स एक अंतरराष्ट्रीय बहु-परिसंपत्ति सूचकांक है, जिसकी स्थापना जून 2017 में 'गिफ्ट सिटी' (गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी) में की गई थी। इसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) से मान्यता प्राप्त है।